



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 319]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अक्टूबर 3, 2019/आश्विन 11, 1941

No. 319]

NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 3, 2019/ ASVINA 11, 1941

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(व्यापार उपचार महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर, 2019

प्राथमिक जांच परिणाम

**विषय:** चीन जन. गण., जापान जन. गण., कोरिया गणराज्य, ताईवान और वियतनाम के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स" के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच में प्राथमिक जांच परिणाम।

**क. मामले की पृष्ठभूमि**

**फा. सं. 6/7/2019-डीजीटीआर:** - समय-समय पर यथासंशोधित सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (जिसे यहां बाद में) अधिनियम कहा गया है और उसकी समय-समय पर यथासंशोधित सीमा प्रशुल्क (पाटित आयातों के पहचान, मूल्यांकन और उन पर पाटनरोधी शुल्क का संग्रहण तथा क्षति के निर्धारण के लिए नियमावली, 1995 (जिसे यहां आगे पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए।

1. जबकि मै० टेक्नोवा इमेजिंग सिस्टम्स (पी) लि० (जिसे यहां आगे आवेदक अथवा "याचिकाकर्ता" अथवा "घरेलू उद्योग" भी कहा गया है) ने चीन जन. गण. जापान, कोरिया जन. गण., ताईवान और वियतनाम (जिन्हें यहां संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स" (जिसे यहां संबद्ध सामान भी कहा गया है)

के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने के अधिनियम और पाटनरोधी नियम के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (यहां आगे प्राधिकारी भी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन पत्र दायर किया है।

2. और, जबकि, प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध सामानों के तथाकथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा अप्रभाव निर्धारित करने के लिए तथा पाटनरोधी शुल्क की राशि, जो यदि लगाई जाए और घरेलू उद्योग को तथातथित क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, की सिफारिश करने के लिए पाटनरोधी नियमावली के नियम 5 के अनुसार संबद्ध जांच शुरू करते हुए भारत के राजपत्र में प्रकाशित 16 मई, 2019 की अधिसूचना संख्या 6/7/2019-डीजीटीआर द्वारा इस सार्वजनिक सूचना जारी की।

### **ख. प्रक्रिया**

3. संबद्ध जांच के संबंध में प्राधिकारी द्वारा यहां नीचे वर्णित प्रक्रिया अपनाई गई है। प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 5 उपनियम (5) के अनुसार जांच शुरू करने के लिए कार्रवाई से पूर्व वर्तमान पाटनरोधी आवेदन पत्र प्राप्त होने के संबंध में भारत में संबद्ध दूतावासों को अधिसूचित किया।
  - क) प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 5 उपनियम (5) के अनुसार जांच शुरू करने के लिए कार्रवाई से पूर्व वर्तमान पाटनरोधी आवेदन पत्र प्राप्त होने के संबंध में भारत में संबद्ध दूतावासों को अधिसूचित किया।
  - ख) प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित दिनांक 16 मई, 2019 की सार्वजनिक सूचना जारी की।
  - ग) प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों, संबद्ध देशों के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों, ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं और घरेलू उद्योग तथा आवेदक द्वारा उपलब्ध कराये गये पतों के अनुसार अन्य घरेलू उत्पादकों को जांच की शुरुआत की अधिसूचना की प्रति भेजी और उनसे अनुरोध किया कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर लिखित में अपने ज्ञात विचार दें।
  - घ) प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियमावली के नियम 6 (3) के अनुसार ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को तथा भारत में संबद्ध दूतावासों को अगोपनीय रूपांतर की प्रति उपलब्ध कराई।
  - ङ) भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों से यह भी अनुरोध किया गया था कि वे अपने देशों के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें। उत्पादकों/निर्यातकों को भेजे गए पत्र एवं प्रश्नावली संबद्ध देशों के ज्ञात उत्पादकों / निर्यातकों के नामों और पतों के साथ भी भेजी गई थी।
  - च) प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देशों में निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/ निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजीं।

### **चीन गणराज्य**

- (i) मै० कोडक (चीन) ग्राफिक कंम्यूनिकेशन कंपनी, लि०
- (ii) मै० हेनान हुइदा प्रिंटाल डिजिटल मैटेरियल टेक्नोलॉजी कंपनी
- (iii) मै० लकी हुआगुआंग ग्राफिक्स कंपनी

### **वियतनाम**

- (iv) मै० माइलान प्रिंटिंग मीडिया कारपोरेशन

**कोरिया गणराज्य**

(v) मै० जेइल सी. एंड पी. कंपनी, लि०

**ताईवान**

(vi) मै० टॉप हाई इमेज कोरपोरेट

**जापान**

(vii) मै० फ्यूजीफिल्म कारपोरेशन

छ) संबद्ध देशों के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने उत्तर में निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर दायर किए।

(i) मै० फ्यूजीफिल्म कारपोरेशन, जापान

(ii) मै० फ्यूजीफिल्म ग्लोबल ग्राफिक्स सिस्टम, जापान

(iii) मै० फ्यूजीफिल्म प्रिंटिंग प्लेट (चीन) कंपनी लि०, चीन गणराज्य

(iv) मै० फ्यूजीफिल्म (चीन) इन्वेस्टमेंट कंपनी लि०, चीन गणराज्य

(v) मै० कोडक (चीन) ग्राफिक कंम्यूनिकेशन्स कंपनी लि०

(vi) मै० कोडक (चीन) इन्वेस्टमेंट कंपनी लि०

(vii) मै० लकी हुआगुआंग ग्राफिक्स कंपनी लि०

(viii) मै० शंघाई स्ट्रांग स्टेट प्रिंटिंग इक्विपमेंट लि०

(ix) मै० अन्हुई स्ट्रांग स्टेट प्रिंटिंग मैटेरियल्स कंपनी लि०

(x) जेइल सी. एंड पी. कंपनी, लि०

(xi) मै० माइलान प्रिंटिंग मीडिया कारपोरेशन

ज) प्राधिकारी ने नियमावली 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मगाने के लिए भारत में संबद्ध सामानों के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को आयातक प्रश्नावली भेजी।

(i) मै० कोडक इंडिया प्राइवेट लि०, मुंबई

(ii) मै० फ्यूजीफिल्म इंडिया प्राइवेट लि०, हरियाणा

(iii) मै० कपूर इमेजिंग प्राइवेट लि०, चेन्नई

(iv) मै० निप्पन कलर, मुंबई

(v) मै० जे. एल. अरोरा ट्रेडिंग कंपनी, नई दिल्ली

(vi) मै० सुनील इंटरप्राइजेस, नई दिल्ली

(vii) मै० ब्राइट इंटरप्राइजेस, आंध्र प्रदेश

(viii) मै० विशाल प्रिंट ट्रेडर्स प्राइवेट लि०, मुंबई

(ix) मै० वैराम इंटरप्राइजेस, तमिलनाडु

(x) मै० वेन्नेट, कोलेमन एंड कंपनी लि०, मुंबई

(xi) मै० जागरण प्रकाशन लि०, उत्तर प्रदेश

झ) उत्तर में निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ताओं ने उत्तर दिया और आयातक प्रश्नावली के उत्तर दायर किये।

(i) मै० कपूर इमेजिंग प्राइवेट लि०

(ii) मै० फ्यूजीफिल्म इंडिया प्राइवेट लि०

(iii) मै० कोडक इंडिया प्राइवेट लि०

(iv) मै० ब्राइट इंटरप्राइजेस

(v) मै० निप्पन कलर

ट) उपर्युक्त उत्तरदाता उत्पादकों/निर्यातकों के अलावा इस जांच प्रक्रिया के दौरान निम्नलिखित पक्षकारों की ओर से कुछ कानूनी अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

(i) आल इंडिया फेडरेशन ऑफ मास्टर प्रिंटेर्स

(ii) एच. टी. मीडिया लि०

(iii) मेट्रोस्टार प्रिंट सल्यूशंस प्राइवेट लि०

(iv) गवर्नमेंट ऑफ कोरिया

(v) गवर्नमेंट ऑफ ताईवान

(vi) टोरे इंडस्ट्रीज, इंक.

(ठ) प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य/किए गए अनुरोधों का अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराया। इस प्राथमिक जांच अधिसूचना में सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों को ध्यान में रखा गया है।

(ड) वाणिज्यिक असूचना एवं सांख्यिकीय महानिदेशालय (डी. जी. सी. आई. एंड एस.) से पिछले तीन वर्षों और जांच की अवधि के लिए संबद्ध सामानों के आयातों के लेनदेनवार ब्यौरे उपलब्ध कराने के लिए अनुरोध किया गया था, जो प्राधिकारी को प्राप्त हो गए थे। प्राधिकारी ने आयातों की मात्रा के परिकलन और लेनदेनों की उचित जांच के बाद उसके विश्लेषण के लिए डी. जी. सी. आई. एंड एस. के आंकड़ों पर विश्वास किया है।

(ढ) क्षतिरहित कीमत (एन. आई. पी.) का निर्धारण सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जी. ए. ए. पी.) और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा दी गई सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध सामानों की उत्पादन लागत और निर्माण तथा बिक्री लागत के आधार पर किया गया है। ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति समाप्त करने में पर्याप्त होगा।

(ण) तालिका अध्ययन के जरिए आवेदक घरेलू उद्योग द्वारा दी गई सूचना का सत्यापन आवश्यक समझी गई सीमा तक प्राधिकारी द्वारा किया गया था। केवल आवश्यक संशोधन के साथ सत्यापित सूचना (जहां कहीं लागू हो), पर प्राथमिक जांच के प्रयोजन के लिए विश्वास किया गया है।

- (त) वर्तमान पाटनरोधी जांच के प्रयोजन के लिए जांच की अवधि 1 जुलाई, 2018 से 31 मार्च 2019 (9 माह है) तथापि, क्षति जांच अवधि अप्रैल, 2015 – मार्च, 2016, अप्रैल, 2016-मार्च, 2017, अप्रैल, 2017, मार्च, 2018, अप्रैल, 2018, जून, 2018 और जांच की अवधि मानी गई है।
- (थ) नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार प्राधिकारी ने 16 अगस्त, 2019 को आयोजित सुनवाई में सभी हितबद्ध पक्षकारों को अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर भी प्रदान किया। सभी पक्षकारों, जिन्होंने मौखिक सुनवाई में भाग लिया था, को सलाह दी गई थी कि वे मौखिक रूप से व्यक्त अपने विचारों को लिखित अनुरोधों के रूप में दायर करें। पक्षकारों को विरोधी पक्षकारों द्वारा व्यक्त विचारों की प्रतियां देने की सलाह दी गई थी और अपने खनन पेश करने की सलाह दी गई थी।
- (द) इस जांच प्रक्रिया के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध पर, वर्तमान जांच में संगत माने गए और साक्ष्यों से समर्थित सीमा तक, इस प्राथमिक जांच परिणाम में प्राधिकारी द्वारा उपयुक्त रूप से विचारा किया गया है।
- (ध) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना की जांच गोपनीयता के दावे पर्याप्तता के संबंध में की गई थी। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने जहां भी आवश्यक था, गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया है और उस सूचना को गोपनीय माना गया है तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं की गई है। जहां भी संभव हुआ है, गोपनीय आधार पर सूचना देने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए थे।
- (न) जहां भी किसी हितबद्ध पक्षकार ने किसी को स्वीकार करने से इंकार किया है अथवा वर्तमान जांच प्रक्रिया के दौरान आवश्यक सूचना नहीं दी है अथवा जांच में काफी बाधा डाली है, वहां प्राधिकारी ने उन पक्षकारों को असहयोगी माना है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर प्राथमिक जांच परिणाम रिकार्ड किये हैं।
- (प) इस प्राथमिक जांच परिणाम में \*\*\* गोपनीय आधार पक्षकार द्वारा दी गई सूचना तथा नियमावली के तहत प्राधिकारी द्वारा वैसी मानी गई सूचना है।
- (फ) संबद्ध जांच के लिए प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई विनिमय दर 1 अमरीकी डॉलर = 71.06 रूपए है।

#### **ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु**

4. जांच की शुरुआत के स्तर पर विचाराधीन उत्पाद को निम्नलिखित रूप में परिभाषित किया गया था-

“ वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद “डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स” है, जिसे सामान्य रूप से डिजिटल प्लेट्स” कहा जाता है। डिजिटल प्लेटों का प्रयोग पेपर पर इमेज के रूप में (डाट पैटर्न अथवा टेक्स्ट) के रूप में अथवा टिन सीट अथवा कोइली फिल्मों आदि जैसे नान आब्सारवेंट सबस्ट्रेट पर इमेज के रूप में आंकड़े आंतरित करने के लिए प्रिंटिंग उद्योग में किया जाता है। डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेटों का प्रयोग करते हुए प्रिंटिंग प्रक्रिया में डिजिटल वर्क फ्लो लेजरों का प्रयोग करते हुए “कंप्यूटर से प्लेट में” से इमेज का सीधा आंतरण सक्षम होता है, जोकि समान वर्क फ्लो में नहीं होता जिसमें इमेज को आंतरित करने के लिए मध्यवर्ती फिल्म की आवश्यकता होती है। डिजिटल प्लेटें रासायनिक कोटिंग से कोटेड उच्च शुद्धता की लिथो ग्रेड एल्यूमिनियम कोइल्स से बनायी जाती हैं। डिजिटल प्लेटें पॉजिटिव (नान एक्सपोज्ड एरिया इमेज बनाता है) अथवा निगेटिव (एक्सपोज्ड एरिया इमेज बनाता है) वर्किंग प्लेटे हो सकती हैं। डिजिटल प्लेटों का निष्पादन प्लेट की विकास प्रक्रिया में उसे पर्यावरण के अनुकूल बनाते हुए रसायनों का कम प्रयोग करके भी सुधारा जा सकता है, जिन्हें डिजिटल ऑफसेट “केम-फ्री” / “ ग्रीन प्लेट के रूप में भी जाना जाता है। इसी प्रकार डिजिटल प्लेटों का निष्पादन उसे प्रक्रियाहीन प्लेट बनाकर भी सुधारा जा सकता है। कोटिंग संघटक, जिन्हें

सेंसिटाइजर” के रूप में भी जाना जाता है, विभिन्न प्रकार की प्लेटों के लिए अलग अलग होते हैं। कोटिंग संघटकों और लेजर किस्म के प्लेट सेटर्स के आधार पर डिजिटल प्लेटें व्यापक रूप से तीन श्रेणियों में वर्गीकृत की जा सकता हैं, यथा- थर्मल, वायलेट और सीटीसीपी/यूवी सीटीपी (कंप्यूटर से पारंपरिक प्लेट)।

- i. डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स, जिन्हें इन्फ्रा-रेड ऊर्जा का प्रयोग करके खुले में रखा जाता है, थर्मल प्लेटें कहलाती हैं।
- ii. डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स, जिन्हें दृश्य एवं निकट दृश्य हल्की ऊर्जा का प्रयोग करके खुले में रखा जाता है ( वायलेट रेजर्स) वायलेट प्लेटें कहलाती हैं और ;
- iii. डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स जिन्हें अल्ट्रा वायलेट किरणों का प्रयोग करके खुले में रखा जाता है। सीटीसीपी/यूवी सीटीपी प्लेटें कहलाती हैं।

सभी आयामों में सभी प्रकार की डिजिटल प्लेटें विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र के अंतर्गत शामिल होती हैं। संबद्ध सामान अधिनियम के प्रशुल्क उपशीर्ष '8442.50' के अंतर्गत आते हैं। तथापि, संबद्ध सामानों के आयात 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.1190, 7606.9190 और 7606.9290 जैसे अन्य शीर्षों के तहत भी किया गया है। अतः सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक हैं और उत्पाद विवरण उत्पाद की पहचान के लिए विद्यमान रहेंगे।

#### **ग.1. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध**

5. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए अनुरोध निम्नलिखित हैं :-
  - क) वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद “डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स” है, जिसे सामान्य रूप से डिजिटल प्लेट्स” कहा जाता है। डिजिटल प्लेटों का प्रयोग पेपर पर इमेज के रूप में (डाट पैटर्न अथवा टेक्स्ट ) के रूप में अथवा टिन सीट अथवा कोइली फिल्मों आदि जैसे नान आक्सारवेंट सब्सट्रेट पर इमेज के रूप में आंकड़े आंतरित करने के लिए प्रिंटिंग उद्योग में किया जाता है। डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेटों का प्रयोग करते हुए प्रिंटिंग प्रक्रिया में डिजिटल वर्क फ्लो लेजरों का प्रयोग करते हुए “कंप्यूटर से प्लेट में” से इमेज का सीधा आंतरण सक्षम होता है जोकि समान वर्क फ्लो में नहीं होता, जिसमें इमेज को आंतरित करने के लिए मध्यवर्ती फिल्म की आवश्यकता होती है। डिजिटल प्लेटें रासायनिक कोटिंग से कोटेड उच्च शुद्धता की लिथो ग्रेड एल्यूमिनियम कोइल्स से बनायी जाती हैं। कोटिंग निर्माण विभिन्न प्रकार की प्लेटों के लिए अलग अलग होता है।
  - ख) डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स उच्च शुद्धता वाले लिथो ग्रेड एल्यूमिनियम काइलों से बनाये जाते हैं। इन एल्यूमिनियम काइलों में डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स में परिवर्तित होने के लिए पूर्णतः एकीकृत प्रक्रिया लाइन पर इलेक्ट्रो गेनिंग, एनोडाइजिंग और कोटिंग की विनिर्माण प्रक्रिया होती है। तीन प्रकार की डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स होती हैं, यथा-
    - (i) थर्मल प्लेट्स ;
    - (ii) वायलेट प्लेट्स ; एंड
    - (iii) सीटीसीपी/यूवी सीटीपी प्लेट्स
  - ग) इन सभी किस्म की प्लेटें एक ही संयंत्र में निर्मित की जाती हैं और ऑफसेट प्रिंटिंग के लिए परस्पर परिवर्तनीय रूप से प्रयुक्त की जा सकती हैं।
  - घ) तापीय थर्मल प्लेट सेटर्स पर इन्फ्रा-रेड ऊर्जा (थर्मल लेजर) का प्रयोग करके इमेज की जाने वाली डिजिटल ऑफसेट प्लेटें, थर्मल प्लेटें कहलाती हैं। वायलेट प्लेट सेटर्स पर विजिबल और नियर विजिबल हल्की ऊर्जा (वायलेट लेजर) का प्रयोग

- करके एक्सपोज की जाने वाली डिजिटल ऑफसेट प्लेटें, वायलेट प्लेटें कहलाती हैं। यूवी प्लेट सेटरो पर अल्ट्रावायलेट किरणों का प्रयोग करके एक्सपोज की जाने वाली डिजिटल ऑफसेट प्लेटें/यूवी- सीटीपी सीटीसीपी प्लेटें कहलाती हैं।
- ड) इमेज प्लेट को फिर एक प्रोसेसर में विकसित किया जाता है जिसमें नान इमेज क्षेत्र को अलकलाइन डेवलपर का प्रयोग करके मिलाया जाता है। फिर प्लेट में गोंद लगाया जाता है और प्रिंटिंग के लिए प्रिंटिंग प्रेस पर माउंटिंग के लिए तैयार होती है।
- च) जैसे ही प्रौद्योगिकी विकसित होती है, प्लेटों में कुछ सुधार होते हैं। मानक/पारंपरिक प्लेटों के अलावा डिजिटल ऑफसेट प्लेटों के केम-फ्री एवं प्रक्रियाहीन रूपांतर जैसे प्लेटों के अन्य किस्में उपलब्ध होती हैं।
- छ) केम-फ्री प्लेटों में अलकालाइन डेवलपर के लिए प्रयुक्त किये जाने की कोई आवश्यकता नहीं होती है। उसके बजाय नान इमेज क्षेत्र रसायन मुक्त गोंद से हटाया जाता है। अतः केम-फ्री प्लेट के प्रयोग के लिए प्रोसेसर को एक क्लीन आउट यूनिट से प्रतिस्थापित किया जाता है। इससे एक पर्यावरण के अनुकूल प्रक्रिया बनती है और प्रयोक्ताओं के लिए पानी की बचत होती है। केम-फ्री प्लेटों के मामलों में यह मुख्य लाभ है। केम-फ्री प्लेटें थर्मल एवं वायलेट प्रौद्योगिकियों दोनों में उपलब्ध हैं।
- ज) प्रक्रियाहीन प्लेटों के मामले में क्लीन आउट यूनिट की कोई आवश्यकता नहीं होती है। नान इमेज एरिया सीधे ही प्रेस पर हटाया जाता है। इससे प्लेट निर्माण प्रक्रिया में उत्पादकता का सुधार होता है। ये फोटो पोलिमेर निगेटिव वर्किंग थर्मल प्लेटें होती हैं। इन प्लेटों में निरंतर नई-नई प्रौद्योगिकियां आ रही हैं।
- झ) मानक एवं पारंपरिक प्लेटों में प्रयुक्त कोटिंग फोटो संवेदनशील डियाजो सेंसिटायर होते हैं। केम फ्री और प्रक्रियाहीन प्लेटें अधिक जटिल मोनोमेर, पोलिमेर और फोटो इनीसिएटरो का प्रयोग करती हैं। इन प्लेटों की कीमत भारत में मानक/पारंपरिक प्लेटों से न्यूनतम 5 प्रतिशत से 10 प्रतिशत तक अधिक होती हैं।
- ञ) दोहरी परत की प्लेटें कुछ नहीं होतीं, बल्कि प्लेटों पर दोहरी कोटिंग होती है जो प्लेट को सुदृढ़ देती हैं और प्रयोक्ताओं को उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं के लिए अधिक संचालन लंबाई प्राप्त करने में सक्षम बनाती हैं। वर्तमान में टेक्नोवा अपने विद्यमान संयंत्र पर दोहरी परत की थर्मल एवं वायलेट प्लेटों का विनिर्माण करती हैं।
- ट) जहां तक दोहरी परत वाली यूवीसीटीपी प्लेटों का विनिर्माण का संबंध है, दोहरी परत वाली यूवीसीटीपी प्लेटों का निर्माण करना प्रयोक्ताओं के लिए वाणिज्यिक रूप से अर्थक्षम नहीं होता है, क्योंकि यूवीसीटीपी प्लेटों का प्रयोग कम समय तक संचालन और अपेक्षाकृत रूप से कम प्रिंट क्वालिटी के मुद्रण कार्यों के लिए किया जाता है। इस कम लंबाई वाले प्रिंट कार्य के लिए प्रयोक्ता की आवश्यकता की पूर्ति एक परत वाली यूवीसीटीपी प्लेटों से की जा सकती है (जिन्हें पारंपरिक/मानक प्लेटों के रूप में भी जाना जाता है) "शार्टर रन लेंथ" कार्य का बाजार बहुत ही कीमत सजग क्षेत्र है, जो एकल परत वाली प्लेटों का प्रयोग लागत प्रभावी होने के लिए करता है। टेक्नोवा के पास दोहरी परत वाली यूवीसीटीपी प्लेटों के विनिर्माण की पूरी क्षमता है, यदि उस उत्पाद के लिए वाणिज्यिक मांग हो, यह नोट किया जाए कि दोहरी परत वाली यूवीसीटीपी प्लेटों की कीमत पारंपरिक/एकल परत वाली यूवीसीटीपी प्लेटों से अधिक है।
- ठ) डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेटें या तो पॉजिटिव (नान एक्सपोज एरिया इमेज बनाता है) अथवा निगेटिव (एक्सपोज्ड एरिया इमेज बनाता है) वर्किंग प्लेटें हो सकती हैं। इस रेंज में वे प्लेटें शामिल हैं, जिन्हें प्लेटों के प्रसंस्करण के लिए रसायनों की आवश्यकता होती है और साथ ही पर्यावरण के अनुकूल होती हैं जिन्हें प्रसंस्करण के लिए रसायनों अथवा पानी की आवश्यकता नहीं होती है।
- ड) टेक्नोवा पूरी मोटाई की प्लेटों का विनिर्माण करती है। 0.28 एमएम की मानक मोटाई के अलावा टेक्नोवा वर्तमान में 0.15 एमएम, 0.20 एमएम, 0.25 एमएम और 0.40 एमएम की मोटाई की प्लेटों का विनिर्माण करती हैं। विद्यमान विनिर्माण संयंत्र पूरी मोटाई की प्लेटों का उत्पादन करने में सक्षम हैं।

- ढ) टेक्नोवा सबसे व्यापक रेंज के उत्पादों का विनिर्माण करती है और उपर्युक्त अधिकतर रूपों सहित पूरी रेंज की प्लेटों का उत्पादन करने में सक्षम है। भारतीय बाजार में प्रौद्योगिकियों को लगाने और उनका प्रेक्षण करने के बाद सभी नवीनतम और परीक्षित रूपांतरों के लिए प्रौद्योगिकी की डिजिटल प्लेटें अगफा ग्राफिक्स से अंतरित की गई हैं।
- ण) घरेलू उद्योग दोहरी परत की यूवीसीटीपी प्लेटों, 0.25 एमएम की मोटाई की प्लेटों, प्रक्रियाहीन प्लेटों, वायलट यूवीसीटीपी प्रक्रियाहीन प्लेटों, केम फ्री यूवीसीटीपी और निगेटिव वर्किंग यूवीसीटीपी, पीएस और थर्मल प्लेटों जिन्हें कुछ हितबद्ध पक्षकारों द्वारा जांच के क्षेत्र से अलग की जाने की मांग की गई है, जैसे रूपों सहित विचाराधीन उत्पाद के सभी रूपों का उत्पादन करने में सक्षम हैं। किसी भी अंतिम प्रयोक्ता ने प्लेटों की किस्मों को अलग करने की मांग नहीं की है, परंतु केवल निर्यातकों अथवा आयातकों ने इन्हें हटाये जाने की मांग की है।
- त) टेक्नोवा टोरे इंडस्ट्रीज इन जापान से जलहीन सीटीपी प्लेटों का आयात करती है। जांच की अवधि के दौरान जलहीन सीटीपी प्लेटों के आयातों की कुल मात्रा 14.1 अमरीकी डालर / एसक्यूएम की औसत सीआईएफ कीमत पर 2,665 एसक्यूएम है।
- थ) जांच के क्षेत्र से कुछ किस्म की प्लेटों को हटाये जाने का दावा भविष्य में पाटनरोधी शुल्कों की संभावित प्रवंचना के लिए एक खामी सृजित करने का प्रयास है। कुछ आयातकों द्वारा प्रवंचना के इतिहास को देखते हुए याचिकाकर्ता की यह अवधारणा पूरी तरह से अनावश्यक नहीं है।
- द) टेक्नोवा ने जांच अवधि के दौरान चीन जन. गण. से बहुत कम मात्रा में आयात किया है। टेक्नोवा द्वारा चीन जन. गण. से किए गए आयात मुख्य रूप से कुछ सीमित ग्राहकों को सेवा देने के लिए रखे गए/जारी रहने के लिए थे, जो संबद्ध देशों से और विशेष रूप से चीन से निर्यातकों से बहुत ही घटिया तरीके से कम कीमतों पर पेश किए गए थे। कुछ मामलों में चीनी निर्यातकों से कीमत टेक्नोवा के लिए विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन लागत से कम थी।
- ध) टेक्नोवा ने मै० अगफा गेवर्ड, ब्रुसेल्स, बेल्जियम के साथ दीर्घावधि, प्रौद्योगिकी अंतरण करार की है।
- न) इस करार के तहत मै० अगफा डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेटों की वर्तमान एवं भावी विकसित की जाने वाली अपनी पूरी रेंज की प्रौद्योगिकी अंतरित करेगा। यह प्रौद्योगिकी इन डिजिटल ऑफसेट प्लेटों का भारत में स्थानीय निर्माण एवं विपणन के लिए टेक्नोवा द्वारा अपनाया जाएगा तथा ग्राहक के अनुकूल बनाया जाएगा।
- न) डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट प्रौद्योगिकी पर्यावरण के अनुकूल विशेषताओं, उत्पादक का सुधार, लागत बचत आदि जैसी विशेषताओं में सुधार एवं वृद्धि के साथ निरंतर विकसित हो रही प्रौद्योगिकी है।
- प) इन प्रौद्योगिकी अंतरण प्रक्रिया के एक भाग के रूप में अगफा एक नए उत्पाद की प्रौद्योगिकी यूरोप में उसकी शुरू किए जाने के बाद टेक्नोवा को अंतरित करता है।
- फ) इस प्रौद्योगिकी अंतरण से पूर्व टेक्नोवा अगफा बेल्जियम से इन डिजिटल प्रिंटिंग प्लेटों का आयात करता है और ग्राहकों का चयन करने के लिए इसका बाजार में प्रेक्षण करता है। इन आवर्ण स्थलों पर प्लेटों का स्थानीय स्थितियों की निरंतरता और अनुरूपता सुनिश्चित करने के लिए परीक्षण किया जाता है।
- ब) जब ग्राहक प्लेटों को अनुमोदित कर देता है और उनके द्वारा टेक्नोवा को प्रौद्योगिकी अंतरित की जाती है तो टेक्नोवा छोटे बैचों में प्लेटों का अपने संयंत्रों में विनिर्माण करता है और परीक्षणों के लिए ग्राहकों को इसकी आपूर्ति करता है। इस अवधि के दौरान स्थानीय रूप से विनिर्मित और अगफा से आयातित प्लेटों से दोनों की आपूर्ति ग्राहकों को समानांतर रूप से की जाती है।
- भ) जब ग्राहक गुणवत्ता को आयातित प्लेटों से तुलनीय पता है तो आयात रोक दिए जाते हैं और टेक्नोवा अपने संयंत्रों से उसकी आपूर्ति करता है।



- म) इस पूरी अवधि के दौरान ग्राहकों को वाणिज्यिक बीजकों के तहत आयातित प्लेटें बेची जाती हैं।
- कक) उदाहरण के रूप में टेक्नोवा अगफा से एन-91 प्लेटों का आयात कर रहा था, जो मार्केट में लगाने के लिए थी और बेटा परीक्षण प्रयोजनों के लिए थी। वर्तमान में टेक्नोवा इन प्लेटों का निर्माण करता है और ग्राहकों को आपूर्ति करता है तथा इन प्लेटों का अब कोई आयात नहीं किया जाता है।
- खख) पूर्व की जांचों में (मूल एवं एसएसआर) विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों ने विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से कुछ को हटाये जाने का अनुरोध किया है तथापि, यह सिद्ध और सत्यापित किया गया था कि घरेलू उद्योग आयातित उत्पादों के सभी रूपों का उत्पादन और आपूर्ति करने में सक्षम था और आयातित उत्पादों को सभी पहलुओं में समान उत्पाद होना सिद्ध किया गया था।
- गग) सभी आयामों में सभी किस्मों डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेटें विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में शामिल हैं। संबद्ध सामान अधिनियम के प्रशुल्क उपशीर्ष 8442.50 के तहत आते हैं, तथापि, संबद्ध सामानों का आयात 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.1190, 7606.9190 और 7606.9290 जैसे अन्य शीर्षों के तहत किया गया है।

## ग.2. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

6. विचाराधीन उत्पादक और समान वस्तु के संबंध में निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए अनुरोध निम्नलिखित हैं :-
- क) घरेलू उद्योग में पर्याप्त मात्रा में अगफा ग्राफिक्स से प्रक्रिया मुक्त प्लेटों और दोहरी परत वाली प्लेटों का आयात किया है और घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान भारत में प्रक्रिया मुक्त प्लेटों और दोहरी परत वाली प्लेटों का विनिर्माण नहीं किया है। अतः प्रक्रिया मुक्त प्लेटों को जांच के क्षेत्र से अलग किया जाना चाहिए।
- ख) घरेलू उद्योग के उनकी याचिका में और मौखिक सुनवाई के दौरान उत्पाद रेंज के दावे भ्रामक हैं, जैसा कि बेल्जियम जैसे गैर संबद्ध देशों से आयातों से सिद्ध है। याचिकाकर्ता द्वारा उत्पाद की पूरी रेंज के विनिर्माण के संबंध में दावा अत्यधिक भ्रामक और तथ्यात्मक रूप से गलत है।
- ग) आवेदक ने उल्लेख किया 0.25 एमएम की प्लेटों का बाजार नहीं है और इसीलिए वे इन प्लेटों का विनिर्माण नहीं करते, परंतु यदि कोई आवश्यकताएं होती हैं तो वे उत्पादन करेंगे। अतः वह स्वयं ही इस बात की पुष्टि करते हैं कि वे इन प्लेटों का विनिर्माण नहीं करते। अतः 0.25 एमएम की सभी प्रकार की प्लेटों को पाटनरोधी शुल्क के अध्वधीन नहीं रखा जाना चाहिए।
- घ) आवेदक ने निम्नलिखित प्लेटों के विनिर्माण में गलत सूचना दी है।
- क. डबल लेयर सीटीसीपी प्लेट्स
- ख. निगेटिव वर्किंग सीटीसीपी प्लेट्स
- ग. लो-केम सीटीसीपी प्लेट्स
- अतः उपर्युक्त प्लेटों को पाटनरोधी शुल्क समीक्षा के तहत नहीं होना चाहिए।
- ड) कोडक अनुरोध करता है कि केसीजीसीसीएल "सोनोरा" प्रक्रिया मुक्त प्लेटों का निर्माण करता है और उन्होंने पहले ही प्राधिकारी से उसे विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से हटाने का अनुरोध कर दिया है।
- च) घरेलू उद्योग जलहीन सीटीसीपी प्लेटों का निर्माण नहीं करता। जलहीन सीटीसीपी प्लेटों का उन मुद्रकों द्वारा परस्पर परिवर्तनीय रूप से प्रयोग नहीं किया जा सकता जो डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेटों का इस्तेमाल करते हैं। जलहीन सीटीसीपी प्लेटों का आयात प्रशुल्क शीर्ष 3701.3000 के तहत किया जाता है। भारत में जलहीन सीटीसीपी प्लेटों का प्रयोग

सिक्वोरिटी कार्ड प्रिंटिंग और लेबल प्रिंटिंग तक सीमित है, यथा खाद्य एवं औद्योगिक लेबल जिनमें जलहीन प्रिंटिंग के लिए विशेष रूप से बनायी गई प्रिंटिंग प्रक्रिया का प्रयोग किया जाता है। अतः जलहीन सीटीपी प्लेटें, डिजिटल आफसेट प्लेटों से भिन्न हैं और इसीलिए वर्तमान जांच में इन्हें विचाराधीन उत्पाद से अलग किया जाना चाहिए।

### ग.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

7. विचाराधीन उत्पाद संबंधी मुद्दों के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों और घरेलू उद्योग द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए अनुरोधों की जांच की जाती है और निम्नलिखित रूप में हल किया जाता है।
8. विचाराधीन उत्पाद आयातित उत्पाद है जो तथाकथित रूप से घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा रहा है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि तीन प्रकार की डिजिटल आफसेट प्रिंटिंग प्लेटें हैं, यथा- थर्मल प्लेट, वायलेट प्लेट और सीटीसीपी / यूवी सीटीपी प्लेट है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि प्रौद्योगिकी के विकास से केम फ्री, दोहरी परत वाली प्रक्रियाहीन रूपांतरों की डिजिटल आफसेट प्लेटों जैसी अन्य प्लेटों के रूपांतर उपलब्ध हैं।
9. प्राधिकारी रिकार्ड में उपलब्ध सूचना और साक्ष्य के आधार पर नोट करते हैं कि केम फ्री प्लेटों के मामले में अल्कालाइन डेवलपर का प्रयोग किये जाने की आवश्यकता नहीं है और प्रोसेसर के स्थान पर क्लीन आउट यूनिट रखी जाती है जिससे एक पर्यावरण के अनुकूल प्रक्रिया बनती है तथा प्रयोक्ताओं के पानी की बचत होती है। प्रक्रियाहीन प्लेटों के मामले में क्लीन आउट यूनिट की भी आवश्यकता नहीं है। प्रक्रियाहीन प्लेटों के मामले में नान इमेज एरिया प्रेस पर सीधे ही हटा दिया जाता है। इसके परिणामस्वरूप प्लेट निर्माण प्रक्रिया में उत्पादकता का सुधार होता है। दोहरी परत वाली प्लेटों के मामले में प्लेटों की दोहरी कोटिंग होती है जो प्लेटों को सुदृढ़ता प्रदान करती है और प्रयोक्ताओं को उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं के लिए लंबे समय तक संचालन प्राप्त करने में सक्षम बनाती है।
10. विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से कुछ उत्पाद को हटाये जाने के लिए हितबद्ध पक्षकारों के तर्क के संबंध में प्राधिकारी अनंतिम रूप से निम्नलिखित कारणों से हितबद्ध पक्षकारों के दावों को स्वीकार करने में असमर्थ हैं।
  - क) आरंभिक मामले के रूप में, किसी हितबद्ध पक्षकार ने किसी उत्पाद विशिष्ट को हटाये जाने के लिए अपने दावे को सिद्ध करने हेतु तकनीकी विशिष्टताओं और अंतिम प्रयोग सहित कोई विश्वसनीय साक्ष्य प्रदान नहीं किया है। अनुरोध सामान्य और असिद्ध हैं।
  - ख) जहां तक प्रक्रिया मुक्त प्लेटों अथवा प्रक्रियाहीन प्लेटों को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से अलग करने का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि अंतिम प्रयोग, भौतिक दिखावट, विशेषताएं आदि। प्रक्रिया मुक्त प्लेटों और अन्य किस्म की डिजिटल प्लेटों के समान ही हैं। यह केवल उन्हीं ग्राहकों द्वारा प्रयुक्त उसी उत्पाद की दूसरी श्रेणी है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि रिकार्ड की जांच तथा घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए साक्ष्य स्पष्ट रूप से यह दर्शाते हैं कि प्रक्रियाहीन थर्मल प्लेटों का विनिर्माण घरेलू उद्योग द्वारा किया जा रहा है। यह दर्शाने के लिए हितबद्ध पक्षकारों द्वारा कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है कि क्या वाणिज्यिक स्तर पर प्रक्रियाहीन प्लेटों (अर्थात् वायलेट यूवीसीटीपी) के अन्य रूप की कोई मांग है। इसके अतिरिक्त, यह दर्शाने के लिए रिकार्ड में कोई साक्ष्य नहीं है कि जांच अवधि के दौरान किसी आयातक द्वारा इन अन्य रूपों का आयात किया गया था। कुछ तकनीकी प्रक्रिया अथवा उपस्कर में प्रवर्तन के कारण निर्यात कीमत के संबंध में कोई समायोजन का दावा भी किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा नहीं किया गया है।
  - ग) जहां तक दोहरी परत वाली सीटीसीपी प्लेटों को हटाने का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग विचाराधीन उत्पाद के थर्मल एवं वायलेट क्षेत्रों में नियमित रूप से दोहरी परत वाली प्लेटों का विनिर्माण करता है। वह मांग होने पर उसी संयंत्र और मशीनरी पर दोहरी परत वाली सीटीसीपी प्लेटों का भी विनिर्माण कर सकता है। तथापि, विशिष्ट रूप से एक परत वाली यूवीसीटीपी प्लेटें ग्राहक का प्रयोजन पूरा करती हैं। इसके अतिरिक्त, दोहरी परत वाली यूवीसीटीपी प्लेटों की कीमतें भी अधिक होंगी तथा इस कारण से उसके लिए मुश्किल से ही कोई मांग होगी। अतः दोहरी परत वाली

सीटीसीपी प्लेटों को हटाने का कोई कारण नहीं है। अतिरिक्त कोटिंग के कारण समायोजनों के संबंध में कोई दावा नहीं किया गया है।

- घ) जहां तक केन फ्री सीटीसीपी प्लेटों को हटाने का संबंध है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग अपने विद्यमान संयंत्र और मशीनरी पर इन प्लेटों का विनिर्माण कर सकता है। इन प्लेटों की कीमतें पारंपरिक यूवीसीटीपी प्लेटों से भी अधिक होंगी। इसके अतिरिक्त, वाणिज्यिक स्तर पर केम फ्री यूवीसीटीपी प्लेटों के लिए मांग दर्शाने हेतु कोई साक्ष्य नहीं दिया गया है। साथ ही प्राधिकारी ने केन फ्री सीटीपी प्लेटों का कोई आयात नहीं पाया है। अतः अनंतिम शुल्क के प्रयोजन के लिए केन फ्री सीटीपी प्लेटों को हटाने का कोई कारण नहीं है।
- ङ) जहां तक निगेटिव वर्किंग यूवीसीटीपी प्लेटों को हटाने का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग में विगत में निगेटिव वर्किंग यूवीसीटीपी प्लेटों का निर्माण किया है और यदि उसकी मांग होती है तो उसकी आपूर्ति कर सकता है। अतः अनंतिम शुल्क के प्रयोजन के लिए निगेटिव वर्किंग यूवीसीटीपी प्लेटों को हटाने का कोई कारण नहीं है।
- च) जहां तक टोरे जलहीन सीटीपी प्लेटों को हटाने का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि जलहीन सीटीपी प्लेटें पेपर प्रिंटिंग के लिए विशिष्ट रूप से प्रयुक्त नहीं की जाती हैं। इसके बजाय, इसका प्रयोग क्रेडिट कार्ड, सिक्योरिटी कार्ड, प्रिंटिंग आदि जैसी विशिष्टीकृत सामग्री पर प्रिंटिंग किया जाता है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग जलहीन सीटीपी प्लेटों का विनिर्माण नहीं करता। इसके अतिरिक्त, टोरे को छोड़कर किसी भी अन्य उत्पादक ने जलहीन सीटीपी प्लेटों को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से अलग करने की मांग नहीं की है। रिकार्ड में उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि टोरे को छोड़कर संबद्ध देशों से किसी उत्पादक/ निर्यातक ने जांच की अवधि के दौरान भारत को जलहीन सीटीपी प्लेटों का निर्यात नहीं किया है। इस प्रकार प्राधिकारी टोरे जलहीन सीटीपी प्लेटों को विचाराधीन उत्पादों के क्षेत्र से अलग करते हैं।
- छ) 0.25 एमएम की मोटाई वाले विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन और बिक्री न करने के घरेलू उद्योग के मुद्दे के संबंध में यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग 0.40 एमएम, 0.28 एमएम, 0.20 एमएम और 0.15 एमएम की मोटाई वाले विचाराधीन उत्पादक की आपूर्ति करता है। हितबद्ध पक्षकारों ने यह दर्शाने के लिए कोई साक्ष्य नहीं दिया है कि घरेलू उद्योग के 0.40 एमएम, 0.28 एमएम, 0.20 एमएम और 0.15 एमएम सहित विभिन्न मोटाई की प्लेटों का विनिर्माण करने के बावजूद रिकार्ड में उपलब्ध साक्ष्य यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग ने 0.25 एमएम की मोटाई की प्लेटों का विनिर्माण किया है। अतः अनंतिम शुल्क के प्रयोजन के लिए 0.25 एमएम मोटाई की प्लेटों को विचाराधीन उत्पादक के क्षेत्र से अलग करने का कोई औचित्य नहीं है।
11. रिकार्ड में उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग केम फ्री प्लेटों, प्रक्रियाहीन प्लेटों और दोहरी परत वाली प्लेटों सहित सभी चौड़ाइयों की डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेटों के सभी रूपों का विनिर्माण करता है।
12. विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों और रिकार्ड में उपलब्ध सूचना के आधार पर प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह मानते हैं कि विचाराधीन उत्पादन "डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेटें हैं"। "वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद डिजिटल प्लेटों का प्रयोग पेपर पर इमेज के रूप में (डाट पैटर्न अथवा टेक्स्ट) के रूप में अथवा टिन सीट अथवा कोइली फिल्मों आदि जैसे नान आब्सॉरबेंट सबस्ट्रेट पर इमेज के रूप में आंकड़े आंतरित करने के लिए प्रिंटिंग उद्योग में किया जाता है। डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेटों का प्रयोग करते हुए प्रिंटिंग प्रक्रिया में डिजिटल वर्क फ्लो लेजरों का प्रयोग करते हुए "कंप्यूटर से प्लेट में" से इमेज का सीधा आंतरण सक्षम होता है जोकि समान वर्क फ्लो में नहीं होता जिसमें इमेज को आंतरित करने के लिए मध्यवर्ती फिल्म की आवश्यकता होती है। डिजिटल प्लेटें रासायनिक कोटिंग से कोटेड उच्च शुद्धता की लिथो ग्रेड एल्यूमिनियम कोइल्स से बनायी जाती हैं। विचाराधीन उत्पाद में टोरे जलहीन सीटीपी प्लेटें शामिल नहीं हैं। डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेटें पॉजिटिव (नान एक्सपोज्ड एरिया इमेज बनाता है) अथवा निगेटिव (एक्सपोज्ड एरिया इमेज बनाता है) वर्किंग प्लेटें हो सकती हैं। इस रेंज में वे प्लेटें शामिल हैं जिनमें प्लेटों के प्रसंस्करण के लिए रसायनों की आवश्यकता होती है, और साथ ही पर्यावरण के अनुकूल होती हैं जिनमें प्रसंस्करण के लिए किसी रसायन अथवा पानी की

आवश्यकता नहीं होती है। कोटिंग निर्माण भिन्न भिन्न किस्मों के प्लेटों के लिए अलग अलग होता है। तीन प्रकार की डिजिटल आफसेट प्रिंटिंग प्लेटें हैं, यथा-

(iv) थर्मल प्लेट्स ;

(v) वायलेट प्लेट्स ; एंड

(vi) सीटीसीपी/यूवी सीटीपी प्लेट्स ।

सभी आयामों और मोटाई में सभी प्रकार की डिजिटल आफसेट प्रिंटिंग प्लेटें विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र के अंतर्गत शामिल हैं। तथापि, टोरे द्वारा उत्पादित जलहीन सीटीपी प्लेटें ऊपर बताये गए कारणों से विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से अलग की जाती हैं।

13. विचाराधीन उत्पादक अधिनियम की प्रशुल्क मद "8442.50" के तहत आता है। विचाराधीन उत्पाद प्रायः अन्य सीमा प्रशुल्क मदों 3701. 3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.1190, 7606.9190 और 7606.9290 आदि के तहत भी किया जा रहा है। सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक हैं और वर्तमान जांच के क्षेत्र पर किसी भी तरह बाध्यकारी नहीं है।

#### **घ. घरेलू उद्योग का क्षेत्र एवं आधार**

##### **घ.1. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध**

14. घरेलू उद्योग के क्षेत्र और आधार के संबंध में जांच प्रक्रिया के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं :-

क) याचिकाकर्ता मै० टेक्नोवा इमेजिंग सिस्टम्स (पी) लि० भारत ने संबद्ध सामानों का एक उत्पादक है। विचाराधीन उत्पाद तीन और ज्ञात घरेलू उत्पादक हैं। यथा- मै० मेट्रोस्टार प्रिंट सल्यूशंस प्रा० लि०, मै० अक्षय इमेजिंग सिस्टम्स प्रा० लि० और मै० ओरियन फोटोसेंसिटिव सिस्टम्स प्रा० लि० ।

ख) याचिकाकर्ता ने चीन जन. गण. से विचाराधीन उत्पादक का आयात जांच की अवधि के दौरान बहुत कम मात्रा में अर्थात् अपने उत्पादन का (\*\*\*) प्रतिशत किया है। आयात प्राथमिक रूप से चीन से भारी पाटन को समाप्त करने के लिए किए गए थे, क्योंकि यह याचिकाकर्ता के लिए बने रहने का मामला था। अब आयात बंद हो गए हैं और याचिकाकर्ता आगामी भविष्य में किसी अतिरिक्त मात्रा का आयात करने का इरादा नहीं रखता। याचिकाकर्ता भारत में किसी आयातक एवं संबद्ध देशों के किसी निर्यातक से संबद्ध नहीं नहीं है।

ग) याचिकाकर्ता ने निरमा लि० बनाम सेंट गोबेन ग्लास में मद्रास के माननीय उच्च न्यायालय के निर्णय पर विश्वास किया है जहां माननीय न्यायालय ने माना है कि प्राधिकारी को आयातों पर विचार करने और सुनिश्चित करने का पूरा अधिकार है। यदि याचिकाकर्ता ने संबद्ध देशों से आयातों द्वारा विनिर्माता होने के नाते अपनी "अनिवार्य विशेषताएं" खो दी हों।

घ) याचिकाकर्ता का विचाराधीन उत्पाद के कुल भारतीय उत्पादन में भारी अनुपात है। याचिकाकर्ता का विचाराधीन उत्पाद के कुल भारतीय उत्पादन में हिस्सा जांच अवधि के दौरान 90 प्रतिशत से अधिक है। तदनुसार, याचिकाकर्ता आधार की आवश्यकता को पूरा करता है और इस प्रकार पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) के साथ पठित नियम 2(ख) के अनुसार संबंधित उत्पाद के लिए भारत में "घरेलू उद्योग है"।

##### **घ.2. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध**

15. घरेलू उद्योग के क्षेत्र और आधार के संबंध में विभिन्न अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं :-

- क) याचिकाकर्ता ने जांच अवधि के दौरान काफी मात्रा में संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद का आयात किया है। अतः याचिकाकर्ता पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) के अनुसरण में घरेलू उद्योग बनने के लिए पात्र नहीं हैं।
- ख) मौखिक सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों का आयात किया जाना स्वीकार किया। याचिकाकर्ता द्वारा किए गए आयात जांच अवधि के दौरान उत्पादन का लगभग 3 प्रतिशत और कुल आयात का 7 प्रतिशत है। संबद्ध देशों से आयात लगभग 1.2 मिलियन वर्ग मीटर है, जो कुछ देशों के निर्यात से अधिक है।
- ग) जेइल सी एंड पी कंपनी लि० कोरिया गणराज्य ने अनुरोध किया है कि याचिकाकर्ता का आधार आपत्तिजनक है, क्योंकि विचाराधीन उत्पाद का आयात करके याचिकाकर्ता इस जांच में घरेलू उद्योग के रूप में पात्र नहीं बनता। याचिकाकर्ता के आयातों का मूल्यांकन याचिकाकर्ता के विरुद्ध ही नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि जांच की अवधि के दौरान भारत में संबद्ध देशों से कुल आयातों और घरेलू मांग के लिए भी किया जाना चाहिए।
- घ) आयातक प्रश्नावली दायर करना आवेदक के लिए अनिवार्य है और आयातक प्रश्नावली के उत्तर के भाव में प्राधिकारी को वर्तमान जांच के लिए संगत सूचना प्राधिकारी द्वारा तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रदान न करने के लिए टेक्नोवा को असहयोगी मानना चाहिए।
- ङ) भारत ने समान वस्तु के चार घरेलू उत्पादक हैं, यथा (i) टेक्नोवा (ii) मेट्रोस्टार, (iii) अक्षय इमेजिंग और, (iv) ओरियन। उपर्युक्त चार उत्पादकों में से केवल एक उत्पादक टेक्नोवा ने प्राधिकारी के समक्ष आवेदन पत्र और आंकड़े दायर किये और किसी भी अन्य उत्पादक ने आवेदक का समर्थन नहीं किया है। मेट्रोस्टार ने प्राधिकारी से उसे "घरेलू उद्योग" के क्षेत्र के अंतर्गत शामिल करने का अनुरोध किया है। क्षति के दावे का समर्थन करने के लिए मेट्रोस्टार ने संभवतः डीजीटीआर ने आंकड़े दायर किए हैं। तथापि, उपर्युक्त अनुरोध/आंकड़ों का अगोपनीय रूपांतर सार्वजनिक फाइल में हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध नहीं कराया गया है।
- च) मेट्रोस्टार ने प्राधिकारी से उन्हें "घरेलू उद्योग" के रूप में माने जाने का अनुरोध किया है। कोडक "मेट्रोस्टार" को घरेलू उद्योग के घटक के रूप में शामिल किए जाने का समर्थन करता है। प्राधिकारी को यह भी नोट करना चाहिए कि मेट्रोस्टार कई अंतर्निहित कारकों के कारण संबद्ध सामानों का उत्पादन का करने में असमर्थ है। परिणास्वरूप काफी क्रय आदेश (फ्यूजीफिल्म से) होने के बावजूद मेट्रोस्टार सामान का विनिर्माण और आपूर्ति करने में विफल रहा है।
- छ) यह उल्लेख करना व्यवहारिक है कि संबद्ध देशों से आवेदक द्वारा आयातों की मात्रा "अर्थात् 1.65 मिलियन वर्ग मीटर" जांच अवधि के दौरान कोडक द्वारा निर्यातों के लगभग 50-70 प्रतिशत है।
- ज) याचिकाकर्ता द्वारा आयातित मात्रा 50-60 प्रतिशत लेते हुए (\*\*\*) वर्ग मीटर थी, जो आनुपातिक रूप से भारी प्रतिशतता है। शंघाई स्ट्रांग ने पुष्टि की कि याचिकाकर्ता द्वारा आयातित विचाराधीन उत्पाद के अंतिम बैच की पोत परिवहन तारीख 4 अप्रैल, 2019 थी। याचिकाकर्ता ने तब से शंघाई स्ट्रांग से विचाराधीन उत्पाद की खरीद नहीं की है।
- झ) 1-1.5 मिलियन वर्ग मीटर की रेंज में पर्याप्त आयात संभवतः परीक्षण के प्रयोजन के लिए नहीं हो सकते। टेक्नोवा की आयात मात्रा कुछ संबद्ध देशों द्वारा भारत को समग्र निर्यात मात्रा से भी अधिक हो जाती है।
- ञ) आवेदक ने सुनवाई में स्वीकार किया है कि आयात रक्षात्मक आयात थे, जिसका अर्थ है कि आयात देश में किसी अन्य आयातक की तरह किए गए थे।
- ट) उत्पादक एवं आयातकों के लिए पाटनरोधी शुल्क के जरिए संरक्षण की मांग करने की खुली छूट है। अनुरोध यह है कि आवेदक को मौका देखकर चलने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। आवेदक ने संबद्ध सामानों के आयातों और व्यापार में लगकर भारतीय बाजार में संबद्ध सामानों के लिए कीमत निर्धारित करने हेतु अपनी स्थिति से समझौता किया। आवेदक को वर्तमान मामले के तथ्य में स्वप्रभावित क्षति के विरुद्ध संरक्षण की मांग करने के लिए पात्र नहीं माना चाहिए।

- ठ) आवेदन पत्र को इस तथ्य के मद्देनजर रद्द किया जाना है कि आवेदक ने स्वयं ही संबद्ध सामानों का आयात किया है। कानून भेदभाव नहीं करता, चाहे आवेदक ने कम मात्रा में आयात किया है अथवा अधिक मात्रा में आयात किया है। जैसाकि आवेदक द्वारा दर्शाया जा रहा है।
- ड) याचिकाकर्ता ने मांग में वृद्धि और घटती हुई क्षमता, अपना एक संयंत्र बंद करने के कारण कम हुई क्षमता, देश की मांग को पूरा करने में असमर्थता और सस्ते आयातों का लाभ लेने के कारण संबद्ध सामानों का आयात किया है।  
याचिकाकर्ता तथाकथित पाटन में पक्षकार है। अतः तथाकथित पाटित आयातों के कारण क्षति का दावा नहीं कर सकता। याचिकाकर्ता ने क्षमता की कठिनाइयों और आयातों की अपेक्षा अन्य कारकों के कारण क्षति होने के कारण संबद्ध सामानों का आयात किया है। यदि आवेदक किसी क्षति का दावा करता है तो स्वप्राभावित क्षति का घटक वर्तमान मामले में बहुत स्पष्ट है और यही क्षति स्वप्राभावित है तो पाटनरोधी योजना के तहत आवेदक के लिए कोई उपचार नहीं है।
- ढ) याचिकाकर्ता को व्यापार उपचार जांचों के लिए प्रचालन परिपाटी नियम पुस्तक के पैरा 4.9.20 के अनुसार अपात्र उत्पादक भी माना जाना चाहिए।
- ण) याचिकाकर्ता मै० टोरे इंडस्ट्रीज इंक (टोरे) से संबद्ध है, क्योंकि वह भारत में जलहीन सीटीपी प्लेटों का वितरक है और इसीलिए याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग होने के लिए अपात्र है।
- त) याचिकाकर्ता प्रौद्योगिकी अंतरण करार की मौजूदगी के कारण अगफा ग्राफिक्स से संबद्ध है। अगफा ग्राफिक्स का चीन जन. गण. में एक संबद्ध उत्पादक, अगफा उक्सी इमेजिंग क० लि० है जो एशियाई बाजारों को निर्यात में लगा हुआ है।
- थ) अगफा ग्राफिक्स और लकी हुआगुआंग ग्राफिक्स क० लि० ने एक नीतिगत सहयोग किया है जिसने लकी हुआगुआंग ग्राफिक्स क० लि०, अगफा के लिए उत्पादों का विनिर्माण करने हेतु बौद्धिक संपत्ति तथा प्रौद्योगिकी, अगफा ग्राफिक्स की सहायता के साथ नन्यांग, चीन ने प्रिंटिंग प्लेटों के लिए विनिर्माण क्षमता प्रदान करेगा। इन दोनों से याचिकाकर्ता चीन जन. गण. से विचाराधीन उत्पाद के निर्यातक लकी हुआगुआंग ग्राफिक्स क० लि० से संबद्ध हो गया है और इसीलिए कानून के तहत घरेलू उद्योग के रूप में अपात्र हो गया है।
- द) याचिकाकर्ता ने जांच की अवधि के दौरान तथा जांच की अवधि के बाद संयुक्त अरब अमीरात पत्तन पर आयात किए।
- ध) मेट्रोस्टार और अक्षय पहले ही उस समय के दौरान व्यापार से बाहर हैं जब पाटनरोधी शुल्क लागू था। उनका निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने से कोई मतलब नहीं है।

### घ.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

16. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में निम्नलिखित प्रावधान है:-

*“घरेलू उद्योग” का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है, जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परन्तु जब ऐसे उत्पादक कथित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं। ऐसे मामले “घरेलू उद्योग” शेष उत्पादकों को समझा जाएगा।*

17. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह आवेदन पत्र मै० टेक्नोवा इमेजिंग सिस्टम (प्रा०) लि. द्वारा दायर किया है। याचिकाकर्ता ने सूचित किया है कि भारत में विचाराधीन उत्पाद के तीन अन्य उत्पादक हैं यथा- मै० मेट्रोस्टार प्रिंट सल्यूशंस प्रा० लि०, मै० अक्षय इमेजिंग सिस्टम्स प्रा० लि० और मै० ओरियन फोटोसेंसिटिव सिस्टम्स प्रा० लि० इन तीन अन्य उत्पादकों में से दो उत्पादक अर्थात् मै० अक्षय इमेजिंग सिस्टम्स प्रा० लि० और मै० ओरियन फोटोसेंसिटिव सिस्टम्स प्रा० लि० ने जांच

की अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन नहीं किया है। जांच की अवधि में याचिकाकर्ता का उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन का लगगल (97) प्रतिशत है और वह भारतीय अनुपात है। याचिकाकर्ता ने उल्लेख किया है कि उसने चीन जन. गण. से विचाराधीन उत्पाद की बहुत कम मात्राओं में आयात किया है जो जांच अवधि के दौरान याचिकाकर्ता के उत्पादन का लगभग (\*\*\*) प्रतिशत है। याचिकाकर्ता द्वारा किए गए आयात प्रकृति में अस्थायी और अपने प्रमुख ग्राहकों को बनाये रखने लिए थे। आयातों की कम मात्रा को ध्यान में रखते हुए कि याचिकाकर्ता ने विचाराधीन उत्पाद का विनिर्माता होने की अनिवार्य विशेषताएं अथवा अपना प्रमुख व्यापार नहीं बदला है।

18. जहां तक याचिकाकर्ता और टोरे के बीच संबंधों के बारे में तर्कों का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों ने इस दावे को सिद्ध करने के लिए कोई साक्ष्य नहीं दिया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि दोनों कंपनियां दैनिक प्रचालनों (उत्पादन, कीमत, बिक्री आदि) ने किसी हस्तक्षेप के बिना स्वतंत्र हैं। दोनों कंपनियां प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से एक दूसरे के अथवा तीसरी कंपनी के नियंत्रण में नहीं हैं। इसके अतिरिक्त, वे साथ-साथ किसी तीसरी कंपनी को प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से नियंत्रित नहीं करते। याचिकाकर्ता विचाराधीन उत्पाद के विनिर्माण के अपने व्यापार के संबंध में टोरे के कानूनी अथवा प्रचालनात्मक नियंत्रण में नहीं है। अतः यह बताने के लिए रिकार्ड में कुछ नहीं है कि याचिकाकर्ता और टोरे जीएटीटी, 1994 (पाटनरोधी करार) के अनुच्छेद VI के कार्यान्वयन संबंधी डब्ल्यू. टी. ओ. करार की पाद टिप्पणी 11 के साथ पठित पाटनरोधी नियमवाली के नियम 2(ख) के अभिप्राय से संबद्ध है।
19. जहां तक अगफा ग्राफिक्स के साथ लकी के सहयोग के कारण याचिकाकर्ता और लकी के बीच संबंध के दावे का संबंध है। यह नोट किया जाता है कि प्रौद्योगिकी अंतरण संबंध से पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) और पाटनरोधी करार के अभिप्राय से दोनों पक्षकार एक दूसरे से संबद्ध नहीं हो जाते। याचिकाकर्ता ने एक करार के तहत अगफा ग्राफिक्स, यूरोप से प्रौद्योगिकी ली है, जिसके लिए रायालटी भुगतान किया जाता है। याचिकाकर्ता और अगफा के बीच करार लकी हुआगुआहंग ग्राफिक्स लि० के साथ अगफा के सहयोग से स्वतंत्र हैं। लकी और/अथवा अगफा का याचिकाकर्ता के बीच कोई संबंध नहीं है जो याचिकाकर्ता को पाटनरोधी नियमावली के तहत घरेलू उद्योग के लिए अपात्र बनाएगा।
20. संयुक्त अरब अमीरात पत्तन पर याचिकाकर्ता द्वारा यह अनुरोध किया जाता है कि वे आयातक भी भारतीय बाजार में नहीं आये और इसीलिए भारत में विचाराधीन उत्पाद के आयात के रूप में नहीं बनते।
21. तदनुसार, प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह मानते हैं कि इस जांच के प्रयोजन के लिए याचिकाकर्ता कंपनी आधार की अपेक्षाओं को पूरा करती हैं और पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) तथा नियम 5(3) में के अनुसार घरेलू उद्योग बनती है।

## **ड.. गोपनीयता से संबंधित मुद्दे**

### **ड.1. घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध**

22. गोपनीयता के मुद्दों के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :-
- क) आवेदक ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 के अनुसार और 7 सितंबर, 2018 के अनुसार आवेदन पत्र के गोपनीय रूपांतर में पूरी अनिवार्य सूचना प्रकट की है।
- ख) हितबद्ध पक्षकारों ने पर्याप्त एवं पूरी सूचना दायर करने के लिए तीन बार समय बढ़ाये जाने (दिनांक 20 जून, 2019, 7 जुलाई, 2019 और 15 जुलाई, 2019) के बाद भी अगोपनीय रूपांतर में पूरी तरह कमी वाले उत्तर दायर किए हैं। यह पूरी तरह जांच में बाधा डालने के इरादे से है और शीघ्र निर्धारण के लिए आवश्यक आंकड़े प्रदान न करने के लिए है। पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के तहत हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दायर उत्तर रद्द किए जाने चाहिए और उन्हें असहयोगी घोषित किया जाना चाहिए।

## ड.2. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अनुरोध

23. गोपनीयता के मुद्दों के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:-

- क) याचिकाकर्ता ने पूरी क्षति संबंधी सूचना व्यवहारिक रूप से गोपनीय होने का दावा किया है। अगोपनीय आंकड़े पूरी तरह से याचिकाकर्ता के दावों को सुनिश्चित करने के लिए अपर्याप्त हैं। याचिका में याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत इन निरर्थक आंकड़ों पर टिप्पणी देना कठिन है।
- ख) याचिकाकर्ता ने उस सूचना को भी गोपनीय होने का दावा किया है। जिसको उन्होंने पूर्व निर्णायक समीक्षा याचिका और मूल याचिका में प्रकट कर दिया है। इसके अतिरिक्त, इस तथ्य के बाजवूद आंकड़ों का गोपनीय होने का दावा किया गया है कि वर्तमान मामले में निर्णायक समीक्षा मामले के बीच की अवधि में अतिव्यापन है और इसीलिए आवेदन पत्र में गोपनीय आधार पर उल्लिखित संख्याएं निकालने के लिए यह सामान्य परिकलन का मामला है।
- ग) याचिकाकर्ता के अगोपनीय आंकड़े अपर्याप्त हैं, जो सूचना मूल एवं निर्णायक समीक्षा याचिका में प्रकट की गई थी, उसे भी गोपनीय रखा गया है। यह तथ्यों का छुपाने और गोपनीयता का सहारा लेते हुए याचिकाकर्ता के लिए एक कारण का मामला है।
- घ) प्राधिकारी उचित कार्य और न्याय के हित में गोपनीयता के लिए दावे को रद्द करें और आवेदक से कहें कि अन्य हितबद्ध पक्षकारों को यह सभी आंकड़े बतायें।
- ङ) आवेदक से उसके आयात आंकड़े और वह तरीका बताये जाने के लिए कहा जा सकता है जिसमें उसने गोपनीयता के मुद्दे का सहारा लिए बिना अपनी इमेज तैयार की है। प्राधिकारी को पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 के तहत ऐसे निर्देश देने का अधिकार है।
- च) आवेदन पत्र का भाग VI आवेदक की लागत संबंधी सूचना से संबंधित है। उसके उत्पादन, कार्यकरण आदि से संबंधित पूरे आंकड़े आवेदक द्वारा गोपनीय चिन्हित किए गए हैं जिससे दावों की सत्यता सत्यापित करना किसी स्वतंत्र व्यक्ति के लिए असंभव है।
- छ) प्रदर्श 17 आवेदक द्वारा निकाली गई सामान्य कीमत दर्शाता है। चूंकि पूरे आंकड़ों को गोपनीय घोषित किया गया है। अतः यह ज्ञात नहीं है कि उन्होंने क्या कीमत पैटर्न दिया है।
- ज) आवेदक ने यह जाने बिना कि वास्तविक क्या हो सकते हैं, समुद्री भाड़ा और आंतरिक भाड़ा के लिए अपने स्थानीय सी. एच. ए. से कुछ कोटेशनों पर विश्वास किया है। वे भी पुनः गोपनीयता के आधार पर नहीं बताये गये हैं ताकि वे व्यापार में अन्य द्वारा बताये जा सकें।

## ड.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

24. सूचना की गोपनीयता के संबंध में पाटन-रोधी नियमावली के नियम 7-में निम्नलिखित प्रावधान है:-

- (1) नियम 6 के उपनियमों (2), (3) और (7), नियम 12 के उपनियम (2), नियम 15 के उपनियम (4) और नियम 17 के उपनियम (4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।
- (2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है।
- (3) उप नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अनावश्यक है या सूचना देने वाला या तो सूचना को सार्वजनिक नहीं करना चाहता है या उसकी सामान्य रूप में या सारांश रूप में प्रकटन नहीं करना चाहता है तो वह ऐसी सूचना पर ध्यान नहीं दे सकते हैं।



25. प्राधिकारी ने निरीक्षण के लिए विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय रूपांतर से युक्त सार्वजनिक फाइल के माध्यम से सभी हितबद्ध पक्षकारों को विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई सूचना का अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराया।
26. गोपनीयता के संबंध में संगत मानी गई सीमा तक घरेलू उद्योग और अन्य विरोधी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों की प्राधिकारी द्वारा जांच की गई और तदनुसार, उनका समाधान किया गया। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना की जांच गोपनीयता के दावे पर्याप्तता के संबंध में की गई थी। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने जहां भी आवश्यक था, गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया है और उस सूचना को गोपनीय माना गया है तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं की गई है। जहां भी संभव हुआ है, गोपनीय आधार पर सूचना देने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए थे। प्राधिकारी ने सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों का अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराया। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि सभी हितबद्ध पक्षकारों ने अपनी व्यापार संबंधी संवेदनशील सूचना को गोपनीय होने का दावा किया है।

### च. बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एमईटी), सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण

#### च.1. घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध

27. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं-
  - क) एल्यूमिनियम विचाराधीन उत्पाद का एक महत्वपूर्ण लागत संघटक है। याचिकाकर्ता विश्व में विचाराधीन उत्पाद के अन्य उत्पादकों के साथ लंदन मेटल एक्सचेंज (एलएमई) पर उद्धृत कीमतों के आधार पर अपना एल्यूमिनियम लेता है। जबकि चीन जन. गण. से बाहर आधारित उत्पादक शंघाई फ्यूचर एक्सचेंज (एसएचएफई) की कीमतों पर उद्धृत कीमतों के आधार पर एल्यूमिनियम लेते हैं।
  - ख) एसएचएफई चीन सरकार द्वारा नियंत्रित होता है, एसएचएफई पर उद्धृत कीमतें अत्यधिक नियंत्रित होती हैं और सरकार द्वारा उनकी मानीटरिंग की जाती है। अप्रैल, 2018 से मार्च 2019 तक एसएचएफई निर्धारण पर उद्धृत कीमतें एलएमई निर्धारण पर उद्धृत कीमतों से काफी कम बनी हुई हैं।
  - ग) एसएचएफई निर्धारण पर उद्धृत कीमतें एलएमई निर्धारण पर उद्धृत कीमतों की तुलना में 10-20 प्रतिशत तक कम हैं।
  - घ) टेक्नोवा एल्यूमिनियम का भी आयात करता है, यद्यपि भारतीय रूपए के मूल्य हास के साथ एलएमई ने अमरीकी डालर के मामले में कुछ गिरावट देखी जा सकती है, याचिकाकर्ता के लिए प्रभावी लागत में वृद्धि हुई है। किसी प्रकार के संदेह को समाप्त करने के लिए याचिकाकर्ता इस बात को दोहराता है कि उसकी एल्यूमिनियम की लागत, चाहे घरेलू तौर पर खरीदी जाए अथवा अंतर्राष्ट्रीय रूप से, अमरीकी डालर के रूप में एलएमई की कीमतों से संबद्ध हैं।
  - ङ) एसएचएफई पर उद्धृत एल्यूमिनियम इग्नट की कीमतों में चीन सरकार द्वारा लगाया गया वैट घटक शामिल हैं। उद्धृत कीमत में वैट घटक जून, 2018 तक 17 प्रतिशत था, जो जुलाई, 2018 में घटा कर 16 प्रतिशत किया गया था। इसके अतिरिक्त, एल्यूमिनियम स्मेल्टिंग सेक्टर की वृद्धि को बढ़ाने के लिए चीन सरकार ने वैट 16 प्रतिशत से घटाकर 13 प्रतिशत कर दिया। चीनी उत्पादकों को वैट की वापसी अगस्त, 2018 तक 13 प्रतिशत तक थी जो बढ़ाकर सितंबर, 2018 से 16 प्रतिशत की गई थी। (अर्थात् पूरी वापसी) एलएमई और एसएचएफई के उद्धृत कीमतों की उचित तुलना करने के लिए निम्नलिखित समायोजन किए जाने चाहिए :-
    - वैट को एसएचएफई कीमतों से घटाया जाना चाहिए।
    - एलएमई की प्रिमियम को एलएमई की कीमत में जोड़ा चाहिए।

- च) यूरोपीय संघ (ई. यू.) आयोग ने व्यापार रक्षा जांच के प्रयोजन के लिए चीन जन. गण. की अर्थव्यवस्था में काफी गिरावट के संबंध में हाल में अध्ययन किया। अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार आयोग ने आर-पार के ह्रास संबंधी विश्लेषण और उत्पादन के कारकों में गिरावट के अलावा एल्यूमिनियम क्षेत्र विशिष्ट ह्रासों पर भी विस्तार से चर्चा की। इनमें से कुछ ह्रास नान फेरेस मेटल उद्योग, संरचनात्मक समायोजन और पुरानी क्षमता की समाप्ति तथा सरकारी उद्देश्यों को कार्यान्वित करने के लिए विशेष नीति हथियार के लिए 13वीं पंचवर्षीय योजना हैं।
- छ) यूएसडीयूसी ने भी एक विस्तृत अध्ययन किया है, कि चीन जन. गण. बाजार अर्थव्यवस्था में नहीं गया है और निरंतर एलएमई सिद्धांतों के तहत प्रचालन करता है।
- ज) संयुक्त राज्य संघीय सरकार में भी चीन जन. गण. को एक मुद्रा जुगाड़ घोषित किया है। इसका तत्काल प्रभाव यह है कि चीनी निर्यात सस्ते हो गए हैं।
- झ) कोडक ने अपनी चीन की सुविधाएं चीन में सरकारी स्वामित्व वाले उद्यम हुआगुआंग (लकी) को बेचने के लिए एक बाध्यकारी करार किया है। कोडक चीन में आफसेट प्रिंटिंग प्लेटों का विनिर्माण बंद कर देगा। इस घटना के तात्कालिक परिणाम यह हैं कि –
- कोडक को इस दृष्टि से अलग मार्जिन/शुल्क प्रदान नहीं किया जाना चाहिए कि वह अब क्षेत्र में विनिर्माण नहीं करेंगे, और,
  - कम से कम उन्हें चीन में एक सरकारी स्वामित्व के उद्यम को उनकी लंबित बिक्री को देखते हुए बाजार अर्थव्यवस्था का स्तर प्रदान नहीं किया जाना चाहिए। ऐसी आशा है कि बिक्री 2019, की तीसरी तिमाही तक पूरी हो जाएगी, जो कोडक के आंकड़ों के आधार पर भारतीय बाजार को लकी मुक्त पहुंच देगी, जो अब संगत नहीं है।
- ञ) कोडक समूह ने वर्तमान जांच में एक पूरक प्रश्नावली (एमईटी प्रश्नावली) दायर की है। यह नोट करना महत्वपूर्ण है कि कोडक समूह को चीन जन. गण. में सरकार द्वारा नियंत्रित की जा रही एल्यूमिनियम की कीमतों के आधार पर एमईटी स्तर प्रदान नहीं किया गया था।
- ट) संबद्ध देशों से आयात पिछले कुछ वर्षों में बढ़ते रहे हैं और इन सभी देशों से पाटन की गहनता जून, 2018 में चीन जन. गण. से पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति के बाद काफी बड़ी हैं।
- ठ) कोडक ने याचिकाकर्ता के संबंध में सबूत के भार को पूर्णतः गलत समझा है। यह अनुरोध है कि याचिकाकर्ता के रूप में टेक्नोवा को सार्वजनिक पटल में उपलब्ध सर्वोत्तम साक्ष्य रखने थे। कोडक एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था से उत्पादक होने के नाते यह दर्शाने का भार वहन करता है कि वह बाजार अर्थव्यवस्था सिद्धांतों के तहत प्रचार करता है। रोचक बात यह है कि कोडक एसएचएफई कीमतों (एल्यूमिनियम विचाराधीन उत्पाद के विनिर्माण की लागत का 70 प्रतिशत) जोकि चीन में चीनी सरकार द्वारा पूरी तरह से नियंत्रित हैं, के संबंध में पूरी तरह मौन है। पूर्व निर्णायक समीक्षा में और अंतिम मूल जांच में कोडक को इस आधार पर बाजार अर्थव्यवस्था का स्तर इंकार किया गया था कि एसएचएमई की कीमतों में बाजार कीमतें नहीं दर्शाया। इस तथ्य का खंडन के लिए रिकार्ड में कोई साक्ष्य नहीं है।
- ड) कोडक ने यह तर्क देने के लिए मांग की है कि यूरोपीय संघ सामान्य मूल्य के निर्माण के संबंध में सूचना देने के लिए प्रतिनिधि देश नहीं हो सकता। इस दावे के लिए प्राथमिक कारण यह है कि यूरोपीय संघ में घरेलू बिक्री से संबंधित पूरी सूचना उपलब्ध नहीं है, बल्कि संबंधित विचाराधीन उत्पाद की घरेलू बिक्री के नमूना बीजकों पर आधारित है। तदनुसार, कोडक की नजर में वियतनाम को एक उपयुक्त प्रतिनिधि देश होना चाहिए। तथापि, तथ्य यह है कि वियतनाम में घरेलू बिक्री के संबंध में पूर्ण सूचना भी रिकार्ड में नहीं है। अतः कोडक उसके तर्कों का विरोध कर रहा है। सामान्य मूल्य के निर्माण के लिए एक सिद्धांत माने जाने हेतु यूरोपीय संघ के सिद्धांत के संबंध में वह इस दृष्टि से केवल चीन जन. गण. तक सीमित है कि उनकी प्रतिस्पर्धा और अन्य आर्थिक मानदंडों की स्थितियां दोनों देशों के बीच समान हैं। विस्तृत कारण याचिका में दिए गए थे जिसका खंडन नहीं किया गया है कि उनकी तुलना अन्यथा क्यों की जाए। यह अनुरोध करना भी उपयुक्त है कि याचिकाकर्ता ने भी वैकल्पिक सिद्धांत पर विश्वास किया और चीन जन. गण. सहित संबद्ध देशों के लिए सामान्य मूल्य निर्मित किया है। दोनों सिद्धांतों पर चीन जन. गण. तथा अन्य देशों के विरुद्ध जांचों में माननीय निर्दिष्ट

प्राधिकारी द्वारा विचार किया गया है। यह सिद्धांत डी. जी. ए. डी. की पूर्व परिपाटी के अनुरूप है। कोडक अपने पाटन के स्तर का उत्तर देना स्वीकार करने के मुद्दे से स्पष्ट रूप से बच रहा है और साथ ही फ्यूजी अपने अनुरोध में कोडक और अन्य चीनी विनिर्माताओं सहित अन्य चीनी व्यापारियों से अपने को अलग कर रहा है जिससे याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत स्वीकृत सिद्धांतों में माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी हैरान हो रहे हैं।

- ढ) हितबद्ध पक्षकारों ने पूरी तरह से भिन्न उत्तर दिया है और इसीलिए दायर उत्तर को रद्द किया जाना चाहिए तथा सामान्य मूल्य का निर्धारण सर्वोत्तम उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया जाना चाहिए।

## च.2. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अनुरोध

28. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :-

- क) फ्यूजीफिल्म ने अनुरोध किया कि हाल ही में चीन जन. गण. सरकार ने अपने निर्यातकों को अनुचित लाभ देने के लिए अपनी ब्याज दर काफी घटा दी है। इस परिणामस्वरूप भी चीन जन. गण. से आक्रामक पाटन होगा।
- ख) चीनी मुद्रा का मूल्य अमरीकी डालर में 6.8 से 7.02 तक केवल 3 प्रतिशत तक कम हुआ है। जबकि भारतीय मुद्रा का अवमूल्यन अमरीकी डालर में 68 से 71.25 रुपए तक 5 प्रतिशत तक हुआ है।
- ग) यूरोपीय संघ अधिकतर थर्मल प्लेटों का प्रयोक्ता है और थर्मल प्लेटों का प्रमुख उत्पादक है न कि सीटीसीपी वायलेट प्लेटों का (यद्यपि वायलेट प्लेटों का प्रयोग वहां केवल न्यूजपेपर इंडस्ट्री द्वारा ही किया जाता है) जबकि भारत अधिकतर सीटीसीपी प्लेटों का प्रयोक्ता है। यह अनुरोध है कि सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए तीसरे पक्षकार देश के रूप में यूरोपीय संघ पर जबरदस्ती निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा रद्द की जानी चाहिए।
- घ) केआईपीएल और केसीजीसीसीएल के बीच कोई प्रतिपूरक व्यवस्था नहीं है। केआईपीएल की टेक्नोवा की कम घरेलू बिक्री कीमत के कारण घरेलू बिक्री में हानियां हुई हैं।
- ङ) चीन एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था है, दूसरे चार देश यथा- वियतनाम, ताईवान, कोरिया और जापान गैर बाजार अर्थव्यवस्था नहीं हैं और इसीलिए आवेदक द्वारा अपनाए गए सिद्धांत गलत हैं तथा इसे रद्द किए जाने की आवश्यकता है।
- च) निर्दिष्ट प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे अंतिम जांच परिणाम जारी करने से पूर्व एलएमई और एसएचएफई के लिए तथ्यों का सत्यापन करें और यह सत्यापित करें कि क्या एलएमई बुलेटिन लिथो ग्राफिक्स एल्यूमिनियम सीटों की कीमतें दर्शाता है।
- छ) लकी ने लागत एवं कीमत पर सामान्य मूल्य आधार का दावा नहीं किया है और याचिकाकर्ता का यह दावा कि एलएमई, एसएमई से उच्चतर था, झूठा है, क्योंकि हमारे पास यह दर्शाने की सूचना है कि एसएमई वस्तुतः एलएमई से उच्चतर था, जो दिया गया है।
- ज) यह तर्क कि लकी द्वारा मानी गई कीमतें वैट सहित हैं, बिना किसी आधार के हैं। यह विचार किए जाने की आवश्यकता है कि चीन ने ग्राहक विद्यमान सीमा शुल्कों का भुगतान करने के बाद एलएमई से उत्पाद का आयात कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में कोई व्यक्ति घरेलू बिक्री खरीद पर देय वैट का भी भुगतान नहीं करेगा। इसके अतिरिक्त, घरेलू बिक्री के मामले में भी चूंकि वैट की गई बिक्री पर दिए गए वैट के विरुद्ध समायोजन योग्य है। अतः बिक्री पर वैट किसी भी तरह से उत्पादक के लिए खर्चा नहीं है।
- झ) यह मानते हुए कि व्यापारी वैट का भुगतान करता है, वह निर्यात किए जाने पर उसके लिए वापसी प्राप्त करता है। इस प्रकार किसी भी दशा में वैट को लागत का भार नहीं बनना चाहिए।
- ञ) यह मानते हुए कि चीन से एल्यूमिनियम पर निर्यात शुल्क है, किसी भी दशा में घरेलू कीमतें एलएमई की कीमत से अधिक होने के नाते यह मुद्रा असंगत है।
- ट) यूरोपीय संघ और संयुक्त राज्य अमरीका द्वारा किए गए अध्ययन जातिगत हैं, न कि विचाराधीन उत्पाद विशिष्ट। यह सिद्ध करना याचिकाकर्ता का दायित्व है कि यह अध्ययन वर्तमान मामले पर लागू होते हैं।

- ठ) पाटनरोधी नियमावली के अनुसार चीन जन. गण. के लिए यूरोपीय संघ एक तुलनीय बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं है। यूरोपीय संघ की घरेलू बिक्री कीमत और उत्पादन लागत से संबंधित पूर्ण सूचना प्राधिकारी के पास उपलब्ध नहीं है।
- ड) तथाकथित बाजार ह्रास, जैसा कि आवेदक द्वारा विश्वास किया गया, से संबंधित रिपोर्टें प्राधिकारी पर बाध्यकारी नहीं हैं। तथाकथित बाजार जुगाड़ की रिपोर्टें, जैसा कि आवेदक द्वारा विश्वास किया गया है, वर्तमान जांच की जांचावधि से संबंधित नहीं है।
- ढ) पाटनरोधी नियमावली के अनुसार कोडक ने सामान्य मूल्य के संबंध में सूचना विधिवत रूप से प्रस्तुत की है जिसमें उत्पादन लागत, चीन में केसीजीसीसीएल द्वारा विनिर्मित सामानों की पुनः बिक्री कीमत आदि से संबंधी आंकड़े शामिल हैं। नकारात्मक पाटन मार्जिन का दावा सिद्ध करने के लिए केसीजीसीसीएल तथा केसीआईसीएल ने एक विस्तृत एमईटी प्रश्नावली का उत्तर दायर किया है जो दर्शाता है कि उत्पादन लागत बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों के संदर्भ में उचित एवं उपयुक्त है। प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे पाटन मार्जिन के निर्धारण के कोडक के सामान्य मूल्य को स्वीकार करें, क्योंकि आवेदक द्वारा दिया गया सामान्य मूल्य का परिकलन पूर्णतः त्रुटिपूर्ण है।
- ण) कोडक अनुरोध करता है कि आवेदक द्वारा दावा किया गया एसएमई का कीमत स्रोत आवेदन पत्र/लिखित अनुरोधों द्वारा दावा की गई कीमत नहीं दर्शाता। अतः प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे कोडक कंपनियों की बाजार अर्थव्यवस्था के स्तर की जांच करने के लिए केसीजीसीसीएल की एल्यूमिनियम की खरीद कीमत की तुलना टेक्नोवा की खरीद कीमत के साथ करें।
- त) चीनी एल्यूमिनियम क्षेत्र में तथाकथित ह्रास अथवा मुद्रा जुगाड़ के संबंध में विश्व बैंक/आईएमएफ/भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा कोई जांच परिणाम नहीं हैं। यहां तक कि संयुक्त राज्य अमेरिका जारी चीनी मुद्रा से संबंधित रिपोर्ट चीन जन. गण. को "करेंसी मैनुपुलेटर" के रूप में घोषित/नामित नहीं करती / संयुक्त राज्य अमेरिका के ट्रेजरी विभाग द्वारा जांच परिणाम तीन अनिवार्य मानदंडों पर आधारित है यथा- (क) द्विपक्षीय व्यापार अधिशेष; (ख) वास्तविक करेंट एकाउंट अधिशेष; (ग) विदेशी मुद्रा की खरीद। अतः यह सिद्ध है कि संयुक्त राज्य अमेरिका के ट्रेजरी विभाग द्वारा जांच परिणाम का उद्देश्य द्विपक्षीय व्यापार को संतुलित करना है न कि विदेशी मुद्रा को। इसके अतिरिक्त, संयुक्त राज्य अमेरिका के ट्रेजरी विभाग के जांच परिणाम का समर्थन करने के लिए विश्व बैंक, एशियन डेवलपमेंट बैंक, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा निधि अथवा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा कोई जांच परिणाम नहीं है। अतः आरआरसी द्वारा करेंसी मैनुपुलेशन/बाजार हस्तक्षेप का दावा रद्द किया जाना चाहिए।
- थ) पूर्व जांच में प्राधिकारी ने व्यापार विस्तार अधिनियम की धारा 302 के अनुसार यूएसडीओसी द्वारा जारी रिपोर्ट के कारण कोडक को एमईटी स्तर प्रदान नहीं किया है। तथापि, भारत सरकार ने बाद में उपर्युक्त रिपोर्ट पर विवाद किया है और डब्ल्यू. टी.ओ. के समक्ष यह विवाद दायर किया है। अतः प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे अन्य देशों द्वारा दी गई रिपोर्टों/किए गए अध्ययनों के प्रभाव में आये बिना नए सिरे से कोडक के लिए एमईटी स्तर की जांच करें।
- द) आवेदक द्वारा विश्वास किए गए यूरोपीय संघ आयोग स्टॉफ वर्किंग के दस्तावेज केवल एक कार्यकारी दस्तावेज है जिसका जांच की अवधि से कोई संबंध नहीं है। इसके अतिरिक्त, यूरोपीय संघ के कानून के तहत बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति का मूल्यांकन करने के लिए मानदंड भारतीय कानूनों में निर्धारित मानदंडों से भिन्न है। अतः यूरोपीय संघ आयोग स्टॉफ के कार्यकारी दस्तावेजों को कोडक को एमईटी स्तर निर्धारित करने के लिए ध्यान में नहीं रखा जाना चाहिए।
- ध) जांच की अवधि से पूर्व की अवधि से तुलना करने पर भारतीय रूपए का मूल्य बनाम अमेरिकी डालर (जांच की अवधि के दौरान) में 10 प्रतिशत की गिरावट आयी है। उपर्युक्त अवधि के दौरान युआन का अवमूल्यन केवल 3-4 प्रतिशत था।
- न) वर्तमान जांच में सामान्य मूल्य का निर्माण एक त्रुटिपूर्ण दृष्टिकोण अपनाते हुए किया गया है।
- न) विश्व व्यापार संगठन जैसी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को विनियमित करने वाली शीर्ष संस्था ने यूरोपीय संघ आयोग स्टॉफ के कार्यकारी दस्तावेजों की वैधता की पुष्टि नहीं की है। अतः बाजार ह्रास का दावा और स्टॉफ कार्यकारी दस्तावेज को रद्द किया जाना चाहिए और कोडक के लिए बाजार अर्थव्यवस्था के स्तर का निर्धारण/जांच निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी नियमवाली के अनुसार संगत मानदंडों की स्वतंत्र जांच के आधार पर होना चाहिए।

- प) कोडक ने एल्यूमिनियम की अपनी खरीद कीमत प्रस्तुत की है और प्राधिकारी उसकी तुलना बाजार अर्थव्यवस्था स्तर के दावे का मूल्यांकन करने के लिए जांच की अवधि के दौरान भारत में एल्यूमिनियम कीमत से करें।
- फ) यदि प्राधिकारी वैकल्पिक पद्धतियों के आधार पर कोडक के लिए सामान्य मूल्य निर्धारित करते हैं तो वियतनाम में उत्पादन लागत अथवा संबद्ध सामानों की वियतनामी घरेलू बिक्री कीमत पर चीन जन. गण. के लिए सामान्य मूल्य निर्धारित करने हेतु विचार किया जाए। कोडक उल्लेख करता है कि भारत सरकार ने पाटनराधी नियमावली में निर्धारित विविध मानदंडों की विस्तृत जांच करने के बाद वियतनाम को बाजार अर्थव्यवस्था स्तर प्रदान किया है और सामान्य मूल्य निर्धारित करने की यह पद्धति आवेदक द्वारा सुझाई गई पद्धति (अर्थात् यूरोपीय संघ से नमूना निर्यात बिक्री) से अधिक उपयुक्त और सही होगी।
- ब) विचाराधीन उत्पाद के लिए सामान्य मूल्य पीसीएन आधार पर निर्धारित किए जाने की आवश्यकता है।

### च.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

29. धारा 9(1)(ग) के अधीन, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है:
- व्यापार की सामान्य प्रक्रिया के समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
  - जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:
    - समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो, अथवा
    - उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उदगम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत:

परंतु यदि उक्त वस्तु का आयात उदगम वाले देश से भिन्न किसी देश से किया गया है और जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश से होकर केवल स्थानांतरण किया गया है अथवा ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यात के देश में नहीं होता है, अथवा निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उदगम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।
30. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से ज्ञात आयातकों/निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी जिसमें उन्हें प्राधिकारी द्वारा निर्धारित प्रारूप में और निर्धारित तरीके से सूचना प्रदान करने का परामर्श दिया। निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्धारित प्रश्नावली उत्तर दाखिल करके इस जांच में सहयोग किया है:
- मैसर्स फुजीफिल्म कारपोरेशन, जापान
  - मैसर्स फुजीफिल्म ग्लोबल ग्राफिक्स सिस्टम, जापान
  - मैसर्स फुजीफिल्म प्रिंटिंग प्लेट (चाइना) कं. लि., चीन जन.गण
  - मैसर्स फुजीफिल्म (चाइना) इन्वेस्टमेंट कं. लि., चीन जन. गण
  - मैसर्स कोडेक (चाइना) ग्राफिक्स कम्यूनिकेशन कम्पनी लिमिटेड
  - मैसर्स कोडेक (चाइना) इन्वेस्टमेंट कं. लि.
  - मैसर्स लक्की ह्यूगांग ग्राफिक्स कं. लिमिटेड

- viii. मैसर्स शंघाई स्ट्रोंग स्टेट प्रिंटिंग इक्विपमेंट लिमिटेड
- ix. मैसर्स अनहुई स्ट्रोंग स्टेट प्रिंटिंग मैटेरियल्स को., लि.
- x. मैसर्स जैल सी एण्ड पी कं., लिं.
- xi. मैसर्स माइलान प्रिंटिंग मीडिया कारपोरेशन

31. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध- I के पैरा 7 और 8 के तहत प्रावधानों के साथ-साथ पाटनरोधी नियमावली के तहत सामान्य मूल्य की गणना के संबंध में निम्नलिखित संगत प्रावधानों का उल्लेख किया, जो इस प्रकार हैं:

“7. गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयात के मामले में, उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से भुगतान किया गया अथवा भुगतान योग्य, आवश्यकतानुसार पूर्णतया समायोजित कीमत सहित, सामान्य मूल्य का निर्धारण तीसरे देश के बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत अथवा परिकलित मूल्य के आधार पर अथवा भारत सहित ऐसे किसी तीसरे देश से अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव नहीं है, या किसी अन्य उचित आधार पर किया जाएगा। संबद्ध देश के विकास के स्तर तथा संबद्ध उत्पाद को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यथोचित पद्धति द्वारा एक समुचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश का चयन किया जाएगा और चयन के समय पर उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना पर यथोचित रूप से विचार किया जाएगा। बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी अन्य तीसरे देश के संबंध में किसी समयानुरूपी मामले में की जाने वाली जांच के मामले में जहां उचित हों, समय-सीमा के भीतर कार्रवाई की जाएगी। जांच से संबंधित पक्षकारों को किसी अनुचित विलंब के बिना बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपरोक्त चयन के विषय में सूचित किया जाएगा और अपनी टिप्पणियां देने के लिए एक समुचित समयावधि प्रदान की जाएगी”।

8.(1) “गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश” वाक्यांश का अर्थ है कि कोई देश जिस निर्दिष्ट प्राधिकारी लागत अथवा कीमत ढांचे के बाजार सिद्धांतों का लागू नहीं करने वाले के रूप में मानते हैं। जिसके कारण ऐसे देश में पण्य वस्तुओं की बिक्रियां उप पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंडों के अनुसार वस्तुओं के सही मूल्य को नहीं दर्शाती है”।

(2) यह कहना पूर्वानुमान लगाना होगा कि कोई देश जिसे जांच के पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा डब्ल्यू.टी.ओ. के किसी सदस्य के समक्ष प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश निर्धारित अथवा माना गया है, एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है। तथापि, गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश या ऐसे देश से संबंधित फर्म निर्दिष्ट प्राधिकारी को सूचना तथा साक्ष्य उपलब्ध कराकर इस परिकल्पना को समाप्त कर सकते हैं जो यह साबित करता हो कि ऐसा देश उप-पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं है।

(3) निर्दिष्ट प्राधिकारी प्रत्येक मामले में निम्नलिखित मानदंड पर विचार करेंगे कि क्या:

(क) ऐसे देश में कच्ची सामग्रियों प्रौद्योगिकी लागत और श्रम, उत्पादन, बिक्रियों तथा निवेश सहित कीमतों, लागतों तथा निवेशों के संबंध में संबंधित फर्म का निर्णय आपूर्ति तथा मांग को दर्शाने वाले बाजार संकेतों तथा इस संबंध में किसी विशिष्ट राज्य हस्तक्षेप के बिना होता है और यह कि क्या मुख्य निवेशों की लागतें वास्तविक रूप से बाजार मूल्यों को दर्शाती हैं; (ख) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागतें तथा वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से उठाए गए विशिष्ट विरूपणों के अधीन होती है। खासकर ऋणों की प्रतिपूर्ति द्वारा परिसंपत्तियों के ह्रास, अन्य बट्टे खाते, वस्तु विनिमय व्यापार तथा ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए तथा भुगतान के संबंध में; (ग) ऐसी फर्म दिवालिया तथा संपत्ति कानून के अधीन होती हैं जो कि फर्म के प्रचालन की कानूनी निश्चितता तथा स्थायित्व की गारंटी देता है; (घ) विनियम दर के परिवर्तन बाजार दर पर किए जाते हैं। तथापि, जहां इस पैराग्राफ में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर लिखित रूप में पर्याप्त साक्ष्य दर्शाया जाता है कि पाटनरोधी जांच के अधीन एक अथवा ऐसी अधिक फर्मों के

लिए बाजार स्थितियां लागू होती हैं, निर्दिष्ट प्राधिकारी पैरा 7 तथा इस पैरा में निर्दिष्ट सिद्धांतों के पैरा 1 से 6 में निर्दिष्ट सिद्धांतों को लागू कर सकते हैं।

(4) तथापि, उप पैरा (2) में निहित किसी बात के होते हुए भी निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसे देश को बाजार अर्थव्यवस्था देश के रूप में मान सकते हैं जिसे संगत मानदंडों, जिनमें उप पैरा 3 में विनिर्दिष्ट मानदंड शामिल हैं, के नवीनतम विस्तृत मूल्यांकन के आधार पर किसी देश द्वारा, जो विश्व व्यापार संगठन का सदस्य है, पाटनरोधी जांचों के प्रयोजन के लिए सार्वजनिक दस्तावेज में ऐसे मूल्यांकन के प्रकाशन द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है अथवा माने जाने के लिए निर्धारित किया गया है।

32. जांच की शुरूआती अवस्था में याचिकाकर्ता ने चीन जनगण को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था मानकर उस संकल्पना के आधार पर कार्रवाई की। जांच शुरू होने पर प्राधिकारी ने चीन जन. गण. में उत्पादकों/निर्यातकों को परामर्श दिया कि वे जांच शुरूआत करने के नोटिस का उत्तर दें और यह निर्धारित करने के लिए संगत सूचना प्रदान करें कि क्या उनके द्वारा प्रस्तुत सूचना द्वारा सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए स्वीकार किया जा सकता है। प्राधिकारी ने सभी उत्पादकों/निर्यातकों को इस संबंध में संगत सूचना प्रदान करने के लिए बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार/अनुपूरक प्रश्नावली की प्रतियां भेजी।

(33) विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में चीन के एसेसन प्रोटोकॉल का अनुच्छेद 15 इस प्रकार है:-

चाइनीज एसेसन प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15 में निम्नलिखित प्रावधान है:

“जीएटीटी 1994 का अनुच्छेद-VI, टैरिफ और व्यापार पर सामान्य करार, 1994 (“ पाटनरोधी करार”)के अनुच्छेद-VI के कार्यान्वयन पर करार तथा एससीएम करार निम्नलिखित के अनुरूप डब्ल्यूटीओ सदस्यों में चीन के मूल के आयातों वाली कार्यवाहियों पर लागू होंगे:

(क) जीएटीटी 1994 के अनुच्छेद-VI और पाटनरोधी करार के तहत मूल्य की तुलना का निर्धारण करने में आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य या तो जांचाधीन उद्योग के लिए चीन के मूल्यों अथवा लागतों का उपयोग करेंगे या उस पद्धति का उपयोग करेंगे जो निम्नलिखित के आधार पर चीन में घरेलू मूल्यों अथवा लागतों के साथ सख्ती से तुलना करने में आधारित नहीं है:

- i. यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह दिखा सकते हैं कि समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग में उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां रहती हैं तो निर्यात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य मूल्य की तुलनीयता का निर्धारण करने में जांचाधीन उद्योग के लिए चीन के मूल्यों अथवा लागतों का उपयोग करेगा।
- ii. आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य उस पद्धति का उपयोग कर सकता है जो चीन में घरेलू कीमतों अथवा लागतों के साथ सख्त अनुपालन पर आधारित नहीं है, यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह नहीं दिखा सकते हैं कि उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग हैं।

(ख) एससीएम करार के पैरा II, III और V के अंतर्गत कार्यवाहियों में अनुच्छेद 14(क), 14 (ख), 14(ग) और 14(घ) में निर्धारित राज्य सहायता को बताते समय एससीएम करार के प्रासंगिक प्रावधान लागू होंगे, तथापि उसके प्रयोग करने में यदि विशेष कठिनाइयां हों, तो आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य राज्यसहायता लाभ की पहचान करने और उसको मापने के लिए तब पद्धति का उपयोग कर सकते हैं जिसमें उस संभावना को ध्यान में रखती है और चीन में प्रचलित निबंधन और शर्तें उपयुक्त बेंचमार्क के रूप में सदैव उपलब्ध नहीं हो सकती है। ऐसी पद्धतियों को लागू करने में, जहां व्यवहार्य हो, आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य के द्वारा चीन से बाहर प्रचलित निबंधन और शर्तों का उपयोग के बारे में विचार करने से पूर्व ऐसी विद्यमान निबंधन और शर्तों को ठीक करना चाहिए।

- (ग) आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य उप-पैरा (क) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को पाटनरोधी कार्य संबंधी समिति के लिए अधिसूचित करेगा तथा उप पैरा (ख) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को कमिटी ऑन सविसीडोज और काउंटर वेलिंग मैसर्स के लिए अधिसूचित करेगा।
- (घ) आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य को राष्ट्रीय कानून के तहत चीन ने एक बार यह सुनिश्चित कर लिया है कि यह एक बाजार अर्थव्यवस्था है, तो उप पैरा के प्रावधान (क) समाप्त कर दिए जाएंगे बशर्ते आयात करने वाले सदस्य के राष्ट्रीय कानून में प्राप्ति की तारीख के अनुरूप बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी मानदंड हो। किसी भी स्थिति में उप पैरा (क) (II) के प्रावधान प्राप्ति की तारीख के बाद 15 वर्षों में समाप्त होंगे। इसके अलावा, आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य के राष्ट्रीय कानून के अनुसरण में क्या चीन के द्वारा यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां एक विशेष उद्योग अथवा क्षेत्र में प्रचलित हैं, उप पैराग्राफ (क) गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के प्रावधान उस उद्योग अथवा क्षेत्र के लिए आगे लागू नहीं होंगे।”

34. उप प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यद्यपि 15 (क) (ii) के प्रावधान दिनांक 11 दिसम्बर, 2016 से समाप्त हो गए हैं, लेकिन पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 2.2.1.1 के तहत प्रावधान के साथ गठित एसेसन प्रोटोकाल के 15(क) (i) के तहत दायित्व के लिए भारत के पाटनरोधी के अनुबंध-1 के पैरा 8 में विनिर्दिष्ट मानदंड अपेक्षित है, जिन्हें बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एमईटी) के दर्जे का दावा करने के लिए अनुपूरक प्रश्नावली में प्रदान किए जाने वाले डाटा/सूचना के द्वारा पूरा किया जाना है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि कोडेक ग्रुप को छोड़कर चीन जन.गण. से अन्य उत्पादक/निर्यातक ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार/अनुपूरक प्रश्नावली उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। अतः इन अन्य उत्पादकों/निर्यातकों के सामान्य मूल्य की गणना पाटनरोधी नियम के अनुबंध-1 के पैरा के प्रावधानों के तहत की जानी है। इसके अलावा प्राधिकारी ने पूर्ववर्ती पैरा में दिए गए कारणों से कोडेक ग्रुप को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रदान करने का अंतिम निर्णय किया है।

#### **च.4 चीन जन. गण. में सहयोगी उत्पादकों की निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण**

##### **च.4.1 कोडेक चाइना ग्राफिक कम्युनिकेशन कं. लि. (“केसीजीसीसीएल”), मैसर्स कोडेक चाइना इन्वेस्टमेंट कं. लि. (“केसीआईसीएल”) (इसके बाद से इसे “कोडेक ग्रुप” के रूप में कहा जाएगा) को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एमईटी) का दर्जा प्रदान करने का मूल्यांकन और इसके सामान्य मूल्य की गणना**

35. प्राधिकारी ने कोडेक ग्रुप द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान करने के दावे, घरेलू विक्रियों, निर्यात विक्रियों और उत्पादन की लागत सहित दाखिल की गई अनुपूरक प्रश्नावली जो कि बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान करने के दावे के संबंध में और बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान करने के दावे के संबंध में अनुपूरक अतिरिक्त अनुरोध के बारे में है, के साथ किए गए अनुरोध को नोट किया है। बाजार की कीमतों पर कच्ची सामग्रियों के स्रोत के संबंध में स्पष्टीकरण के लंबित रहने के चलते कोडेक का चीन में मैसर्स लक्की और ईआर के साथ गठबंधन बाजार की शर्तों पर आधारित है और उत्पादन की लागत के समीकरण के साथ है, प्राधिकारी आंतरिक शुल्क की अवस्था में बाजार अर्थव्यवस्था का मूल्यांकन प्रदान करने का प्रस्ताव नहीं करते।
36. सीमित और अधूरी सूचना व्यापक जांच करने और कोडेक ग्रुप को उपरोक्त संबद्ध वस्तुओं के लिए बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान करने के दावे को स्थापित करने में समर्थ नहीं हो सकती।
37. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(3) के अनुसार “निर्दिष्ट प्राधिकारी प्रत्येक मामले में निम्नलिखित मानदंडों पर विचार करेंगे कि :



- (क) ऐसे देश में कच्ची सामग्रियों प्रौद्योगिकी लागत और श्रम, उत्पादन, विक्रयों तथा निवेश सहित कीमतों, लागतों तथा निवेशों के संबंध में संबंधित फर्म का निर्णय आपूर्ति तथा मांग को दर्शाने वाले बाजार संकेतों तथा इस संबंध में किसी विशिष्ट राज्य हस्तक्षेप के बिना होता है और यह कि क्या मुख्य निवेशों की लागतें वास्तविक रूप से बाजार मूल्यों को दर्शाती हैं;
- (ख) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागतें तथा वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से उठाए गए विशिष्ट विरूपणों के अधीन होती है। खासकर ऋणों की प्रतिपूर्ति द्वारा परिसंपत्तियों के ह्रास, अन्य बट्टे खाते, वस्तु विनिमय व्यापार तथा ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए तथा भुगतान के संबंध में;
- (ग) ऐसी फर्म दिवालिया तथा संपत्ति कानून के अधीन होती हैं जो कि फर्म के प्रचालन की कानूनी निश्चितता तथा स्थायित्व की गारंटी देता है;
- (घ) विनियम दर के परिवर्तन बाजार दर पर किए जाते हैं। तथापि, जहां इस पैराग्राफ में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर लिखित रूप में पर्याप्त साक्ष्य दर्शाया जाता है कि पाटनरोधी जांच के अधीन एक अथवा ऐसी अधिक फर्मों के लिए बाजार स्थितियां लागू होती हैं, निर्दिष्ट प्राधिकारी पैरा 7 तथा इस पैरा में निर्दिष्ट सिद्धांतों के पैरा 1 से 6 में निर्दिष्ट सिद्धांतों को लागू कर सकते हैं।
38. वर्तमान मामले में, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि कोडेक ग्रुप ने मैसर्स लक्की हुयांगयुवांग ग्राफिक्स कं. लि. के साथ साझेदारी की है और उन्हें अपना संयंत्र बेच रहा है। यह भी नोट किया जाता है कि कोडेक ग्रुप द्वारा किए गए सभी एफई लेन देन बाजार की शर्तों के अनुसार हैं और करेंसी अवमूल्यन से संबंधित राज्य हस्तक्षेप निर्यात सौदों में प्रतिस्पर्धा के लाभ के लिए हैं। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि कोडेक राज्य के स्वामित्व वाले उद्योगों से कच्ची सामग्री की खरीद करता है। इस प्रकार कच्ची सामग्री की ऐसी खरीद कीमत राज्य के हस्तक्षेप से शासित की जा रही है। साथ ही, कोडेक से संबंधित आयात भारत में संबद्ध वस्तुओं की हानि पर पुनः विक्री करता है। अतः प्राधिकारी चीन जन गण. के सभी उत्पादकों/निर्यातकों को कोडेक सहित, जिसने यद्यपि बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा किया है, बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के लिए पात्र नहीं मानते। अतः प्राधिकारी ने नियम 6(8) के आधार पर सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए आंतरिक सामान्य मूल्य का आकलन किया है, जो कि पाटनरोधी नियमावली की सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना है, जिसे इस प्रकार पढ़ा जा सकता है, "यदि कोई हितवद्ध पक्षकार एक उचित अवधि के भीतर आवश्यक सूचना सुलभ कराने से इंकार करता है अथवा जांच से पर्याप्त रूप से बाजार पहुंचता है, तो निर्दिष्ट प्राधिकारी उसके पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणामों को दर्ज कर सकता है और केंद्र सरकार को ऐसी परिस्थितियों के तहत जितना उपयुक्त समझे ऐसी सिफारिशें कर सकता है।
39. तदनुसार संबद्ध वस्तुओं के लिए सामान्य मूल्य का निर्माण प्रमुख कच्ची सामग्रियों और यूटिलिटियों के लिए ईष्टतम खपत मानको, खरीदी गई कच्ची सामग्रियों की अन्तर्राष्ट्रीय कीमतों, उपयुक्त कनवर्सन लागत, व्याज, एसजीए और उपयुक्त लाभ इत्यादि सहित कैप्टिव रूप से उत्पादित कच्ची सामग्री की कीमतों को ध्यान में रखते हुए किया गया है। उत्पाद टाइप अर्थात् थर्मल, वायलेट और यूवी-सीटीसी प्लेट के लिए सामान्य मूल्य क्रमशः \*\*\*रू./वर्ग मी., \*\*\*रू./वर्ग मी. और \*\*\*रू. प्रति वर्ग मी. माना गया है।

**च.4.2 चीन जन.गण. में सहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत का निर्धारण****क. कोडेक ग्रुप**

40. मैसर्स कोडेक चाइना ग्राफिक कम्प्युनिकेशन कं. लि. ("केसीजीसीसीएल") संबद्ध का उत्पादक/निर्यातक है। इसकी संबद्ध कंपनी, मैसर्स कोडेक चाइना इन्वेस्टमेंट कं. लि. ("केसीआईसीएल") है, जो संबद्ध देश में घरेलू बिक्रियों में लगी हुई है। केसीजीसीसीएल द्वारा निर्यातित वस्तुएं कोडेक इंडिया प्रा. लि. ("केआईपीएल") द्वारा आयातित की जाती हैं, जो कि एक संबद्ध आयातक है, जो इसे आगे असंबद्ध अंतिम अपभोक्ताओं को बेचते हैं।
41. उत्पादक/निर्यातक ने चीन में उनकी घरेलू बिक्रियों के आधार पर 'सामान्य मूल्य' की गणना के लिए बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा किया है। प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य, कारखाना बाह्य निर्यात कीमत और पहुंच मूल्य पर विचार किया है, जो इस प्रकार है:-

**(क) सामान्य मूल्य**

42. जांच की अवधि (पीओआई) के दौरान केसीजीसीसीएल ने केसीआईसीएल के माध्यम से घरेलू बाजार में समग्र बिक्री की जिसने आगे संबद्ध वस्तुओं की बिक्री घरेलू बाजार में अंतिम अपभोक्ताओं को की है। जैसा कि ऊपर कहा गया है उत्पादक/निर्यातक ने कच्ची सामग्री की खरीद में राज्य के हस्तक्षेप के बारे में स्पष्ट नहीं किया है, और मैसर्स लक्की द्वारा मैसर्स केसीजीसीसीएल के अधिग्रहण के तथ्य पर भी स्पष्ट नहीं किया है और इसीलिए मैसर्स कोडेक का बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा इस अवस्था में स्वीकार नहीं किया गया। थर्मल और वायलेट प्लेट के लिए सामान्य मूल्य \*\*\*डॉलर/वर्ग मी. और \*\*\*डॉलर/वर्ग मी. माना गया है।

**(ख) निर्यात कीमत**

43. मैसर्स केसीजीसीसीएल ने संबद्ध आयात मैसर्स केआईपीएल को \*\*\* वर्ग मी. थर्मल और वायलेट प्लेट का निर्यात किया है।
44. जांच की अवधि के दौरान मैसर्स केआईपीएल ने घरेलू बाजार में केवल स्वतंत्र ग्राहकों को ही संबद्ध वस्तुओं की बिक्री की है। केआईपीएल ने संबद्ध वस्तुओं की घरेलू बाजार में पहुंच मूल्य से अधिक पर बिक्री की है। तथापि, केआईपीएल को बिक्री और सामान्य प्रशासनिक शुल्कों को शामिल करने के बाद संबद्ध वस्तुओं पर घरेलू बिक्रियों पर हानि उठानी पड़ी है। केआईपीएल ने यह दावा किया है कि केआईपीएल द्वारा उठाई गई हानि टैक नोवा और अन्य आयातकों के बीच गहन प्रतिस्पर्धा के कारण से है और केसीजीसीसीएल और केआईपीएल के बीच कोई भी क्षतिपूर्ति व्यवस्था नहीं है। तदनुसार, प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजन से कारखाने के बाद के व्यय जैसे परिवहन (\*\*\*यूएस डालर/वर्ग मी.), \*\*\* प्रतिशत की दर से ऋण लागत (\*\*\*यूएस डॉलर/वर्ग मी.) और केआईपीएल की घरेलू बिक्रियों पर औसत हानि (\*\*\*यूएस डालर/वर्ग मी.) को काम किया गया है ताकि कारखाना बाह्य निर्यात कीमत निकाली जा सके। केसीजीसीसीएल द्वारा अपनी संबद्ध संस्था केआईपीएल को निर्यात की गई वस्तुओं की मात्रा और कारखाना बाह्य मूल्य की गणना आवश्यक समायोजन के बाद इस प्रकार की गई है:-

पीसीएन	मात्रा वर्ग मी में	कुल इनवॉयस मूल्य (यूएस डॉलर) इनकोर्ट्स एफसीए में	कुल स्वदेशी माल भाड़ा (यूएस डॉलर)	कुल ऋण लागत (यूएस डॉलर)	पुनः बिक्री कीमत के लिए केआईपीएल समायोजन	केसीजीसीसीएल कारखाना बाह्य कीमत (केआईपीएल पुनः बिक्री समायोजन के बाद)	केसीजीसीसीएल कारखाना बाह्य कीमत यूएस डॉलर/ वर्ग मी. (पुनः बिक्री समायोजन के बाद)
थर्मल	***	***	***	***	***	***	***

वायलेट	***	***	***	***	***	***	***
सकल योग	***	***	***	***	***	***	***

45. केसीजीसीसीएल द्वारा निर्यात की गई वस्तुओं के पहुंच मूल्य की गणना के लिए, केसीजीसीसीएल द्वारा निर्यात की आयातक द्वारा दाखिल उत्तर के साथ तुलना की गई है। जांच की अवधि के दौरान, केसीजीसीसीएल ने \*\*\* वर्ग मी. संबद्ध वस्तुओं का निर्यात एफसीए इनकोटर्म पर किया गया है। केसीजीसीसीएल द्वारा केआईपीएल को निर्यात की गई वस्तुओं के पहुंच मूल्य की गणना समुद्री माल भाड़ा \*\*\* रु. प्रति वर्ग मी., बीसीडी 7.5 प्रतिशत की दर से शिक्षा उपकर 10 प्रतिशत बीसीडी की दर से और हैडलिंग चार्ज \*\*\* रु. वर्ग मी. की दर से शामिल करने के बाद इनवायस मूल्य के आधार पर की गई है। केसीजीसीसीएल के लिए थर्मल और वायलेट प्लेट के लिए पहुंच मूल्य नीचे दिया गया है:-

पीसीएन	कुल वर्ग मी.	इनवायस मूल्य यूएस डॉलर	इनवायस मूल्य रु.	समुद्री माल भाड़ा	मूल सीमा शुल्क	उप कर	हैंडलिंग चार्ज	पहुंच मूल्य (बीमा को छोड़कर)	पहुंच मूल्य रु./ वर्ग मी.	पहुंच मूल्य (यूएसडॉलर)/वर्ग मी.
थर्मल प्लेट कुल	***	***	***	***	***	***	***	***	***	***
वायलेट प्लेट कुल	***	***	***	***	***	***	***	***	***	***
सकल योग	***	***	***	***	***	***	***	***	***	***

ख. मैसर्स लक्की हुआंगयुवांग ग्राफिक कं. लि. ('लक्की')

(क) सामान्य मूल्य

46. उत्पादक/निर्यातक ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा नहीं किया है और तदनुसार प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के तहत निर्मित सामान्य मूल्य अपनाया है। चूंकि उत्पादक/निर्यातक ने केवल थर्मल डिजिटल प्लेटों का ही निर्यात किए जाने का दावा किया है, इसलिए प्राधिकारी ने यूवी सीटीपी प्लेटों, थर्मल और वायलेट प्लेटों के लिए निर्मित सामान्य मूल्य पाटन मार्जिन का आकलन करने के लिए क्रमशः \*\*\* यूएस डॉलर/वर्ग मी., \*\*\* यूएस डॉलर/वर्ग मी. और \*\*\* यूएस डॉलर/वर्ग मी. का उल्लेख किया है।

(ख) निर्यात कीमत

47. यूवी सीटीपी, थर्मल प्लेटों और वायलेट प्लेटों के लिए कारखाना बाह्य निर्यात कीमत क्रमशः \*\*\* यूएस डॉलर/वर्ग मी., \*\*\* यूएस डॉलर/वर्ग मी. और \*\*\* यूएस डॉलर/वर्ग मी आता है, जिसमें समुद्री मालभाड़ा, स्वदेशी मालभाड़ा और बैंक प्रभार को समायोजित किया गया है। यूवी सीटीपी, थर्मल प्लेटों और वायलेट प्लेटों के लिए पहुंच मूल्य क्रमशः \*\*\* यूएस डॉलर/वर्ग मी., \*\*\* यूएस डॉलर/वर्ग मी. और \*\*\* यूएस डॉलर/वर्ग मी आता है।

**(ग) मैसर्स शंघाई स्ट्रांग स्टेट प्रिंटिंग इक्विपमेंट लिमिटेड और मैसर्स अनहुई स्ट्रांग स्टेट प्रिंटिंग मैटेरियल लि. ("शंघाई स्ट्रांग")**

**(क) सामान्य मूल्य**

48. उत्पादक/निर्यातक ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा नहीं किया है और तदनुसार, प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के तहत निर्मित सामान्य मूल्य को अपनाया है। प्राधिकारी ने यूवी सीटीपी प्लेटों के लिए निर्मित सामान्य मूल्य का उल्लेख किया है, जो पाटन मार्जिन के आकलन के लिए जांच की अवधि पीओआई के लिए \*\*\* यूएस डॉलर/वर्ग मी. आता है।

**(ख) निर्यात कीमत**

49. यूवी सीटीपी प्लेटों के लिए कारखाना बाह्य कीमत दावा किए गए समायोजनों को शामिल करने के बाद \*\*\*यूएस डॉलर/वर्ग मी. आती है। यूवी सीटीपी प्लेटों के लिए पहुंच मूल्य \*\*\*यूएस डॉलर/वर्ग मी. आता है।

**घ. मैसर्स फुजीफिल्म प्रिंटिंग प्लेट (चाइना) कं. लि. (एफएफपीएस), फुजीफिल्म (चाइना) इन्वेस्टमेंट कं. लि. (एफएफसीएन) ("फुजीफिल्म चाइना")**

**(क) सामान्य मूल्य**

50. चीन में उत्पादक मैसर्स फुजीफिल्म प्रिंटिंग प्लेट (चाइना) कं. लि. (एफएफपीएस) ने \*\*\* वर्ग मी. वायलेट डिजिटल प्लेटों एक संगत व्यापारी, फुजीफिल्म (चाइना) इन्वेस्टमेंट कं. लि. (एफएफसीएन) के माध्यम से \*\*\* यूएस डॉलर के निवल इनवायस मूल्य पर निर्यात की हैं, जिसने आगे एक संगत आयातक फुजीफिल्म इंडिया प्रा. लि. को निर्यात की हैं, जिसने मूल्य को बढ़ाकर आंतरिक बाजार में असंगत ग्राहकों को बेची है। साथ ही, एफएफसीएन ने एफएफआईएन को लाभ पर निर्यात किया है। एफएफपीएस ने बाजार अर्थव्यवस्था दर्जे का दावा नहीं किया है और इसीलिए प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा उपयुक्त समायोजनों के साथ दाखिल की गई उत्पादन की लागत के आधार पर सामान्य मूल्य का मूल्यांकन किया है और साथ ही अन्य संगत पैरा में जांच परिणाम में भी उल्लेख किया गया है। इस प्रकार वायलेट प्लेटों के लिए सामान्य मूल्य \*\*\* यूएस डॉलर/वर्ग मी. आता है।

**(ख) निर्यात कीमत**

51. वायलेट प्लेटों के लिए कारखाना बाह्य निर्यात कीमत \*\*\* यूएस डॉलर/वर्ग मी. आती है, जिसमें समुद्री मालभाड़ा, बीमा, स्वदेशी मालभाड़ा, बंदरगाह व्यय, क्रेडिट लागत के संबंध में समायोजन को शामिल किया गया है। वायलेट प्लेटों के लिए पहुंच मूल्य \*\*\* यूएस डॉलर/वर्ग मी. आता है।

**च.5. कोरिया गणराज्य में सहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण**

**(ख) मैसर्स जैल सी एंड पी कं. लि.**

**(क) सामान्य मूल्य**

52. मैसर्स जैल सी एंड पी कं. लि. (उत्पादक और निर्यातक) ने निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल किया है। मैसर्स जैल सी एंड पी कं. लि. ने जांच की अवधि पीओआई दौरान CIF मूल्य \*\*\* यूएस डॉलर पर भारत को \*\*\* वर्ग मी. यूवी सीटीपी प्लेटों का निर्यात किया है। जहां तक सामान्य मूल्य का संबंध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि \*\*\* वर्ग मी. यूवी सीटीपी

प्लेटें \*\*\* यूएस डॉलर की कीमत पर घरेलू बाजार में बेची गई हैं। दावा की गई उत्पादन की लागत स्वीकार कर ली गई है। दावा की गई उत्पादन की लागत के आधार पर आंतरिक शुल्क के प्रयोजन के लिए ओसीटी टेस्ट किया गया है, जो यह दर्शाता है कि \*\*\*% विक्रियां लाभकारी हैं। सामान्य मूल्य के लिए विचार किए गए समायोजनों में स्वदेशी परिवहन, ऋण लागत और वेयरहाउस स्टोरेज है। उपरोक्त के आधार पर सामान्य मूल्य \*\*\* डॉलर/वर्ग मी. निर्धारित किया गया है।

(ख) निर्यात कीमत

53. प्राधिकारी ने यूवी सीटीपी के लिए कारखाना बाह्य कीमत का आकलन करके \*\*\* यूएस डॉलर/वर्ग मी. विचार किया गया है। समायोजनों को दावा किए अनुसार शामिल किया गया है, जिसमें ड्यूटी ड्रॉ बैंक शामिल नहीं है। जहां तक विभिन्न समायोजन का संबंध है, सैम्पल साक्ष्य प्रदान किए गए हैं जिनमें प्राप्त ड्यूटी ड्रॉ बैंक का साक्ष्य प्रदान नहीं किया गया है। उपरोक्त समायोजन व्यवस्था अंतरिम शुल्क के लिए है, बशर्ते आगे सामान्य/जांच की जाए। यूवी सीटीपी प्लेटों के लिए पहुंच मूल्य \*\*\* यूएस डॉलर/वर्ग मी. आता है।

**च.6. ताइवान में सहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण**

(क) सामान्य मूल्य

54. चूंकि ताइवान से किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने उत्तर नहीं दिया है इसलिए प्राधिकारी ने भारत में उत्पादन की लागत को अपनाकर अन्तराष्ट्रीय कच्ची सामग्री की कीमतों, घरेलू लागत के आधार पर विद्युत लागतों, सामान्य कनवर्सन लागतों, एसजीए और उत्पादन की लागत पर \*\*\*प्रतिशत के एक तर्क संगत लाभ को समायोजित कर नियम 6(8) के अनुसार सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य निकाला है। सामान्य मूल्य जांच की अवधि के लिए \*\*\*डॉलर/वर्ग मी. आता है।

(ख) निर्यात कीमत

55. चूंकि किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने सहयोग नहीं किया है। इसलिए प्राधिकारी ने डीजीसीआईएस के आयात डाटा को सीआईएफ कीमत के निर्धारण के लिए अपनाया है। कारखाना बाह्य निर्यात कीमत \*\*\*डॉलर/वर्ग मी. आती है। पहुंच मूल्य का आकलन \*\*\*यूएस डॉलर/वर्ग मी. के रूप में किया गया है। प्राधिकारी ने भारत में उत्पादन की लागत अपनाकर नियम 6(8) के अनुसार सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य निकाला है, जिसमें अन्तराष्ट्रीय कच्ची सामग्री की कीमतों, घरेलू उद्योग के द्वारा के तहत विद्युत लागतों, सामान्य कनवर्सन लागतों, एसजीए और उत्पादन की लागत पर \*\*\* प्रतिशत के एक तर्कसंगत लाभ के संबंध में समायोजन किया गया है। जांच की अवधि पीओआई के लिए सामान्य मूल्य \*\*\*यूएस डॉलर/वर्ग मी. आता है।

**च.7. जापान में सहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण**

**क. मैसर्स फुजीफिल्म कारपोरेशन, जापान और मैसर्स फुजीफिल्म ग्लोबल ग्राफिक्स सिस्टम, जापान ("फुजीफिल्म जापान")**

(क) सामान्य मूल्य

56. फुजीफिल्म कारपोरेशन ने निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल किया है। फुजीफिल्म कारपोरेशन ने अपनी संगत कंपनी मैसर्स फुजीफिल्म ग्लोबल ग्राफिक्स सिस्टम (एफएफजीएस) के माध्यम से घरेलू बाजार में बिक्री की है, जबकि उसने

सीधे भारत को मैसर्स फुजीफिल्म इंडिया प्रा. लि., जो इसकी संबद्ध आयातक कंपनी है को सीधे निर्यात किया है। फुजीफिल्म कारपोरेशन द्वारा दावा की गई उत्पादन की लागत के आधार पर और थर्मल व वायलेट प्लेटों, दोनों की भारित औसत घरेलू बिक्री कीमत के आधार पर भारित औसत सामान्य मूल्य \*\*\* डॉलर/वर्ग मी. तक आया है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि किसी समायोजन का दावा नहीं किया गया है और साथ ही यह भी कि थर्मल और वायलेट श्रेणियों के लिए अलग से उत्पादन की लागत प्रदान नहीं की गई है। एफएफजीएस द्वारा घरेलू बिक्रियों के सौदा-वार व्यौरा प्रदान नहीं किए गए हैं। अतः भारित औसत पाटन मार्जिन जैसा कि दर्शाया गया है प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजन के लिए दोनों ही श्रेणियों के लिए विचार किया गया है साथ ही एफएफजीएस ग्राफिक्स की आपूर्ति एक कम मात्रा के लिए घरेलू बिक्रियों में एक मूल्य श्रृंखला भागीदार के माध्यम से की है, जिसने अलग प्रश्नावली उत्तर दाखिल नहीं किया है।

#### (ख) निर्यात कीमत

57. जहां तक कारखाना बाह्य निर्यात कीमत का संबंध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उत्पादक/निर्यातक ने किसी समायोजन का दावा नहीं किया है। थर्मल और वायलेट प्लेटों के लिए कारखाना बाह्य निर्यात कीमत क्रमशः \*\*\* डॉलर/वर्ग मी., \*\*\* डॉलर/वर्ग मी. आती है।

### च.8 वियतनाम में सहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण

#### क. मैसर्स माइलन प्रिंटिंग मीडिया कारपोरेशन

##### (क) सामान्य मूल्य

58. मैसर्स माइलन प्रिंटिंग मीडिया कारपोरेशन ने निर्धारित प्रारूप में निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दाखिल नहीं किया है। घरेलू बिक्रियों, उत्पादन की लागतों, समायोजनों और यहां तक कि निर्यात के व्यौरे प्रदान नहीं किए गए हैं। इस प्रकार प्राधिकारी ने भारत में उत्पादन की लागत को अपनाकर नियम 6(8) के अनुसार सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य तैयार किया है, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय कच्ची सामग्री की कीमतें, घरेलू उद्योग के डाटा के अनुसार विद्युत लागतें, सामान्य कन्वर्जन लागतें, एसजीए और उत्पादन की लागत के \*\*\*% तर्कसंगत लाभ को समायोजित किया गया है। जांच की अवधि (पीओआई) के लिए सामान्य मूल्य यूएस डॉलर/वर्ग मी. आता है।

##### (ख) निर्यात कीमत

59. चूंकि किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने सहयोग नहीं किया है, अतः प्राधिकारी ने सीआईएफ कीमत के निर्धारण के लिए डी जी सी आई एंड एस के आयात संबंधी आंकड़े को स्वीकार किया है। कारखाना बाह्य निर्यात कीमत कार्यरत प्रक्रिया के तहत और याचिका में भी उल्लेख किए गए अनुसार समायोजनों पर विचार करने के बाद \*\*\* अम. डॉलर/वर्ग मी. आती है। पहुंच मूल्य \*\*\* अम. डॉलर/वर्ग मी. आकलित किया गया है।

### च.9 पाटन मार्जिन

60. भारत के लिए कारखाना बाह्य निर्यात कीमत की तुलना पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए सामान्य मूल्य के साथ की गई है। नीचे दी गई सारणी में संबद्ध देशों के सभी उत्पादकों के लिए जांच की अवधि के दौरान भारित औसत पाटन मार्जिन को दर्शाती है।
61. यह देखा गया है कि पाटन मार्जिन प्रत्येक संबद्ध देश से किए गए निर्यातों के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के तहत निर्धारित सीमा से अधिक और महत्वपूर्ण है।

क्र.सं.	देश	उत्पादक	निवल निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन
			(अम.डॉ./वर्ग मी.)	(अम.डॉ./वर्ग मी.)	(%)	रेंज)
1	चीन जन.गण.	लक्की हुआगुआंग ग्राफिक्स कं. लि.	***	***	***	31-40
2	चीन जन.गण.	कोडक चाइना ग्राफिक कंप्युनिकेशन कं. लि.	***	***	***	0-10
3	चीन जन.गण.	शंघाई स्ट्रोंग स्टेट प्रिंटिंग एक्विममेंट लिमिटेड	***	***	***	41-50
4	चीन जन.गण.	फ्यूजी फिल्म प्रिंटिंग प्लेट (चाइना) कं. लि.	***	***	***	(-) 0-10
5	चीन जन.गण.	सभी अन्य	***	***	***	31-40
6	कोरिया आर.पी	जियल सी एंड पी कं. लि.	***	***	***	0-10
7	कोरिया आर.पी	सभी अन्य	***	***	***	31-40
8	जापान	फ्यूजी फिल्म कॉर्पोरेशन	***	***	***	51-60
9	जापान	सभी अन्य	***	***	***	11-20
10	ताइवान	सभी अन्य	***	***	***	41-50
11	वियतनाम	सभी अन्य	***	***	***	31-40

## छ. क्षति आकलन और कारणात्मक संबंध

### छ.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

62. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध इस प्रकार हैं :-

- (क) यह कहना है कि याचिकाकर्ता ने अपनी विनिर्माण सुविधाओं और अन्य परिसंपत्तियों में \*\*\* करोड़ रूपए से अधिक का निवेश किया है और अपनी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए लगातार निवेश कर रहा है।

- (ख) आज की तारीख में भारतीय उद्योग ने करीब \*\*\* मिलियन वर्ग मी. प्रति वर्ग की क्षमता संस्थापित की है जिसमें बॉक्स लाइन क्षमता शामिल है, जो घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है।
- (ग) पाटनरोधी शुल्कों को हटाए जाने के बाद आयातों में मात्रा की दृष्टि से पर्याप्त और अभूतपूर्व वृद्धि हुई है और वह भी सस्ती और पाटित कीमत पर।
- (घ) आयातों की मात्रा संबद्ध देशों से 2015-16 में 110 के इंडेक्स प्वाइंट से बढ़कर जांच की अवधि में 217 इंडेक्स प्वाइंट हो गई है, जोकि 117 इंडेक्स प्वाइंट की तीव्र वृद्धि को दर्शाता है।
- (ङ.) संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा वित्त वर्ष 2017-18 से जांच की अवधि में करीब 47 प्रतिशत तक बढ़ी है (जब चीन जन.गण. में शुल्क लगाए गए थे)।
- (च) अद्यतन आयात डाटा के अनुसार, ताइवान से आयात कुल आयातों का 3.11 प्रतिशत है और इसीलिए यह आयातों की न्यून से कुछ अधिक मात्रा है।
- (छ) जहां तक आयात संबंधी डाटा अलग करने के लिए याचिकाकर्ता द्वारा अपनाई गई कार्य प्रणाली का संबंध है, कार्य प्रणाली वही रही, जिसे प्राधिकारी द्वारा संबद्ध वस्तुओं के संबंध में मूल जांच में और एस एस आर जांच में माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा विचार किया गया और सत्यापन किया गया था।
- (ज) याचिकाकर्ता का बाजार अंश वित्त वर्ष 2017-18 में \*\*\*% से गिरकर जांच की अवधि में \*\*\*% हो गया अर्थात् चीन जन.गण. से विचाराधीन उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्कों को हटाए जाने के बाद बाजार अंश में \*\*\*% की गिरावट आई है।
- (झ) सभी संबद्ध देशों से पहुंच मूल्य से मिलकर आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में करीब 11 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। दूसरी ओर बनाने और बेचने की लागत में उसी अवधि के दौरान करीब 2 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। याचिकाकर्ता अपनी कीमतों को सस्ते आयातों का मुकाबला करने के लिए कम रखने को मजबूर था।
- (झ.1) प्रत्येक संबद्ध देश के लिए कीमत कटौती सकारात्मक है और पर्याप्त है। वास्तव में जापान से कीमत कटौती पूर्व अवधि में नकारात्मक थी जो जांच की अवधि में सकारात्मक हो गई।
- (ट) संबद्ध देशों से आयात कीमत सभी संबद्ध देशों के लिए गैर क्षतिकारी कीमत (एनआईपी) से काफी कम है। कम कीमत के आयात याचिकाकर्ता के निष्पादन को हानि पहुंचा रहे हैं।
- (ठ) याचिकाकर्ता की लाभप्रदता में चीन जन.गण. से पाटनरोधी शुल्कों को हटाए जाने के बाद से काफी प्रभाव पड़ा है। याचिकाकर्ता ने जांच की अवधि में हानि उठाना शुरू कर दिया, जबकि पाटनरोधी शुल्कों का कोई संरक्षण नहीं था, जबकि याचिकाकर्ता चीन जन.गण. से पाटनरोधी शुल्कों का जब संरक्षण था उस समय क्षति अवधि के दौरान मामूली प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा था।
- (ड) घरेलू बिक्रियों के लिए निवेशों पर प्रतिफल जांच की अवधि (क) में वित्त वर्ष 2017-18 के \*\*\*% से गिरकर \*\*\*% हो गया है जो चीन जन.गण. से पाटनरोधी शुल्कों को हटाए जाने के बाद से करीब \*\*\*% की तीव्र गिरावट को दर्शाता है।
- (ढ) याचिकाकर्ता का नकदी लाभ वित्त वर्ष 2017-18 में \*\*\*\*\* लाख रु. से गिरकर जांच की अवधि (पीओआई) (क) में \*\*\* लाख रु./वर्ग मी. आ गया है। उसी अवधि के दौरान प्रति यूनिट नकदी लाभ \*\*\*रु. प्रति वर्ग मी. से गिरकर \*\*\*रु. प्रति वर्ग मी. तक आ गया है।
- (ण) याचिकाकर्ता की मालसूची की जांच की अवधि में पर्याप्त रूप से बढ़कर \*\*\* मिलियन वर्ग मी. हो गई है जो वित्त वर्ष 2017-18 के दौरान विशेषकर चीन जन.गण. से पाटनरोधी शुल्कों को हटाए जाने के बाद \*\*\* मिलियन वर्ग मी. थी, जो मात्रा में 66 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।



- (त) कतिपय हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क की मांग करने के बावजूद याचिकाकर्ता की मालसूची में जांच की अवधि में आधार वर्ष की तुलना में 48 इंडेक्स प्वाइंट तक की वृद्धि हुई।
- (थ) घरेलू उद्योग अपनी क्षमता वर्धन की योजना को बंद करने के लिए बाध्य था। यह उल्लेख करना आवश्यक है कि घरेलू उद्योग ने कथित उत्पादन लाइन को पहले ही खरीद लिया है, जोकि वर्तमान में बेकार पड़ी है। कथित बॉक्स अप क्षमता वर्तमान में कुल संस्थापित क्षमता की करीब 30 प्रतिशत है।
- (द) चीन जन.गण. में स्थापित क्षमताएं और अन्य देशों में स्थापित क्षमताएं अधिकांशतः निर्यात उन्मुखी हैं क्योंकि ये क्षमताएं घरेलू खपत से काफी अधिक हैं।
- (ध) याचिकाकर्ता का क्षमता उपयोग और उत्पादन याचिकाकर्ता द्वारा किए गए अवरोध निवारण के कार्यों में वृद्धि को दर्शाता है। इस कार्रवाई से याचिकाकर्ता अपनी क्षमताओं का ईष्टतम स्तर पर उपयुक्त उपयोग कर पाया है।
- (न) संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण याचिकाकर्ता अपनी कीमतों को कम करने के लिए बाध्य हुआ है जिसके कारण से याचिकाकर्ता को भारी हानि हुई है। पाटन के प्रभाव को न्यून करने के लिए और इसके प्रमुख ग्राहकों को बनाए रखने के लिए याचिकाकर्ता को संबद्ध देशों में से किसी देश के आयातों का सहारा लेना पड़ा।
- (प) विचाराधीन उत्पाद के आयातों में वृद्धि की प्रवृत्ति याचिकाकर्ताओं के क्षति मापदंड विशेषकर कीमत मापदंड के अनुरूप है, जो कारणात्मक संबंध को दर्शाता है। ऐसे पर्याप्त साक्ष्य हैं, जो यह दर्शाते हैं वास्तव में क्षति हुई है और एक वास्तविक और गहन चुनौती है।
- (फ) आयातों में वृद्धि मांग में वृद्धि से अधिक है। यह याचिकाकर्ता के बाजार हिस्से में गिरावट के कारण से है, तो जांच की अवधि (पीओआई) में आधार की तुलना में करीब 7 प्रतिशत है।
- (ब) यह तथ्य कि हो सकता है कि कुछ मात्रा में क्षति मापदंड नकारात्मक प्रवृत्ति नहीं दर्शाएं। दूसरा यह अर्थ नहीं है कि क्षति की कमी है।
- (भ) संचित आधार पर क्षति विश्लेषण किया गया है और इसलिए यह तर्क कि कोडेक का निर्यात कीमत में कटौती नहीं करता अथवा कोडेक का निर्यात स्थिर रहा, यह क्षति विश्लेषण से संबद्ध नहीं है।
- (म) यह तर्क कि पूर्व जांच में, माननीय प्राधिकारी ने प्लेट-कर शुल्कों की सिफारिश की थी और इसीलिए मात्रा और कीमत का क्षति विश्लेषण पी सी एन के आधार पर किया जाए, यह गलत है। वास्तव में, पूर्व जांचों में, क्षति विश्लेषण समूचे विचाराधीन उत्पाद के लिए एक साथ किया गया था।
- (य) घरेलू उद्योग को वास्तविक अथवा प्रकट, दोनों क्षति पाटित आयातों के कारण से है, जिससे कारणात्मक संबंध स्थापित हुआ है।
- (र) याचिकाकर्ता को माननीय प्राधिकारी द्वारा क्षति का आकलन करते समय याचिकाकर्ता के आयातों को पृथक करने को चुनने पर कोई आपत्ति नहीं है।
- (ल) कोडेक द्वारा यह सुझाव दिए गए हैं कि क्षति मार्जिन का निर्धारण स्वतंत्र कीमत अर्थात् कोडेक इंडिया के स्तर पर प्रथम बिक्री के समय किया जाना चाहिए। एक संगत आयातक द्वारा प्रथम स्वतंत्र पुनः बिक्री कीमत पर गणना पाटन मार्जिन की गणना के लिए कारखाना बाह्य निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए है न कि क्षति मार्जिन की गणना के लिए है।
- (व) यह कहना है कि लागू कानून के अनुसार पाटनरोधी करार सहित एक कूलिंग ऑफ अवधि की कोई जरूरत नहीं है। किसी भी मामले में याचिका में वास्तविक क्षति की मौजूदगी दर्शाई गई है और प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकार घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति की मौजूदगी का प्रभावी रूप से खंडन कर पाने में विफल रहे हैं।
- (श) व्यापार सूचना सं. 02/2004 जांच की अवधि और क्षति की अवधि के चयन से संदर्भित माननीय प्राधिकारी के विवेक को प्रभावित नहीं करती। याचिकाकर्ता ने पूरी तरह से उक्त व्यापार सूचना की अपेक्षित भाषा का अनुपालन किया है।

- (प) अधिनियम अथवा पाटनरोधी नियमों अथवा गैट 1994 (एडी करार) के अनुच्छेद vi के कार्यान्वयन के संबंध में 9 माह की एक जांच की अवधि के लिए रोका नहीं गया है।

## छ.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अनुरोध

63. क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध, जो प्राधिकारी द्वारा संगत पाए गए हैं, इस प्रकार हैं :-

- (क) कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने इस आधार पर वर्तमान जांच की शुरुआत करने से रोकने का अनुरोध किया है (i) क्षति अवधि में अप्रैल, 2018 से जून, 2018 तक की अवधि का अंतर नहीं हो सकता। (ii) क्षति अवधि पूरी वित्तीय वर्ष की अवधि की होनी चाहिए। हितबद्ध पक्षकारों ने 12 मई, 2014 की व्यापार सूचना सं. 02/2004 का भरोसा किया है जिसमें यह तर्क दिया गया है कि क्षति की अवधि और जांच की अवधि (पीओआई) में कोई अंतराल नहीं होना चाहिए और क्षति की अवधि पूरे वित्तीय वर्ष की अवधि होनी चाहिए।
- (ख) व्यापार सूचना के पैरा 2 (iii) में स्पष्ट रूप से यह उल्लेख किया गया है कि कोई अंतर नहीं होना चाहिए लेकिन जांच की अवधि और पूर्व वित्तीय वर्षों के बीच ओवरलैप हो सकता है।
- (ग) शुद्धि पत्र अधिसूचना के तहत पुनः व्यापार सूचना सं. 2/2004 दिनांक 12 मई, 2014 का उल्लेख है जिसमें विशेष रूप से यह उल्लेख किया गया है कि क्षति की अवधि केवल वित्तीय वर्ष होनी चाहिए।
- (घ) वर्तमान जांच व्यापार सूचना से स्पष्ट रूप से हटना है जिसमें स्पष्ट रूप से यह कहा गया है कि क्षति की अवधि हमेशा ही वित्तीय वर्ष होनी चाहिए और इसके बावजूद इसे 15 माह लिया गया है जो वर्ष 2017-18 से यथाअनुपात आधार पर वार्षिक रूप से ली गई है (जैसा कि प्राधिकारी द्वारा शुद्धि पत्र अधिसूचना के तहत किया गया है)।
- (ङ.) प्राधिकारी ने अपनी वर्तमान जांच में 9 माह की जांच की अवधि निर्धारित की है, जबकि प्राधिकारी सामान्य तौर पर 12 माह पर विचार कर रहे हैं। 9 माह की अवधि केवल अपवाद की स्थिति में ही ली जाती है। प्राधिकारी यह समझने में विफल रहे हैं कि वर्तमान जांच किस तथ्य के कारा से "अपवादात्मक" है।
- (च.) पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने के बाद आवेदक उद्योग के निष्पादन की वास्तविक तस्वीर का विश्लेषण करने के लिए कूलिंग ऑफ अवधि पर विचार किया जाए।
- (छ) प्राधिकारी से वर्तमान जांच के लिए जांच की अवधि को संशोधित करके 2018-19 करने का अनुरोध किया जाता है। एक अन्य महत्वपूर्ण बात यह है कि प्राधिकारी से अंतराल की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के आयात डाटा जांच की मांग करने का अनुरोध किया गया है और हितबद्ध पक्षकारों से सूचना उपलब्ध करने का अनुरोध किया गया है।
- (ज) कुछेक हितबद्ध पक्षकार निषिद्ध करते हैं और आरोप लगाते हैं कि यह अंतराल वे माह थे, जिनके दौरान याचिकाकर्ता विचाराधीन उत्पाद का बड़ी मात्रा में आयात कर सके/किया जाएगा।
- (झ) वर्तमान मामले के लिए क्षति अवधि की दो तिहाई अवधि पूर्व में निपटाए गए मामले की तरह होती है। जब तक कि बाजार की स्थिति में कोई भारी बदलाव न आ जाए, वर्तमान जांच से निर्णायक समीक्षा जांच के परिणामों के अनुसार विचार करके न्यायोचित नहीं हो सकती।
- (झ.1) प्राधिकारी से अनुरोध है कि वह क्षति की अवधि और समूची जांच की अवधि के अनप्रयुक्त चयन के कारण जांच को तत्काल समाप्त करें क्योंकि जैसे घरेलू उद्योग का आधार, क्षति विश्लेषण उसी पर आधारित है।
- (ट) आवेदक द्वारा दाखिल किए गए डाटा को अधूरा माना जाए और प्राधिकारी को पाटनरोधी नियमावली के नियम 14 के तहत जांच को समाप्त करने चाहिए।

- (ठ) यह अनुरोध किया गया था कि घरेलू उद्योग को कोई वास्तविक क्षति नहीं हुई है अथवा यदि कोई क्षति हुई भी है तो वह स्वयं की वजह से है। अतः वास्तविक क्षति की संभावना और मंदी की स्थिति इसमें शामिल नहीं है और इसके साथ मौजूद नहीं हो सकती।
- (ड) याचिकाकर्ता कंपनी विश्व में प्रिंट सोल्यूशन की सबसे बड़ी सप्लायर कंपनियों में से है और इसने अपना कारोबार 50 से अधिक वर्षों से अच्छी तरह से स्थापित कर रखा है, जैसा कि याचिकाकर्ता द्वारा मौखिक सुनवाई के दौरान दावा किया गया था। अतः घरेलू उद्योग की स्थापना के लिए मंदी की स्थिति का कोई मामला नहीं है।
- (ढ) कच्ची सामग्री की कीमतें गिर रही हैं (एस एम ई और एल एम ई के बावजूद, क्योंकि दोनों में ही गिरावट दर्ज की गई है), याचिकाकर्ता ने लागतों में वृद्धि दर्शाई है। यह लागतों में वृद्धि ही है जिसके कारण लाभ, आर ओ आई और नकदी प्रवाह में गिरावट आई है, जिसे पाटित आयातों के कारण नहीं कहा जा सकता।
- (ण) आवेदक उद्योग को हानि उठानी पड़ी जबकि वर्ष 2016-17 के दौरान आयातों में गिरावट आई थी और लागू पाटन से भी शुल्क कथित पाटित आयातों और क्षति के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं दर्शाते।
- (त) याचिकाकर्ता द्वारा चीन जन.गण. में आधारित अन्य निर्यातकों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के कारण क्षति, यदि कोई हो, हो रही है न कि फ्यूजी फिल्म ग्रुप से विचाराधीन उत्पाद के आयातों के कारण से है।
- (थ) चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तुओं के आयातों का हिस्सा जांच की अवधि (क) के दौरान संबद्ध देशों से कुल आयातों में 78.90 प्रतिशत होता है जो कि अन्य देशों से आयातों के अंश की तुलना में काफी महत्वपूर्ण है।
- (द) चीन के निर्यातकों, विशेषकर लक्की हुआहुआंग ग्राफिक्स कं. चीन और कोडेक चाइना के पास महत्वपूर्ण सरप्लस क्षमता उपलब्ध है, जो चीन जन.गण. से कम कीमतों पर है। लक्की हुआंगुआंग ग्राफिक्स कं. चाइना सरकार सरकार से कई प्रोत्साहन प्राप्त कर रही है क्योंकि यह राज्य के स्वामित्व वाली कंपनी है। इसके अतिरिक्त यह सस्ती कच्ची सामग्री का लाभ भी प्राप्त कर रही है, जो यह एस एच एफ ई से खरीदती है। यह ज्ञात तथ्य है कि एस एच एफ ई भी सरकार द्वारा नियंत्रित कंपनी है।
- (ध) आवेदक उद्योग की बिक्री कीमत विभिन्न कारकों से प्रभावित है, जैसे एल्युमिनियम की कीमत में स्थिरता, उपयोक्ता एसोसिएशनों और आवेदक उद्योग द्वारा हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू), आंतरिक प्रतिस्पर्धा इत्यादि।
- (न) आयातों में काफी वृद्धि हुई है। तथापि, केवल इस तथ्य से कि आयातों में वृद्धि हो रही है, यह स्पष्ट नहीं है कि घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। आयातों में कोई भी वृद्धि होने का अर्थ यह नहीं होता कि घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। यदि आयातों में वृद्धि पर मांग में वृद्धि के साथ विचार किया जाए तो यह देखा जाएगा कि आयातों में वृद्धि वास्तव में मांग में वृद्धि से कम है।
- (प) सीटीसीपी प्लेटों का उपयोग अब पी एस प्लेटों की तुलना में ज्यादा फायदेमंद है और सीटीसीपी प्लेटों पर कोई भी पाटनरोधी शुल्क न होने से वास्तव में उपभोक्ताओं का पी एस प्लेट से सीटीसीपी प्लेट की तरह रुख हुआ है।
- (फ) यह देखा जाना चाहिए कि पूरी क्षति अवधि के दौरान मांग में वृद्धि हुई है जबकि याचिकाकर्ता की क्षमता में गिरावट आई है। इस तथ्य के कारण से कि याचिकाकर्ता का क्षमता उपयोग करीब 100 प्रतिशत है, आयातों के कारण क्षति के संबंध में याचिकाकर्ता का मानना आधारहीन है।
- (ब) याचिकाकर्ता संबद्ध वस्तुओं का आयात करने में लगा है, जिससे मालसूची में वृद्धि हो रही है। अतः यदि कोई क्षति मौजूद है तो वह स्वयं के कारण से है न कि निर्यातों के कारण से।
- (भ) याचिकाकर्ता आयातों में वृद्धि होने के बावजूद पूरी क्षति अवधि के दौरान बिक्री में वृद्धि करने में समर्थ रहा।

- (म) कोडेक ने पहले ही यह अनुरोध किया है कि केसीजीसीसीएल भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात करने में लगा है, जोकि इसकी संबद्ध संख्या, केआईपीएल द्वारा आयात की जाती हैं। आयात के बाद केआईपीएल भारतीय बाजार में आयातित उत्पादों की पुनः बिक्री करने से पूर्व अनेक कार्य करता है। अतः एक उद्देश्यपरक विश्लेषण करने से पूर्व केआईपीएल की पुनः बिक्री की कीमत (कारखाना बाह्य स्तर पर) प्राधिकारी द्वारा निर्धारित एनआईपी से तुलनीय होनी चाहिए ताकि क्षति मार्जिन निकला जा सके।
- (य) कोडेक का यह कहना है कि संबद्ध वस्तुओं के घरेलू खरीददार/उपभोक्ता अपनी वस्तुओं का आपूर्तिकर्ता चुनने के लिए केआईपीएल और टेकनोवा द्वारा बेची गई वस्तुओं की कीमत से तुलना करते हैं। वस्तुओं की खरीद का निर्णय केआईपीएल और टेकनोवा की बिक्री कीमतों के बीच के अंतर पर निर्भर करता है। परिणामस्वरूप कोडेक द्वारा किए गए आयातों की पहुंच कीमत से घरेलू उद्योग को किसी भी तरह से क्षति नहीं हो सकती। टेकनोवा की क्षति (यदि कोई हो) केवल तभी होती है जब के आई पी एल घरेलू बाजार में अपना उत्पाद उचित कीमत पर अर्थात एनआईपी/टेकनोवा की बिक्री कीमत से कम पर बेचे। अतः कोडेक प्राधिकारी से अनुरोध करता है कि क्षति मार्जिन का निर्धारण केआईपीएल की घरेलू बिक्री कीमत टेकनोवा की बिक्री कीमत के साथ तुलना करके करे।
- (र) क्षमता उपयोग पूरी क्षति अवधि के दौरान वृद्धि की प्रवृत्ति को दर्शाता है।
- (ल) पूरी क्षति अवधि के दौरान उत्पादन में वृद्धि हुई है। याचिकाकर्ता इस बात को देखते हुए कि क्षमता उपयोग पहले ही 100 प्रतिशत को पार कर गया है अधिक उत्पादन नहीं कर पाया होगा।
- (व) क्षति संबंधी डाटा प्रमुख मात्रा संबंधी पैरामीटर जैसे उत्पादन, बिक्रियां, क्षमता उपयोग इत्यादि में वृद्धि को दर्शाते हैं। यद्यपि मालसूची में वृद्धि हुई है, लेकिन इसे घरेलू बिक्रियों में कमी के साथ नहीं जोड़ा जा सकता है क्योंकि बिक्रियों में वृद्धि हुई है।
- (श) आवेदक एकल उत्पादक का दर्जा रहने के कारण हाल के वर्षों तक बाजार में एकाधिकार की स्थिति में था और साथ ही अभी तक पाटनरोधी शुल्क भी लागू था।
- (ष) विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन आधार वर्ष 2015-16 में 100 इंडेक्स से बढ़कर जांच की अवधि (क) के दौरान 116 (इंडेक्स) हो गया। आवेदक का क्षमता उपयोग आधार वर्ष में 100 (इंडेक्स) से सकारात्मक रूप से बढ़कर जांच की अवधि (क) के दौरान 132 (इंडेक्स) हो गया है।
- (स) जांच की अवधि (क) में कुल मांग में घरेलू उत्पादों (मुख्यतः याचिकाकर्ता) का हिस्सा 61.15 प्रतिशत है, जो यह दर्शाता है कि आवेदक महत्वपूर्ण बाजार हिस्सा प्राप्त करने में समर्थ है, जो यह दर्शाता है कि आवेदक महत्वपूर्ण बाजार हिस्सा प्राप्त करने में समर्थ है, चाहे जून, 2018 में पाटनरोधी शुल्क बंद कर दिया जाए।
- (ह) वर्तमान जांच में आवेदक का एनएसआर उनके एनआईपी से भी ऊपर होगा जैसाकि उपरोक्त निर्णायक समीक्षा जांच (एसएसआर) के मामले में पाया गया है।
- (कक) कोडेक द्वारा निर्यातित वस्तुओं का पहुंच मूल्य टेकनोवा द्वारा दायर की गई एनआईपी से अधिक है और नकारात्मक रूप से कम कीमत पर बिक्री हुई है। कोडेक के निर्यातों से कोई भी कीमत ह्रास और गिरावट नहीं हुई है।
- (खख) याचिकाकर्ता भारत में प्रचलित मांग को पूरा नहीं कर सकता इसलिए, भारत से बाहर से आयात हुए। वास्तव में याचिकाकर्ता सभी प्रकार की संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन नहीं कर रहा है, इसलिए उन्होंने अन्य देशों से विभिन्न प्रकार की संबद्ध वस्तुओं की खरीद की है और उन्हें भारत में बेचा है।
- (गग) यदि विचाराधीन उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क लगाया जाता है तो इसके परिणामस्वरूप याचिकाकर्ता आसानी से विचाराधीन उत्पाद की कीमत घरेलू बाजार में निर्मित करवा सकता है और साथ ही एकाधिकार का लाभ अर्जित करने के लिए कीमत को अतार्किक करने की काफी संभावना भी है। डाउनस्ट्रीम उद्योग का निष्पादन प्रतिकूल रूप से प्रभावित होगा।

- ज ज) सरकार के द्वारा बीच का रास्ता अपनाना चाहिए अर्थात् न तो अनुचित प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए और न ही किसी भी पक्षकार द्वारा एकाधिकार की स्थिति पैदा करने के लिए किसी प्रकार का प्रयास किया जाना चाहिए, अपितु एक सन्तुलित दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।
- ट ट) विचाराधीन उत्पाद के निर्यातकों को चीन जनवादी गणराज्य से उद्भूत समान उत्पादों तथा यूरोपीय संघ से उद्भूत उत्पादों के लिए अलग-अलग कीमतें प्रस्तुत (प्रदान) की गईं। चीन से उद्भूत उत्पादों के लिए प्रस्तुत की गई कीमतें यूरोपीय संघ से उद्भूत उत्पादों की कीमतों से काफी कम थीं।
- ठ ठ) उद्योग के लिए लिए पर्याप्त राहत अथवा सुरक्षा उपलब्ध करा करके दीर्घकाल में ऑफ-सेट प्लेटों के स्थानीय विनिर्माण उद्योग को सुरक्षा प्रदान करना हमारे हित में है।
- ड ड) कीमत में कटौती और कम कीमत पर बिक्री आदि जो आज हैं, वह विश्वसनीय नहीं हैं क्योंकि याचिकाकर्ता के द्वारा पीओआई के लिए आयातों की पूर्ण एवं वास्तविक सूचना अभी प्रस्तुत की जानी है।
- ढ ढ) ताइवान से आयात का मूल्य 233 रुपए से 208 रुपए प्रति एसक्यूएम था। चीन गणराज्य के मामलों में, वर्ष 2015-16 और पीओआई को छोड़कर ताइवान से मूल्य 182 से 186 रु. प्रति एसक्यूएम था। अतः ताइवान से पीयूसी के आयातों की मात्रा और मूल्य के बारे में गंभीर तथ्य जांच करना अपेक्षित है और अब यथाप्रस्तुत आंकड़े विश्वसनीय और पूर्ण नहीं दिखते हैं।
- ण ण) कोरिया से संबद्ध माल का सीआईएफ निर्यात मूल्य में क्षति अवधि के दौरान बढ़ोतरी हुई। याचिका के प्रदर्श 5 में कोरिया के उत्पादों का सीआईएफ यूनिट मूल्य (आईएनआर / एसक्यूएम) वर्ष 2016-17 में 187.52 भारतीय रुपए, वर्ष 2017-18 में 200.64 रुपए और क्षति अवधि के दौरान 202.15 रुपए था।
- त त) आवेदक के द्वारा किए गए स्वयं के आयातों से घरेलू उद्योग के रूप में उनकी पात्रता के रूप में अत्यधिक शाखा विस्तार होता है और इससे ऊपर एवं सबसे महत्वपूर्ण बात, ऐसे स्वयं के द्वारा किए गए आयात वर्तमान मामले में कारणात्मक संपर्क के स्पष्ट उल्लंघन को दर्शाते हैं।
- थ थ) याचिकाकर्ता को इस तथ्य के बारे में भी जानकारी थी कि अल्युमीनियम के मूल्य में बढ़ोतरी होने से क्षति हुई है जैसा कि याचिका के पृष्ठ 35 में साफ-तौर पर दर्शाया गया है।
- द द) याचिका में यथा प्रस्तुत आयात पाटन एवं क्षति के प्रयोजनार्थ पीसीएन वार तुलना करने की जरूरत को दर्शाता है, क्योंकि परस्पर किस्म के पीएससी में काफी भिन्नता होती है।
- ध ध) सीटीसीपी प्लेटों और थर्मल प्लेटों के मूल्यों काफी अन्तर (लगभग 45 से 50 प्रतिशत) होता है। इसलिए, प्राधिकारी को प्रत्येक उप श्रेणी/पीसीएन के लिए आयात मूल्य, सामान्य मूल्य, कारखानागत मूल्य, पहुंच मूल्य, एवं समस्त क्षति पैरामीटरों (मात्रा एवं मूल्य दोनों) का मूल्यांकन करना चाहिए। अतः मात्रा एवं मूल्य क्षति के बारे में पीसीएन आधार पर मूल्यांकन करना चाहिए।
- न न) टेक्नोवा के द्वारा लिया गया कम घरेलू विक्रय मूल्य :- भारतीय बाजार में बने रहने के लिए अन्य निर्यातक / आयातक अपना मूल्य कम करने के लिए बाध्य हुए थे।
- प प) अन्य घरेलू उत्पादकों के उत्पादन में 50 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है। इसके बावजूद आयातों की वजह से हुई क्षति को प्रमाणित करने के लिए शेष उत्पादकों ने आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए हैं।
- फ फ) सामान-सूची स्तरों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। सामान सूची में बढ़ोतरी आयातों की वजह से और निर्यात विक्रयों में हुई गिरावट की वजह से हुई है।
- ब ब) कोडक के लिए कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री नकारात्मक है।

- भ भ) कोडक से मात्रा संबंधी क्षति नकारात्मक है क्योंकि कोडक द्वारा निर्यातक लगभग स्थिर रहा है। कोडक के आयातों की वजह से मात्रा संबंधी क्षति होने की कोई संभावना नहीं है।
- म म) केआईपीएल के घरेलू विक्रय मूल्य की टेकनावा के विक्रय मूल्य के साथ तुलना करके क्षति मार्जिन का निर्धारण करने का प्राधिकारी से अनुरोध है।
- क क क) जबकि आयातों में बढ़ोतरी हुई है, परंतु यह मांग में हुई बढ़ोतरी के अनुरूप है।
- ख ख ख) जब पूर्ववर्ती वर्ष में यह लाभप्रद था, तब हानियां होने के पीछे वास्तविक कारण को बताने में याचिकाकर्ता असमर्थ है। महत्वपूर्ण बात यह है कि जब कच्चे माल की कीमतें कम हुई है और विक्रय-मूल्य समान रहा है, तब कम से कम यह अपेक्षा की जा सकती है कि लाभ कमाने के लिए याचिकाकर्ता ने उसका लाभ लिया होगा।
- ग ग ग) बन्द हुए संयंत्र का नियत व्यय - चूंकि याचिकाकर्ता ने अपनी एक उत्पादन सुविधा को सर्व-सम्मति से बन्द कर दिया था, तो यह प्रतीत होता है कि उस संयंत्र की नियत लागत विचाराधीन उत्पाद के अनुपात में ही होगी।
- घ घ घ) जब यह साबित करने के लिए कोई आंकड़ा नहीं है कि एलएमई कीमतें एसएमई कीमतों से वस्तुतः कम थी और इनमें समानरूप से गिरावट हो रही है, तब याचिकाकर्ता ने संघाई मैटल एक्सचेंज की कीमतों (इसके बाद इसे एसएमई कहा गया है) के मुकाबले में लन्दन मैटल एक्सचेंज (इसके बाद इसे "एसएमई" कहा गया है) कीमतों को अधिक दर्शाने के लिए गलत और भ्रामक आंकड़े प्रस्तुत किए हैं।
- ड ड ड) जब कच्चे माल के मूल्यों में कमी हुई है तब याचिकाकर्ता ने उत्पादन लागत में बढ़ोतरी की है। प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे कृपया लागत में बढ़ोतरी होने के कारणों का पता लगाएं।
- च च च) कीमत कटौती समान स्तरों पर रहते हुए पीओआई के दौरान आयात की मात्रा में काफी बढ़ोतरी हुई। अतः कथित कीमत कटौती और आयात में बढ़ोतरी होने के बीच में कोई संबंध होना प्रतीत नहीं होता है क्योंकि कीमत में अधिक कटौती होने से आयात में उसी अनुपात में बढ़ोतरी होना प्रतीत नहीं होता है।
- छ छ छ) मांग में बढ़ोतरी होने तथा घरेलू उद्योग की मांग आपूर्ति में अन्तर होने की वजह से आयातों में बढ़ोतरी हो रही है।
- ज ज ज) आवेदक उद्योग की विचाराधीन उत्पाद की घरेलू विक्रियों में आधार वर्ष में 100 (सूचकांक) के मुकाबले पीओआई (ए) के दौरान 114 (सूचकांक) तक काफी बढ़ोतरी हुई है।
- झ झ झ) आवेदक उद्योग की एक उत्पादन इकाई के बंद होने तथा उद्योग में कार्यरत कर्मचारियों की संख्या में कमी होने के बावजूद संपूर्ण क्षति अवधि और पीओआई (ए) के दौरान कर्मचारियों की उत्पादकता में काफी बढ़ोतरी हुई है।
- ञ ञ ञ) अन्य घरेलू उत्पादकों की घरेलू विक्रियों में आधार वर्ष में 100 (सूचकांक) के मुकाबले पीओआई (ए) के दौरान 110 (सूचकांक) तक बढ़ोतरी हुई है।
- ट ट ट) कर्मचारियों की संख्या में कमी आयी है, इसकी वजह आवेदक की एक उत्पादन इकाई का बन्द होना है, जिसके परिणामस्वरूप क्षमता में कमी हुई है।
- ठ ठ ठ) केवल क्षति होने से ही इस निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा जा सकता है कि इसकी वजह से पाटन एवं क्षति होने की संभावना होती है।
- ड ड ड) याचिकाकर्ता ने सामान सूचियों को छोड़कर मात्रा संबंधी पैरामीटरों के संबंध में क्षति होने का भी कोई दावा नहीं किया है।
- ढ ढ ढ) याचिकाकर्ता ने सर्व-सम्मति से क्षमताओं में कमी की है। उत्पाद की मांग इतनी तेज गति से बढ़ रही हो, तो ऐसी स्थिति में कंपनी के द्वारा अपनी क्षमताओं में कमी लाना साधारण बात नहीं है।

- ण ण ण) पूर्ववर्ती वर्षों की तुलना में पीओआई के दौरान कच्चे माल की कीमत और आयात कीमत में गिरावट हुई, जबकि याचिकाकर्ता का विक्रय मूल्य समान रहा।
- त त त) पी. एस. प्लेट के उत्पादन में कमी और डिजीटल प्लेटों के उत्पादन में बढ़ोतरी होने से डिजीटल प्लेटों पर व्यय का अनुपातिक रूप से व्यय का बंटवारा हुआ है।
- थ थ थ) यदि कीमत कटौती की गई थी, तो आयातों में काफी बढ़ोतरी हुई होगी।
- द द द) उसके लाभ/हानि में कमी होने का कारण कथित पाटित आयात नहीं है अपितु याचिकाकर्ता की एक उत्पादन इकाई का बन्द होना जैसे कुछ अन्य कारक हैं।
- ध ध ध) कीमतों को प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता है क्योंकि जब कच्चे माल की कीमतें कम हो रही हो, जो कीमतों का बढ़ने का कोई कारण नहीं है।
- न न न) कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से याचिकाकर्ता का एकाधिकार हो जाएगा।
- प प प) पाटन रोधी शुल्क लागू होने के बावजूद विचाराधीन उत्पाद का विक्रय मूल्य पीयूसी की बिक्री लागत से समनुरूप से कम रहा है।
- फ फ फ) कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह सूचित किया है कि विचाराधीन उत्पाद की कीमत कई कारकों की वजह से प्रभावित हुई है जिनमें याचिकाकर्ता और प्रयोक्त उद्योग के बीच में समझौता ज्ञापन शामिल है।
- ब ब ब) कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि आयात करना जरूरी है क्योंकि घरेलू उद्योग के पास मांग को पूरा करने की क्षमता नहीं होती है।
- भ भ भ) एक तर्क यह भी है कि चूंकि अगफा ग्राफिक्स और लकी ने ग्राफिक्स के कारोबार में (संबद्ध सौदे के लिए रणनीति सांधी है और पूर्ववर्ती, प्रोद्योगिकी एवं बौद्धिक संपदा से उनकी सहायता करता है और याचिकाकर्ता को लकी से किसी तरह से जुड़ने का कारण बनता है।
- म म म) कोडक ने निवेदन किया कि "(i) विदेशी सरकारों को बाजार संबंधी तोड़-मरोड़ कर दी गई सूचनाओं के लिए माननीय प्राधिकारी बाध्यकार नहीं है; (ii) कथित बाजार व्यवहार कौशल पीओआई से संबंधित नहीं होता है; (iii) करेंसी को जारी करने संबंधित व्यवहार कौशल के बारे में आईएमएफ, विश्व बैंक, अथवा आरबीआई जैसी संस्थाओं के द्वारा केवल अधिकारिक तौर पर ही जांच की जा सकती है; (iv) भारतीय मुद्रा का पीओआई के दौरान आरएमबी से अधिक अवमूल्यन हुआ है। इस आधार पर, कोडक बाजार अर्थव्यवस्था के लिए मांग करता है।"
- य य य) लकी और कपूर ने यह तर्क दिया है कि कच्चे माल की कीमतों में गिरावट आयी है, जिसके परिणामस्वरूप उत्पाद निर्मित करने एवं बिक्री करने की लागत में कमी होनी चाहिए
- क क क क) पाटन रोधी शुल्क लगाने से प्रयोक्ता उद्योग पर प्रभाग पड़ेगा।
- ख ख ख ख) दो समाचार पत्रों से संपूर्ण उद्योग नहीं चलता है क्योंकि भारत में 500 से ज्यादा दैनिक समाचार पत्र हैं। इसलिए, उनके द्वारा व्यक्त किए गए विचारों में यह तथ्य शामिल है कि उन्होंने आवेदक के साथ आपूर्ति संबंधी समझौता किया है, और यह उनके निवेदनों को संदिग्ध और अयोग्य बनाता है।
- ग ग ग ग) आवेदक के बाजार हिस्से में बाई ओ बाई बढ़ रहा है इसमें पीओआई के दौरान हल्की से गिरावट आयी है, जिसमें सीएसओ अनुमानों के अनुसार अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों ने गिरावट का सामना किया है और इसलिए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि आवेदक ने भी मांग में कमी होने की स्थिति का सामना किया है।

घ घ घ घ) लाभ की प्रतिशतता 100-59-128-63-115 तक घट बढ़ रही है जो यह दर्शाती है कि लाभ का मार्जिन पाटनरोधी शुल्क लगाने अथवा अन्यथा से जुड़ा नहीं है अपितु अन्य कारणों की वजह से है।

ङ ङ ङ ङ) 4 वर्ष की अवधि के दौरान कीमत स्थिर रही है लेकिन एल्युमीनियम की कीमतों में गिरावट होने के बावजूद जो लागत के 70 प्रतिशत है, वर्ष 2017-18 और 2018-19 के बीच कीमतों में कोई गिरावट नहीं हुई है। यह स्थिति यह दर्शाती है कि चीन के उत्पादकों ने भी वास्तव में कीमतों में बढ़ोतरी की है। दूसरे देशों का भी कम प्रभाव है।

च च च च) पाटनरोधी शुल्क की बाद में समाप्ति :- याचिकाकर्ता ने अपना एक संयंत्र बंद कर दिया है। अन्य दो संयंत्र क्रमशः 100 प्रतिशत और 50 प्रतिशत क्षमता पर कार्य कर रहे हैं। यह एक ऐसा मामला है, जिसमें संयंत्र अपनी संपूर्ण जीवन अवधि को पूरी कर रहा है, जिसकी वजह से गुणवत्ता के उत्पादों का उत्पादन नहीं किया जा रहा है। अतः याचिकाकर्ता बढ़ती हुई मांग को पूरा करने में असमर्थ रहा है, इसलिए आयातों की जरूरत है।

छ छ छ छ) आयातों की सस्ती कीमत होने का लाभ लेकर याचिकाकर्ता आयातों से अपने आपको बचा रहा है।

ज ज ज ज) वर्तमान मामला निर्यातकों से “असंबद्ध स्वयं याचिकाकर्ता द्वारा आयात” की श्रेणी के अंतर्गत आता है। याचिकाकर्ता कथित पाटन के लिए पक्षकार है, इसलिए क्षति के लिए दावा नहीं कर सकता है। मुख्य व्यापार परीक्षण और पाटन में भागीदारी जैसे मानदण्डों के बारे में विचार करना चाहिए और ये इस मामले में लागू होने चाहिए।

झ झ झ झ) अन्हुई ने यह निवेदन किया कि याचिकाकर्ता संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का अभी तक आयात कर रहा है और उनके द्वारा याचिका अथवा लिखित निवेदनों में कहीं पर भी इसके लिए दावा नहीं किया है। इसके बजाए, याचिकाकर्ता ने लिखित निवेदनों के पैरा 4(ई) में यह सूचित किया है कि आयातों को बंद कर दिया गया है लेकिन ये झूठे कथन हैं। याचिकाकर्ता ने भारत में संबद्ध वस्तुओं का आयात करना बंद कर दिया हो, परंतु स्वयं अपने नाम में यूआई पत्तन पर इसका आयात करना शुरू कर दिया है। पीओआई के बाद यूआई पत्तन पर शंघाई स्ट्रांग स्टेट प्रिंटिंग इन्क्विपमेंट लिमिटेड से टेकनावा इमेजिंग सिस्टम्स (प्रा.) लि. के द्वारा किए गए आयातों के ब्यौरे उपलब्ध कराए गए थे। यह इस बात को दर्शाता है कि याचिकाकर्ता प्राधिकारी को भ्रमित करने की कोशिश कर रहा है।

ञ ञ ञ ञ) इस सारणी में चीन के आयातों की दर्शायी मात्रा उस अवधि के एस एस आर में आयात की मात्रा में मेल नहीं खाती है, जो यह निर्दिष्ट करती है कि आवेदक अपनी सारणियों में कल्पित आंकड़े दे रहा है और इसलिए आवेदक स्वयं ही डी. ए. के द्वारा निरस्त किए जाने के लिए जिम्मेदार है।

ट ट ट ट) चाहे पाटनरोधी शुल्क लगाना हो, तब यह अनुरोध किया जाता है कि एलएमई में उद्धरित एल्युमीनियम इन्गोट की मूल्य लागत और कन्वर्जन प्रभाओं सहित यह शुल्क लगाया जा सकता है।

ड ड ड ड) आवेदक ने एसएसआर डी. ए. के निष्कर्ष के शीघ्र बाद एडीडी को पुनः आरंभ करने का अनुरोध किया है, यह तथ्य किसी भी तरीके से लाभ प्राप्त करने में आवेदक के व्यवहार को दर्शाता है। उन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय में एसएसआर के विरुद्ध याचिका दायर की थी और अपने आयातों को पूरा करने के लिए बाद में इसे वापिस ले लिया था और तत्पश्चात डी. ए. पर दबाव डालने के लिए वर्तमान आवेदन प्रस्तुत किया।

ढ ढ ढ ढ) हिन्दुस्तान टाइम्स का प्रतिनिधि जो एडीडी को समर्थन करता है, वह संपूर्ण समाचार मीडिया का प्रतिनिधित्व नहीं करता है जो एच टी ग्रुप की खपत की तुलना में बहुत बड़ा है।

ण ण ण ण) सुनवायी के दौरान आवेदक ने सूचित किया है कि अमरीकी डॉलर की तुलना में चीन की करेंसी आरएमबी का 10 प्रतिशत मूल्यह्रास हुआ है, जो सही नहीं है। अवमूल्यन 3 प्रतिशत है जबकि भारतीय मुद्रा (करेंसी) का (सुनवायी समय पर) 5 प्रतिशत से अधिक मूल्यह्रास हुआ था। वर्तमान में, भारतीय मुद्रा का मूल्यह्रास अधिक है जो सस्ते आयातों से आवेदक को पहले से ही सहायता प्रदान करता है।



- ज ज ज ज) संबद्ध वस्तुओं पर 10 वर्ष की एक अच्छी अवधि के लिए पाटनरोधी शुल्क लगाया गया है जिससे आवेदक को अच्छा लाभ मिला। सरकार सामान्य रूप से राष्ट्र की हानि के लिए एक अकेले उद्योगपति को लाभ नहीं दे सकती है।
- ट ट ट ट) स्वयं आवेदक के द्वारा एक अन्य (तृतीय) देश के रूप में ईयू का चयन करना अनुचित है क्योंकि तृतीय देश का चयन करने का अधिकार एडी नियमावली के नियम 7 के अनुसार केवल डी.ए. को ही दिया गया है। किसी मामले में ई.यू. अधिकांशतः थर्मल प्लेटों का उत्पादक और प्रयोक्ता है और न कि सीटीसीपी और वायलेट प्लेटों का, जिनकी मुख्य रूप से भारत एवं अन्य दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों में खपत है।
- ठ ठ ठ ठ) गोपनीयता के रूप में सभी आंकड़ों को परिभाषित उन पर गोपनीयता का आवरण, चाहे वे सामान्य मूल्य, कारखानागत मूल्य, क्षति स्वयं उनके तुलन-पत्र के अनुसार तैयार किए हों, तथा अन्य हितवद्ध पक्षकारों के द्वारा जांच न किए जाने के अध्यधीन सभी आंकड़ों से प्राप्त हुए उत्पादन संबंधी आंकड़ों से तैयार किए हों। लाभ मार्जिन को सकारात्मक से नकारात्मक होने तक समाप्त कर दिया है, चाहे इन उत्पादों पर एडीडी हो अथवा न हो।
- ड ड ड ड) 200-220/- रुपए पर चीन के आयातों का मूल्य जिसकी समान रूप से स्थापित अन्य देशों के आयात मूल्यों से तुलना की जाती है और ये सीमा – शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 14 के अनुसार स्वीकार्य होते हैं। चीन की प्लेटों का मूल्य 3 वर्ष की अवधि और पीओआई के दौरान समनुरूप (-10 प्रतिशत) रहा है।
- ढ ढ ढ ढ) धारा 9 क(ii) (क) में यह अधिदेश है कि मूल्य की तुलना अन्य देशों को की गई विक्रियों के आधार पर की जाएगी। सीवीआईसी का डीआरआई विश्व के सभी बड़े – बड़े देशों में स्थित कार्यालयों का रख रखाव करता है, जो तुलनात्मक विश्लेषण करने के लिए सूचना दे सकता है। इस सबकी ज्यादा जरूरत होती है क्योंकि डीजीसीआईएस के द्वारा प्रस्तुत किए आंकड़े प्रविष्टि बिलों में मात्रा एवं विवरण के बारे में अनुचित विवरण होने की वजह से पूर्णतः त्रुटिपूर्ण होते हैं। आवेदक ने आंकड़े कैसे तैयार किए थे, इसकी जानकारी नहीं है।
- ण ण ण ण) पीओआई के बाद की अवधि के दौरान याचिकाकर्ता ने शंघाई स्ट्रांग से पीयूसी की खरीद करना जारी रखा और अंतिम खेप का जून, 2009 को लदान की गई थी। प्राधिकारी के द्वारा इसकी गहन रूपस से जांच करने की जरूरत है।
- त त त त) निर्यातक ने यह निवेदन किया कि मैनुअल ऑफ आरेस्टिंग प्रैक्टिसिज फॉर ट्रेड रेमेडी इन्वेस्टिगेशन्स के पैरा 4.9.20 (V) के अनुसार ऐसी कोई अपवादात्मक परिस्थितियां नहीं होती है, जिनके द्वारा आयात किए गए हों। आयात नियमित रूप से होते हैं जो भारत के लिए हमारे कुल निर्यातों का 53.41 प्रतिशत है। याचिकाकर्ता भी जांच के बाद भी अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं का आयात कर रहा है।
- थ थ थ थ) ताइवान दूतावास ने यह निवेदन किया कि ताइवान से आयातों के मामले में वर्ष 2017-18 और पीओआई के दौरान कोई वस्तुपरक परिवर्तन नहीं देखा गया है। यह प्रतीत होता है कि जो कार्य आवेदक प्रत्यक्ष रूप से नहीं कर सका था, उसको वह अब ताइवान से पीयूसी के आयातों पर वर्तमान जांच की शुरुआत करके अप्रत्यक्ष रूप से करने की कोशिश कर रहा है।
- द द द द) पीओआई के दौरान ताइवान के आयातों में बढ़ोतरी के प्रश्न के बारे में यह नोट करना चाहिए कि पीओआई के दौरान पीयूसी की मांग में काफी बढ़ोतरी हुई है और इसलिए यह नहीं कहा जा सकता है कि उक्त देश से आयातों में बढ़ोतरी होने के कारण ही ताइवान से हुए आवक आयातों आवेदक को क्षति हुई है।
- ध ध ध ध) पाटन को सुनिश्चित करने के लिए अनिवार्य पारित आयातों और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच में कारक लिंक दर्शाने की है। मौजूदा मामले में, घरेलू उद्योग और पीयूसी की बिक्री को बनाए रखने की कोशिश की है। बढ़ती हुई मांग के अनुरूप आवेदक को अपनी विक्रियां बनाए रखना उसकी ओर से गलत होगा और यह कहना भी गलत होगा कि उसको

पूरा न करने से संबद्ध देशों में आयातों का पाटन होगा। पाटन को सुनिश्चित करने के लिए जांच करना से ही पाटित वस्तुओं से आवेदक को प्रत्यक्ष क्षति होगी।

न न न न) कोडक यह सुनिश्चित करता है कि प्राधिकारी के द्वारा अन्य घरेलू उत्पादों यानि (i) मैट्रो स्टार; (ii) अक्षय इमेजिंग और; (iii) ओरियन विथइन दि स्कोप ऑफ डोमेस्टिक इण्डस्ट्री” को शामिल करना चाहिए तथा उनसे सभी आर्थिक मानदण्डों के बारे में आंकड़े प्राप्त करने चाहिए।

प प प प) कोरिया दूतावास ने यह निवेदन किया कि कोरिया जनवादी गणराज्य से उद्भूत संबद्ध सौदे से इस जांच में कथित क्षति नहीं हुई है। कोरिया से संबद्ध सौदे के सी आई एफ निर्यात मूल्य में क्षति अवधि के दौरान बढ़ोतरी हुई है।

क क क क क) लगभग 40 मिलियन वर्गमीटर की सभी किस्म की डिजीटल प्लेटों की कुल खपत :- घरेलू और अन्तर्राष्ट्रीय दो प्लेट निर्माताओं के लिए एक बड़ा व्यापार है। इस मामले पर निर्णय करते समय इसे नोट करने के लिए हम उत्सुकता से सरकार से उम्मीद रखते हैं।

ख ख ख ख ख) अधिकांश भारतीय प्रिंटर्स को, जिनमें से अधिकांश लघु एवं मध्यम श्रेणी के अर्न्त आत हैं, इष्टतम मूल्य पर संबद्ध प्लेटों को प्राप्त करने की समर्थ्य होनी चाहिए तथा प्लेटों की गुणवत्ता अच्छी होनी चाहिए। फेडरेशन यह उम्मीद करती है कि निर्माताओं को अपने संयंत्र में अत्यधिक सावधानी बरतनी चाहिए जिससे पर्याप्त मात्रा में गुणवत्ता वाले उत्पादों का निर्माण हो सके।

ग ग ग ग ग) सभी किस्म की प्लेटों यूपीसीपी, थर्मल, वायलेट, केम्प फ्री आदि के लिए प्रिंटर्स के सामने आयी दिन प्रतिदिन की प्रचालन संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए तैयार एवं भौतिक रूप से सुनिश्चित मंच (प्लेट फार्म) होना चाहिए।

घ घ घ घ घ) इस मामले पर निर्णय करते समय सरकार के द्वारा इस याचिका के पक्षकारों के लिए इस बाध्यकारी बनाना तथा प्रिंटर्स के सामने आयी दिन प्रतिदिन की प्रचालन की समस्याओं का निवारण करने के लिए पर्याप्त उपायों की व्यवस्था करने के लिए इसे बाध्यकारी बनाना चाहिए।

ङ ङ ङ ङ ङ) दि ऑल इण्डिया फेडरेशन ऑफ मास्टर प्रिंटर्स ने यह निवेदन किया कि भारत सरकार के द्वारा पीयूसी के लिए एकाधिकार स्थिति पैदा करने के लिए एक हथियार के रूप में पाटनरोधी शुल्क का उपयोग करने की किसी विनिर्माता को अनुमति नहीं देनी चाहिए। और हम ऐसी कंपनी/निर्माता/उद्योग की कमी सहायता नहीं करेंगे जो अपनी विनिर्माण/वित्तीय/बने रहने अथवा अन्य समस्याओं के लिए एक कवच के रूप इसका उपयोग करने की कोशिश कर रहे हैं।

च च च च च) टेकनोवा के द्वारा पाटित आयातों तथा घरेलू बाजार में टेकनोवा के द्वारा उक्त पाटित आयातों की अनुचित कीमत पर पुनः बिक्री करने के कारण के आईपीएल को घरेलू बाजार में क्षति हो रही है।

छ छ छ छ छ) आवेदक ने बेलजियम और अन्य देशों से संबद्ध वस्तुओं (प्रोसेस फ्री प्लेटों) का आयात करने का सहारा लिया है। इसलिए, प्राधिकारी से यह निर्णय कारकों की वजह से है और आयातों तथा कथित क्षति के बीच में कोई कारक लिंक नहीं है।

### छ. 3 प्राधिकारी के द्वारा जांच :-

64. हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा किए गए निवेदनों को प्राधिकारी ने नोट किया है और हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा किए गए निवेदनों पर विधिवत रूप से विचार करने के बाद पाटनरोधी नियमावली अनुसार विभिन्न मानदण्डों की जांच की है।

65. हितबद्ध पक्षकारों के इस दावे के बारे में : क्षति अवधि में अन्तराल नहीं हो सकता है और क्षति अवधि पूरे एक वित्तीय वर्ष की होनी चाहिए। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि शुद्धि पत्र अधिसूचना दिनांक 3 जुलाई 2019 यह साफ – साफ बताती है कि क्षति जांच अवधि में अप्रैल 2015 – मार्च 2016, अप्रैल 2016 – मार्च 2017, अप्रैल 2017 – मार्च 2018, 1.4.2018 से 30.6.2018 और पीओआई की अवधि शामिल होगी। अप्रैल 2017 से जून 2018 (ए) के रूप में तुलनात्मक क्षति विश्लेषण करने के लिए वित्तीय वर्ष 2017-18 में अप्रैल 2018 से जून 2018 तक की अवधि को

शामिल करने की समनुरूपता का जहां तक संबंध है प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि प्राधिकारी ने वित्तीय वर्ष 2017-18, अप्रैल-जून 2018 और अप्रैल 2017 से जून 2018 के लिए अलग - अलग आंकड़े प्रस्तुत किए हैं।

66. जांच की अवधि 12 महीने से कम नहीं हो सकती है इस निवेदन के बारे में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि अधिनियम अथवा पाटनरोधी नियमावली अथवा पाटनरोधी करार में 9 महीने की जांच अवधि वर्जित नहीं होती है। जांच की अवधि के बारे में पाटनरोधी कार्यों पर समिति के द्वारा दिनांक 5 मई 2000 को स्वीकार किए गए दिशा- निर्देशों में यह मान्य है कि जांच प्राधिकारी एक मामला विशिष्ट आधार पर उचित पीओआई के बारे में विचार कर सकते हैं जो छः महीने से कम नहीं हो सकती है। वर्तमान जांच अवधि में जांच की अवधि 9 महीने की है जो डब्ल्यू टी ओ दिशा - निर्देशों के अनुरूप है। प्राधिकारी ने विगत पाटनरोधी जांचों में 12 महीने से कम की जांच अवधि को स्वीकार किया है।
67. पाटनरोधी शुल्क हटाने के बाद आवेदक उद्योग के निष्पादन की सही तस्वीर का विश्लेषण करने के लिए कूलिंग ऑफ अवधि के बारे में विचार करना चाहिए इस निवेदन के बारे में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ए.डी. समझौते सहित लागू कानूनों के तहत कूलिंग ऑफ अवधि की कोई आवश्यकता नहीं है।

### **संचयी निर्धारण**

68. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध- II के पैरा (iii) में यह उपबंध है कि यदि एक से अधिक देश से किसी उत्पाद के हुए आयात के साथ-साथ पाटनरोधी जांच की जा रही है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी उस स्थिति में ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण करेंगे जब वह यह निर्धारित करें कि:-
- क. प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में पुष्टिकृत पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से हुए आयात की मात्रा समान वस्तु के आयात की मात्रा की 3 प्रतिशत से कम है वहां संचयी रूप से आयात समान वस्तु के आयात के साथ सबसे अधिक बनता है; तथा
- ख. आयातित वस्तु एवं समान घरेलू वस्तुओं के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के मद्देनजर आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है।
69. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि :-
- क) संबद्ध वस्तुओं का संबद्ध देशों से भारत में पाटन किया जा रहा है। प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन मार्जिन किया जा रहा है। प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन मार्जिन नियमावली के अन्तर्गत निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक है।
- ख) प्रत्येक संबद्ध देश से आयातों की मात्रा आयातों की कुल मात्रा अलग - अलग 3 प्रतिशत से अधिक है।
- ग) आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन उचित है क्योंकि संबद्ध देशों के निर्यातों से न केवल परस्पर प्रतिस्पर्धा होती है, अपितु भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग के द्वारा प्रस्तुत की गई समान वस्तुओं के साथ भी प्रतिस्पर्धा होती है।
70. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों से घरेलू उद्योग की क्षति का संचयी तौर पर मूल्यांकन करना उचित है। इसके अलावा, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति का आकलन करते समय याचिकाकर्ता के द्वारा पीयूसी के लिए किए गए आयातों को शामिल नहीं किया है। तदनुसार घरेलू उद्योग को क्षति स्वयं को पीड़ा होती है, इस बारे में कुछ हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा दावों के बारे में लिखा गया है क्योंकि याचिकाकर्ता के द्वारा पीयूसी के लिए किए गए आयातों को समाप्त कर देने के बाद ही क्षति विश्लेषण किया गया है।
71. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के साथ पठित नियम 11 में यह प्रावधान है कि किसी भी क्षति निर्धारण में ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी, जो घरेलू उद्योग की क्षति को दर्शाएं "..... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमत पर उसके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए .....". कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते हुए,

यह जांच करना आवश्यक माना गया है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत के साथ तुलना में पाटित आयातों से पर्याप्त कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से पर्याप्त मात्रा में कीमतों में अन्यथा कोई कटौती हुई है अथवा कीमत में वृद्धि पर रोक लगी है, जो अन्यथा पर्याप्त मात्रा में हो गई होती।

72. जिस क्षति और कारणात्मक संपर्क को प्राधिकारी के द्वारा प्रासंगिक माना गया है, उनके संबंध में जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग और अन्य हितवद्ध पक्षकारों के द्वारा किए गए निवेदनों की जांच की गई है और नीचे दिए गए अनुसार समाधान किया गया है :-

#### ग. 4. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का व्यापक प्रभाव

##### (क) मांग आकलन / स्पष्ट उपभोग

73. भारतीय उत्पादकों की सकल घरेलू बिक्री और सभी स्रोतों से आयात के योग के रूप में भारत में उत्पाद की वर्तमान जांच, मांग या स्पष्ट खपत के उद्देश्य से प्राधिकारी ने विचार किया है। क्षति की जांच की अवधि और जांच की अवधि के दौरान मांग के आकलन में लगातार बढ़ोतरी हुई है।

विवरण	इकाई	2015-16	2016-17	2017-18	अप्रैल-जून 2018	अप्रैल 17-जून 18 (A)	जुलाई 2018-मार्च 2019 - पीओआई	जुलाई 2018-मार्च 2019 - पीओआई (A)
याचिकाकर्ता की घरेलू बिक्री	मिलियन एस क्यू म	***	***	***	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	107	117	30	117	85	114
अन्य उत्पादकों की घरेलू बिक्री *	मिलियन एस क्यू म	***	***	***	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	103	110	27	110	82	110
याचिकाकर्ताओं के आयातों को छोड़कर संबद्ध देशों से आयात	मिलियन एस क्यू म	8.003	9.119	11.804	4.152	12.765	12.239	16.318
	सूचीबद्ध	100	114	147	52	159	153	204
अन्य देशों से आयात	मिलियन एस क्यू म	4.796	2.240	1.392	0.826	1.774	0.994	1.325
	सूचीबद्ध	100	47	29	17	37	21	28
संबद्ध देशों से याचिकाकर्ता का आयात	मिलियन एस क्यू-म	-	-	-	-	-	0.761	1.015
	सूचीबद्ध	-	-	-	-	-	100	133
कुल मांग	मिलियन एस क्यू म	<b>38.255</b>	<b>38.523</b>	<b>42.863</b>	<b>12.591</b>	<b>44.363</b>	<b>35.734</b>	<b>47.645</b>
	सूचीबद्ध	<b>100</b>	<b>101</b>	<b>112</b>	<b>33</b>	<b>116</b>	<b>93</b>	<b>125</b>

\* याचिकाकर्ता द्वारा प्रदान की गई अनुमानित मात्रा के आधार पर अन्य घरेलू उत्पादकों की बिक्री मात्रा पर विचार किया गया है।

74. जैसा कि उपरोक्त तालिका से देखा जा सकता है, जांच की अवधि (क) के दौरान संबद्ध देशों से पाटित किया गया आयात काफी बढ़ गया है। याचिकाकर्ता संबद्ध देशों से पाटित आयातों की महत्वपूर्ण मात्रा के कारण मांग में वृद्धि के अनुरूप संबंधित उत्पाद की बिक्री में वृद्धि नहीं कर पाया है। उपरोक्त से यह स्पष्ट है कि 2015-16 से जांच की अवधि (क) तक संबंधित उत्पाद की मांग 25 सूचीबद्ध बिंदुओं तक बढ़ गई, जबकि याचिकाकर्ता की घरेलू बिक्री में केवल 14 सूचीबद्ध बिंदुओं तक की वृद्धि हुई। दूसरी ओर, इसी अवधि के दौरान संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयात की मात्रा में 8.32 मिलियन एसक्यूएम या 104 अनुक्रमित सूचीबद्ध बिंदुओं की वृद्धि हुई। मांग में लगभग सम्पूर्ण वृद्धि संबद्ध देशों से हुए आयातों कारण हुई है।

#### (क) संबद्ध देशों से आयात की मात्रा

75. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में, प्राधिकारी को इस बात पर विचार करने की आवश्यकता है कि क्या भारत में उत्पादन या खपत के संबंध में या तो पूर्ण रूप से या उत्पादन के अनुसार पाटित किए गए आयातों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

विवरण	इकाई	2015-16	2016-17	2017-18	अप्रैल- जून 2018	अप्रैल 17- जून 18 (क)	जुलाई 2018- मार्च 2019 - जांच की अवधि	जुलाई 2018- मार्च 2019 - जांच की अवधि (क)
संबद्ध देशों से आयात								
चीन जन. गण.	मिलियन एस क्यू म	7.731	7.302	7.609	2.120	7.783	9.611	12.815
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	94	98	27	101	124	166
जापान	मिलियन एस क्यू म	0.041	1.100	1.224	0.253	1.182	0.824	1.098
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	2687	2990	618	2887	2012	2682
कोरिया आर पी	मिलियन एस क्यू म	0.000	0.385	0.902	0.660	1.250	0.708	0.945
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध		100	235	172	325	184	245
ताइवान	मिलियन एस क्यू म	0.138	0.264	1.067	0.464	1.225	0.435	0.580
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	191	771	335	884	314	419
वियतनाम	मिलियन एस क्यू म	0.093	0.068	1.001	0.655	1.325	0.661	0.881
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	74	1080	706	1429	713	950
<b>संबद्ध देशों से कुल आयात</b>	<b>मिलियन एस क्यू म</b>	<b>8.003</b>	<b>9.119</b>	<b>11.804</b>	<b>4.152</b>	<b>12.765</b>	<b>12.239</b>	<b>16.318</b>
<b>प्रवृत्ति</b>	<b>सूचीबद्ध</b>	<b>100</b>	<b>114</b>	<b>147</b>	<b>52</b>	<b>159</b>	<b>153</b>	<b>204</b>

विवरण	इकाई	2015-16	2016-17	2017-18	अप्रैल- जून 2018	अप्रैल 17- जून 18 (क)	जुलाई 2018- मार्च 2019 - जांच की अवधि	जुलाई 2018- मार्च 2019 - जांच की अवधि (क)
अन्य देशों से आयात	मिलियन एस क्यू म	4.796	2.240	1.392	0.826	1.774	0.994	1.325
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	47	29	17	37	21	28
अन्य देशों से याचिकाकर्ता का आयात	मिलियन एस क्यू म	-	-	-	-	-	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-	-	-	-	-	100	133
<b>कुल आयात</b>	मिलियन	<b>12.800</b>	<b>11.359</b>	<b>13.196</b>	<b>4.978</b>	<b>14.539</b>	<b>13.993</b>	<b>18.658</b>
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	<b>100</b>	<b>89</b>	<b>103</b>	<b>39</b>	<b>114</b>	<b>109</b>	<b>146</b>

76. यह देखा गया है कि संबद्ध देशों से पाटित आयात 2015-16 में 8.003 मिलियन एसक्यूएम से निरपेक्ष रूप से बढ़कर जांच अवधि (क) के दौरान 16.318 मिलियन एसक्यूएम हो गया है।

(ग) निरपेक्ष रूप में संबद्ध देशों से आयात

विवरण	इकाई	2015-16	2016-17	2017-18	अप्रैल- जून 2018	अप्रैल 17- जून 18 (क)	जुलाई 2018- मार्च 2019 - जांच की अवधि	जुलाई 2018- मार्च 2019 - जांच की अवधि (क)
यचिकाकर्ताओं के कुल उत्पादन की तुलना में संबद्ध देशों से पाटित आयात	%	***	***	***	***	***	***	***
रेंज	%	25-35	25-35	35-45	45-55	35-45	45-55	45-55
भारत में मांग की तुलना में संबद्ध देशों से पाटित आयात	%	21%	24%	28%	33%	29%	34%	34%
रेंज	%	15-25	15-25	25-35	25-35	25-35	25-35	25-35

77. यह देखा गया है कि आधार वर्ष और पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष में जांच अवधि (क) में उत्पादन और मांग के संबंध में सम्बंधित पाटित आयातों में बढोतरी हुई है। संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयातों में 2015-16 में याचिकाकर्ता के उत्पादन में 25-35% से बढकर जांच अवधि (क) में 45.855% में वृद्धि हुई है और भारत में खपत के संबंध में 2015-16 में 15-25% से बढकर जांच अवधि (क) में 25-35% हो गया है।

#### (घ) मांग में बाजार हिस्सा

78. प्राधिकारी ने नोट किया कि जांच अवधि (क) में संबद्ध आयात का बाजार हिस्सा बढ गया है। उत्पादन की मांग में वृद्धि के बावजूद याचिकाकर्ता को जांच अवधि (क) में बाजार में हिस्सेदारी खोनी पड़ी।

विवरण	इकाई	2015-16	2016-17	2017-18	अप्रैल-जून 2018	अप्रैल 17- जून 18 (क)	जुलाई 2018- मार्च 2019 - जांच की अवधि	जुलाई 2018- मार्च 2019 - जांच की अवधि (क)
याचिकाकर्ता की घरेलू बिक्री	मिलियन एसक्यूएम	***	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	117	30	117	85	114
उत्पादकों की घरेलू बिक्री	मिलियन एसक्यूएम	***	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	110	27	110	82	110
संबद्ध देशों से आयात	मिलियन एसक्यूएम	8.003	9.119	11.804	4.152	12.765	12.239	16.318
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	114	147	52	159	153	204
संबद्ध देशों से आयात	मिलियन एसक्यूएम	4.796	2.240	1.392	0.826	1.774	0.994	1.325
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	47	29	17	37	21	28
याचिकाकर्ताओं द्वारा आयात	मिलियन एसक्यूएम	-	-	-	-	-	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-	-	-	-	-	100	133
कुल मांग	मिलियन एसक्यूएम	<b>38.255</b>	<b>38.523</b>	<b>42.863</b>	<b>12.591</b>	<b>44.363</b>	<b>35.734</b>	<b>47.645</b>
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	<b>100</b>	<b>101</b>	<b>112</b>	<b>33</b>	<b>116</b>	<b>93</b>	<b>125</b>
याचिकाकर्ता का हिस्सा	%	***	***	***	***	***	***	***
रेंज	%	60-70	60-70	60-70	50-60	60-70	50-60	50-60

संबद्ध देशों से यचिकाकर्ता के आयात का हिस्साआयात	%	-	-	-	-	-	***	***
रेंज	%	-	-	-	-	-	0-10	0-10
अन्य उत्पादकों का हिस्सा	%	***	***	***	***	***	***	***
रेंज	%	0-10	0-10	0-10	0-10	0-10	0-10	0-10
संबद्ध देशों का हिस्सा	%	20.92%	23.67%	27.54%	32.98%	28.77%	34.25%	34.25%
रेंज	%	20-30	20-30	20-30	30-40	20-30	30-40	30-40
अन्य देशों का हिस्सा	%	12.54%	5.82%	3.25%	6.56%	4.00%	2.78%	2.78%
रेंज	%	10-20	0-10	0-10	0-10	0-10	0-10	0-10

## ख 5 घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों की कीमत का प्रभाव

79. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में, यह विश्लेषण किया जाना आवश्यक है कि क्या भारत में इसी तरह के उत्पादों की कीमत की तुलना में कथित पाटित किए गए आयात कीमतों में काफी कटौती हुई है, या क्या ऐसे आयात का प्रभाव अन्यथा कीमतों को कम करने या मूल्य वृद्धि को रोकने के लिए है, जो अन्यथा सामान्य प्रक्रिया में होता। संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव की जांच, मूल्य निर्धारण, मूल्य अंकन, मूल्य ह्रास और कीमत न्यूनीकरण, यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण के उद्देश्य के लिए, उत्पादन की लागत, शुद्ध बिक्री प्राप्ति (एनएसआर) और घरेलू उद्योग के गैर-हानिकारक मूल्य (एनआईपी) की तुलना देशों से पाटित आयातों से की गयी है।

### (क) कीमत कटौती

80. कीमत निर्धारण के विश्लेषण के उद्देश्य के लिए, घरेलू उद्योग के निवल विक्रय मूल्य की तुलना संबद्ध देशों से पाटित आयातों की पहुंच कीमत से की गई है। घरेलू उद्योग के निवल विक्रय मूल्य की गणना करते समय, सभी करों, छूट, रियायत और कमीशन में कटौती की गई है और कारखाना के बाहर स्तर पर बिक्री की प्राप्ति को पाटित आयातों की की पहुंच कीमत के साथ तुलना के लिए निर्धारित किया गया है। तदनुसार, संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण कीमत कटौती का प्रभाव निम्नानुसार पड़ा है:

कीमत कटौती	इकाई	चीन पी आर	जापान	कोरिया आर पी	ताइवान	वियतनाम
निवल बिक्री वसूली	आई एन आर /एस क्यू एम्	***	***	***	***	***



पहुंच कीमत (एल वी)	आई एन आर /एस क्यू एम्	226.50	251.73	203.15	204.33	212.79
कीमत कटौती	आई एन आर /एस क्यू एम्	***	***	***	***	***
कीमत कटौती	एलवी का %	***	***	***	***	***
कीमत कटौती	रेंज %	10-20%	0-10%	30-40%	30-40%	20-30%

81. पूर्वोक्त तालिका से, यह देखा जा सकता है कि संबद्ध देशों से आयात याचिकाकर्ता के घरेलू विक्रय मूल्य से काफी कम कीमत पर हो रहा है। इस प्रकार, जांच की अवधि के दौरान कीमतों में कटौती होना संबद्ध देशों के लिए सकारात्मक है।

**(ख) कीम ह्रास और न्यूनीकरण**

82. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या पाटित आयातों से घरेलू कीमतों में कमी आ रही है और क्या इस तरह के आयातों का प्रभाव कीमतों को काफी हद तक कम करने या मूल्य वृद्धि को रोकने पर पड़ रहा है जो अन्यथा सामान्य रूप से घटित हुआ होता, क्षति अवधि में लागत और कीमतों में हुए परिवर्तनों की तुलना निम्नानुसार की गई थी:

विवरण	इकाई	2015-16	2016-17	2017-18	अप्रैल- जून 2018	अप्रैल 17- जून 18 (क)	जुलाई 2018- मार्च 2019 - जांच की अवधि	जुलाई 2018- मार्च 2019 - जांच की अवधि (क)
बिक्री की लागत	आर/एस क्यू एम्	***	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	98	99	98	102	102
बिक्री की कीमत	रू./मी.टन	***	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97	98	98	98	98	98
पहुंच कीमत	रू./मी.टन	253.68	244.65	231.31	222.58	229.06	225.32	225.32
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	96	91	88	90	89	89

83. उपरोक्त तालिका से, यह देखा जा सकता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री की लागत की तुलना में संबद्ध देशों से आयात कम कीमतों पर हो रहा था। इसने घरेलू उद्योग को जांच अवधि (क) के दौरान अपनी कीमतें कम करने के लिए मजबूर कर दिया है और ऐसी स्थिति पैदा कर दी है जिसमें जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को बिक्री की लागत से नीचे बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा है, जिसके परिणामस्वरूप अंततः घरेलू उद्योग को नुकसान हुआ है।

**(ग) कीमत कटौती**

84. घरेलू उद्योग का क्षति रहित कीमत (एनआईपी) निर्धारित किया गया है और संबद्ध माल की पहुंच मूल्य के साथ तुलना की गई है ताकि कम कीमत पर बिक्री का स्तर निर्धारण किया जा सके। विचाराधीन उत्पाद का एनआईपी नियमों के अनुबंध III में उल्लिखित सिद्धांतों के आधार पर जांच की अवधि के लिए उत्पादन की लागत से संबंधित सत्यापित जानकारी / डेटा को अपनाकर निर्धारित किया गया है। विश्लेषण से पता चलता है कि जांच की अवधि के दौरान, संबद्ध आयातों का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की गैर-हानिकारक कीमत से कम था, जैसा कि नीचे दी गई तालिका से देखा जा सकता है, सकारात्मक कम कीमत पर बिक्री के प्रभाव को रेखांकित करता है:

विवरण	इकाई	चीन जन.गण.	जापान	कोरिया आरपी	ताइवान	वियतनाम
क्षति रहित कीमत	INR/SQM	***	***	***	***	***
पहुंच कीमत	INR/SQM	226.50	251.73	203.15	204.33	212.79
क्षति मार्जिन	INR/SQM	***	***	***	***	***
क्षति मार्जिन %	%	***	***	***	***	***
क्षति मार्जिन	% Range	10-20%	0-10%	30-40%	30-40%	20-30%

85. उपर्युक्त तालिका से, यह देखा जा सकता है कि भारत में आयात क्षतिरहित कीमत की तुलना में बहुत कम कीमत पर हो रही है। इस प्रकार, जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देशों से कम कीमत पर बिक्री मूल्य सकारात्मक और काफी महत्वपूर्ण है।

**छ. 6 घरेलू उद्योग के आर्थिक पैरामीटर**

86. पाटनरोधी नियमों के अनुबंध II में आवश्यक है कि क्षति के निर्धारण में इस तरह के उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर पाटित किए गए आयात के परिणामी प्रभाव की एक उद्देश्यात्मक जाँच शामिल होगी। ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर पाटित किए गए आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में, पाटनरोधी नियमावली में यह भी प्रावधान किया गया है कि घरेलू उद्योग पर पाटित किए गए आयात के प्रभाव की जांच में ऐसे सभी प्रासंगिक आर्थिक कारकों और सूचकांकों का एक उद्देश्यात्मक और निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होना चाहिए जिनका बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सेदारी, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता के उपयोग में वास्तविक और संभावित गिरावट सहित उद्योग की स्थिति पर असर; घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक, पाटन मार्जिन की मात्रा; नकदी प्रवाह, सूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश बढ़ाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव पड़ता हो।
87. प्राधिकारी ने विभिन्न तथ्यों और तर्कों को ध्यान में रखते हुए क्षति के मापदंडों की निष्पक्ष रूप से जांच की है, जो इच्छुक पार्टियों द्वारा अपने अनुरोध में किया गया है।

**(क) उत्पादन, क्षमता, बिक्री और क्षमता उपयोग**

88. क्षति की अवधि में घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग निम्नलिखित तालिका में दिए गए हैं:

विवरण	इकाई	2015-16	2016-17	2017-18	अप्रैल-जून 2018	अप्रैल 17-जून 18 (क)	जुलाई 2018-मार्च 2019 - जांच की अवधि	जुलाई 2018-मार्च 2019 - जांच की अवधि (क)
क्षमता	मिलियन एसक्यूएम	***	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	92	21	90	63	83
कुल उत्पादन	मिलियन एसक्यूएम	***	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	101	27	102	83	110
क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	110	127	113	132	132
विचाराधीन उत्पाद	मिलियन एसक्यूएम	***	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	109	29	110	87	116
विचाराधीन घरेलू बिक्री	मिलियन एसक्यूएम	***	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	117	30	117	85	114
विचाराधीन निर्यात बिक्री	मिलियन एसक्यूएम	***	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	93	92	28	96	64	86
कुल बिक्री-पीयूसी	मिलियन एसक्यूएम	***	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	115	30	116	84	112

89. याचिकाकर्ता की क्षमता, उत्पादन और क्षमता का उपयोग एक सकारात्मक प्रवृत्ति में है, लेकिन अभी भी याचिकाकर्ता उत्पाद से संबंधित उत्पाद की बिक्री को बढ़ाने में सक्षम नहीं हुआ है, क्योंकि मांग में वृद्धि के कारण संबद्ध देशों से डंप किए गए आयात की महत्वपूर्ण मात्रा है।

**ख ) लाभप्रदता, निवेश पर आय और नकद लाभ**

90. क्षति की अवधि में घरेलू उद्योग के निवेश पर आय और नकदी लाभ, नीचे दी गई तालिका में दिया गया है: -

विवरण	इकाई	2015-16	2016-17	2017-18	अप्रैल- जून 2018	अप्रैल 17- जून 18 (क)	जुलाई 2018- मार्च 2019 - जांच की अवधि	जुलाई 2018- मार्च 2019 - जांच की अवधि (क)
घरेलू बिक्री में लाभ का %	%	***	***	***	***	***	***	***
लाभ में परिवर्तन %	%	-	-1.29%	2.17%	-2.04%	1.62%	-3.71%	-3.71%
ब्याज एवं कर पूर्व लाभ	आईएनआर लाख में	***	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	88	112	13	100	14	18
नकद लाभ (घाटा)	आईएनआर/ एसक्यूएम	***	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	90	115	67	105	22	22
नकद लाभ (घाटा)	आईएनआर लाख में	***	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	96	134	20	123	19	25
नियोजित पूंजी	आईएनआर लाख में	***	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	96	93	91	91	103	103
नियोजित पूंजी पर आय	%	***	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	91	120	14	110	18	18

91. उपरोक्त तालिका से, यह ध्यान दिया जाता है कि:

- क) घरेलू उत्पाद की लाभप्रदता संबद्ध देशों के निर्यातकों द्वारा गहन पाटन के कारण प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुई है। जांच अवधि (क) के दौरान घरेलू उद्योग के ब्याज और कर (पीबीआईटी) से पहले लाभ में काफी गिरावट आई है। 2015-16 में 100 सूचीबद्ध अंकों के पीबीआईटी से जांच अवधि (क) के दौरान पीबीआईटी 18 अनुक्रमित बिंदुओं में काफी कम हो गया है।
- ख) इसी तरह, घरेलू उद्योग के नकद मुनाफे में काफी कमी आई है। 2015-16 में 100 अनुक्रमित बिंदुओं के नकद लाभ जांच अवधि (क) के दौरान घटकर 22 अनुक्रमित बिंदुओं तक पहुंच गया है।
- ग) जांच अवधि के दौरान नियोजित पूंजी पर रिटर्न 2015-16 में 100 अनुक्रमित अंकों से जांच\_अवधि (क) में 18

अनुक्रमित बिंदुओं तक काफी कम हो गया है।

### ग) रोजगार, उत्पादकता और मजदूरी

92. क्षति अवधि में घरेलू उद्योग की रोजगार, उत्पादकता और मजदूरी नीचे सरणी में दी गयी है-

विवरण	इकाई	2015-16	2016-17	2017-18	अप्रैल-जून 2018	अप्रैल 17-जून 18 (क)	जुलाई 2018-मार्च 2019 - जाँच की अवधि	जुलाई 2018-मार्च 2019 - जाँच की अवधि (क)
रोजगार	व्यक्ति	***	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	91	81	76	81	76	76
मजदूरी	लाख रुपए	***	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	112	106	29	108	78	104
प्रति कर्मचारी	मिलियन एसक्यूएम	***	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	115	135	38	136	114	152

93. यह ध्यान दिया जाता है कि घरेलू उद्योग का रोजगार सम्पूर्ण क्षति की जाँच अवधि और जाँच की अवधि (क) के दौरान कम हो गया है।

### (ड.) माल सूची

94. क्षति की अवधि में घरेलू उद्योग के पास माल सूची की स्थिति नीचे तालिका में दी गई है।

विवरण	इकाई	2015-16	2016-17	2017-18	April-June 2018	April 17-June 18 (A)	POI
मालसूची	मिलियन वर्ग मी. में	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	117	89	87	87	148

95. यह ध्यान दिया जाता है कि घरेलू उद्योग के साथ आविष्कार जाँच अवधि के दौरान 148 अनुक्रमित बिंदुओं तक बढ़ गए हैं, जबकि 2015-16 में 100 अनुक्रमित बिंदुओं की तुलना में बढ़ते आयात के कारण, घरेलू उद्योग की बाजार हिस्सेदारी में कमी आई है और बड़ी हुई मांग को पाटित किए गए आयातों द्वारा महत्वपूर्ण रूप से कब्जा कर लिया गया है। नतीजतन, घरेलू उद्योग में माल सूची काफी है।

**च) वृद्धि**

96. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू बिक्री, लाभ, निवेश पर आय के साथ घरेलू उद्योग की वृद्धि अप्रैल-जून 2018 (क) के दौरान गिरावट और नकारात्मक रही है और जांच की अवधि (क) के रूप में नीचे दी गई तालिका से देखा जा सकता है:

विवरण (वर्ष दर वर्ष)	2015-16	2016-17	2017-18	अप्रैल 17- जून 18 (क)	पीओआई (क)
याचिकाकर्ता उत्पादन		4%	4%	1%	5%
क्षमता उपयोग		-	10%	3%	16%
घरेलू बिक्री		7%	9%	1%	-3%
पीवीआईटी (लाख रूपए में)		-12%	28%	-11%	-82%
निवेश पर आय		-9%	32%	-8%	-84%

**च) पूंजी निवेश बढ़ाने की क्षमता**

97. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कि देश में उत्पाद की बढ़ती मांग को देखते हुए, घरेलू उद्योग ने संयंत्र और मशीनरी में महत्वपूर्ण निवेश किया है। हालांकि, इन निवेशों के बावजूद, घरेलू उद्योग का प्रदर्शन काफी खराब हो गया है, और आगे के निवेश पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

**ज) घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक**

98. संबद्ध देशों से आयात की कीमतों की जांच, लागत संरचना में बदलाव, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा, पाटित आयात के अलावा अन्य कारक जो घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित कर रहे हैं, आदि से पता चलता है कि संबद्ध देश से आयातित सामग्री का पहुंच मूल्य, बिक्री कीमत और घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत से नीचे है, जिससे कीमत कटौती काफी हो जाती है और साथ ही भारतीय बाजार में कम कीमत पर बिक्री होती है। यह भी ध्यान दिया जाता है कि जाँच अवधि सहित क्षति की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी और इसलिए यह घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाला कारक नहीं हो सकता था। इस प्रकार, यह अनंतिम रूप से निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाला प्रमुख कारक संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का किया गया पाटित आयात है।

**ग.7. क्षति और क्षति के मार्जिन का परिमाण**

99. प्राधिकारी ने यथा संशोधित अनुलग्नक III के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली में निर्धारित सिद्धांतों के आधार पर घरेलू उद्योग के लिए क्षतिरहित कीमतें निर्धारित की हैं। विचाराधीन उत्पाद का एनआईपी जांच की अवधि के लिए उत्पादन की लागत से संबंधित सत्यापित जानकारी / डेटा को अपनाकर निर्धारित किया गया है। घरेलू उद्योग की गैर-हानिकारक कीमत निकाली गयी है और इसकी तुलना क्षति मार्जिन की गणना करने के लिए संबद्ध देशों के प्रत्येक उत्पादकों / निर्यातकों की पहुंच कीमत के साथ की गई है। प्राधिकारी के पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर “सभी अन्य” दर निर्धारित की गई है।

क्र.सं.	देश	उत्पादक	एनआईपी	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन
			(अम.डॉ./वर्ग मी.)	(अम.डॉ./वर्ग मी.)	(%)	(रेंज)
1	चीन जन.गण.	लक्की हुआगुआंग ग्राफिक्स कं. लि.	***	***	***	11-20
2	चीन जन.गण.	कोडक चाइना ग्राफिक कम्युनिकेशन कं. लि.	***	***	***	(-) 11-20
3	चीन जन.गण.	शंघाई स्ट्रोंग स्टेट प्रिंटिंग एक्विपमेंट लिमिटेड	***	***	***	21-30
4	चीन जन.गण.	फ्यूजी फिल्म प्रिंटिंग प्लेट (चीन) कं. लि.	***	***	***	(-) 0-10
5	चीन जन.गण.	अन्य सभी	***	***	***	11-20
6	कोरिया आर पी	जेइल सी एंड पी कं. लि.	***	***	***	11-20
7	कोरिया आर पी	अन्य सभी	***	***	***	31-40
8	जापान	फ्यूजी फिल्म कॉर्पोरेशन	***	***	***	0-10
9	जापान	अन्य सभी	***	***	***	0-10
10	ताइवान	अन्य सभी	***	***	***	31-40
11	वियतनाम	अन्य सभी	***	***	***	21-30

### ज. गैर आरोपण विश्लेषण

100. पाटनरोधी नियमावली के अनुसार प्राधिकारी को अन्य बातों के साथ-साथ पाटित आयातों को छोड़कर किन्हीं ज्ञात कारकों की जांच करनी होती है, जिनसे घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है ताकि इन अन्य कारकों के कारण हुई क्षति पाटित आयातों के कारण न हो, इस संबंध में जो कारक संगत हो सकते हैं उनमें अन्य बातों के साथ-साथ पाटित कीमतों पर न बेचे गये आयातों की मात्रा और कीमतें, मांग में संकुचन अथवा खपत पैटर्न में परिवर्तन, विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा एवं व्यापार प्रतिबंधात्मक परिपाटियां, प्रौद्योगिकी विकास और निर्यात निष्पादन तथा घरेलू उद्योग की उत्पादकता शामिल हैं। नीचे इस बात की जांच की गई है कि क्या पाटित आयातों को छोड़कर कोई अन्य कारक घरेलू उद्योग को क्षति में योगदान कर सकते हैं।

#### (क) तीसरे देशों से आयातों की मात्रा और कीमत

101. संबद्ध देशों को छोड़कर अन्य देशों से आयात मात्रा की दृष्टि से काफी नहीं है, जोकि घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाए अथवा क्षति का खतरा पैदा करे। अन्य देशों से आयात कुल आयातों में 8 प्रतिशत से कम है और भारत में कुल मांग और खपत के

तीन प्रतिशत से कम है। इस प्रकार, यह नहीं कहा जा सकता कि अन्य देशों से आयातों के कारण क्षति हो रही है। साथ ही गैर संबद्ध देशों से कीमतें संबद्ध देशों की कीमतों से अधिक हैं।

#### **(ख) निर्यात निष्पादन**

102. प्राधिकारी ने अपनी क्षति विश्लेषण के लिए केवल घरेलू प्रचालनों के लिए आंकड़ों पर विचार किया है।

#### **(ग) प्राद्योगिकी का विकास**

103. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने प्राद्योगिकी में महत्वपूर्ण परिवर्तन दर्शाने के लिए कोई साक्ष्य नहीं दिया है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है।

#### **(घ) कंपनी के अन्य उत्पादों का निष्पादन**

104. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और बिक्री किए जा रहे अन्य उत्पादों का निष्पादन घरेलू उद्योग को क्षति का संभावित कारण प्रतीत नहीं होता।

#### **(ड.) व्यापार प्रतिबंधात्मक परिपाटियां और विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा**

105. संबद्ध सामानों का आयात किसी भी तरीके से प्रतिबंधित नहीं है और वह देश में स्वतंत्र रूप से आयात किया जा सकता है। यह बताने के लिए किसी भी हितबद्ध पक्षकार द्वारा कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है कि विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा की शर्तों में कोई परिवर्तन हुआ है।

#### **(च) मांग में संकुचन और खपत पैटर्न में परिवर्तन**

106. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध सामानों की मांग पूरी क्षति अवधि में निरंतर बढ़ी है। इस प्रकार अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि घरेलू उद्योग को क्षति मांग संकुचन में नहीं थी।

#### **झ. भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे**

107. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों का प्रयोजन सामान्य रूप में पाटन की अनुचित व्यापारिक परिपाटियों से घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति पुनः स्थापित की जा सकती है जोकि देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लगाने से किसी भी तरह संबद्ध देशों से आयात प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसीलिए ग्राहकों को उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

#### **ट. क्षति संबंधी निष्कर्ष एवं कारणात्मक संपर्क**

108. प्राधिकारी अनंतिम रूप से निम्नलिखित निष्कर्ष निकालते हैं :-

- क) संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों के आयातों में जांच की पूरी अवधि में पूर्ण दृष्टि से वृद्धि हुई है।
- ख) संबद्ध देशों से आयातों की पहुंच कीमत में क्षति की अवधि में और जांच की अवधि (क) में काफी गिरावट आई है।
- ग) संबद्ध सामानों के आयात भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में बढ़े हैं।
- घ) भारत में आने वाले कम कीमत के पाटित आयातों के कारण कीमत न्यूनीकरण एवं ह्रास है।
- ड) घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा 2015-16 से जांच की अवधि तक कम हुआ है, यहां तक कि यद्यपि संबद्ध सामानों के लिए मांग उसी अवधि के दौरान बढ़ी है। यह इस कारण है कि आयातों ने मांग में वृद्धि आक्रमक रूप से ली है।
- च) घरेलू उद्योग की लाभप्रदता, नकद लाभ और नियोजित पूंजी पर आय अत्यधिक प्रभावित हुई है।
- छ) जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देशों से कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री सकारात्मक है और काफी है।



**ठ. निष्कर्ष एवं सिफारिशें**

109. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों और उनमें उठाए गए मुद्दों की जांच करने के बाद तथा रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार करते हुए प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि :-
- क) संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों के आयातों में पूर्ण दृष्टि से तथा पूर्व वर्षों की तुलना जांच की अवधि (क) के दौरान भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में काफी वृद्धि है।
- ख) विचाराधीन उत्पाद का भारत में निर्यात संबद्ध देशों से उनके सामान्य मूल्य से कम पर किया गया है।
- ग) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।
- घ) वास्तविक क्षति संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों के पाटित आयातों के कारण हुई है।
110. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच शुरू की गई थी तथा सभी हितबद्ध पक्षकारों को अधिसूचित की गई थी और पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संपर्क के पहलू पर सकारात्मक सूचना प्रदान करने के लिए घरेलू उद्योग, निर्यातकों, आयातों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। पाटनरोधी नियमावली के तहत निर्धारित प्रावधानों के अनुसार पाटन, क्षति, कारणात्मक संपर्क के संबंध में जांच शुरू करने और जांच करने पर प्राधिकारी का यह मत है कि जांच पूरी होने तक पाटन एवं क्षति को समाप्त करने के लिए अनंतिम शुल्क लगाये जाने की आवश्यकता है। अतः प्राधिकारी यह आवश्यक समझते हैं और संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों के आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने की सिफारिश करते हैं।
111. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन के कमतर के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लागू करने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार, प्राधिकारी, केंद्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध सामानों के आयातों पर नीचे दी गई शुल्क तालिका के कालम 7 में उल्लिखित राशि के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने की सिफारिश करते हैं। इस प्रयोजन के लिए आयातों का पहुंच मूल्य सीमा शुल्क अधिनियम 1962 के तहत सीमा शुल्क द्वारा निर्धारित और सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9, 9क के तहत लगाये गए शुल्क के सिवाय सीमा शुल्क के लागू स्तर पर निर्धारणीय मूल्य होगा।

**शुल्क तालिका**

क्र.सं.	शीर्ष	विवरण	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	राशि	यूनिट	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1.	8442.50, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.1190, 7606.9190, 7606.9290	डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	लकी हुआगुआंग ग्राफिक्स कंपनी लि०	0.52	एस.क्यू.एम.	यू.एस. डॉलर
2.	8442.50, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.1190, 7606.9190, 7606.9290	डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	कोडक चीन ग्राफिक कम्यूनिकेशनस कंपनी लि०	शून्य	एस.क्यू.एम.	यू.एस. डॉलर

	7606.9290							
3.	8442.50, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.1190, 7606.9190, 7606.9290	डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	शंघाई स्ट्रांग स्टेट प्रिंटिंग इक्विपमेंट लि०	0.57	एस.क्यू.एम.	यू.एस. डॉलर
4.	8442.50, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.1190, 7606.9190, 7606.9290	डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	फ्यूजीफिल्म प्रिंटिंग प्लेट चीन कंपनी लि०	शून्य	एस.क्यू.एम.	यू.एस. डॉलर
5.	8442.50, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.1190, 7606.9190, 7606.9290	डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	कालम सं. (6) में उपर्युक्त क्रम संख्या 1 से 4 के सिवाय कोई अन्य उत्पादक	0.57	एस.क्यू.एम.	यू.एस. डॉलर
6.	8442.50, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.1190, 7606.9190, 7606.9290	डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स	चीन जन. गण.	चीन जन. गण. को छोड़कर कोई अन्य देश	कोई	0.57	एस.क्यू.एम.	यू.एस. डॉलर
7.	8442.50, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.1190, 7606.9190, 7606.9290	डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स	कोरिया गणराज्य	कोरिया गणराज्य	जेइल सी. एंड पी. कंपनी, लि०	0.26	एस.क्यू.एम.	यू.एस. डॉलर
8.	8442.50, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.1190, 7606.9190, 7606.9290	डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स	कोरिया गणराज्य	कोरिया गणराज्य	जेइल सी. एंड पी. कंपनी, लि० के सिवाय कोई अन्य उत्पादक	0.89	एस.क्यू.एम.	यू.एस. डॉलर
9.	8442.50, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.1190, 7606.9190, 7606.9290	डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स	कोरिया गणराज्य	कोरिया गणराज्य को छोड़कर कोई अन्य देश	कोई	0.89	एस.क्यू.एम.	यू.एस. डॉलर

10.	8442.50, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.1190, 7606.9190, 7606.9290	डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स	जापान	जापान	फ्यूजीफिल्म कारपोरेशन	0.04	एस.क्यू.एम.	यू.एस. डॉलर
11.	8442.50, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.1190, 7606.9190, 7606.9290	डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स	जापान	जापान	फ्यूजीफिल्म कारपोरेशन के सिवाय कोई अन्य उत्पादक	0.21	एस.क्यू.एम.	यू.एस. डॉलर
12.	8442.50, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.1190, 7606.9190, 7606.9290	डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स	जापान	जापान को छोड़कर कोई अन्य देश	कोई	0.21	एस.क्यू.एम.	यू.एस. डॉलर
13.	8442.50, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.1190, 7606.9190, 7606.9290	डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स	वियतनाम	वियतनाम	कोई	0.76	एस.क्यू.एम.	यू.एस. डॉलर
14.	8442.50, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.1190, 7606.9190, 7606.9290	डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स	वियतनाम	वियतनाम को छोड़कर कोई अन्य देश	कोई	0.76	एस.क्यू.एम.	यू.एस. डॉलर
15.	8442.50, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.1190, 7606.9190, 7606.9290	डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स	ताईवान	ताईवान	कोई	0.88	एस.क्यू.एम.	यू.एस. डॉलर
16.	8442.50, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.1190, 7606.9190, 7606.9290	डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स	ताईवान	ताईवान छोड़कर कोई अन्य देश	कोई	0.88	एस.क्यू.एम.	यू.एस. डॉलर

**ड. आगे की प्रक्रिया**

112. प्राथमिक जांच परिणाम अधिसूचित किए जाने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

- i. प्राधिकारी सभी हितबद्ध पक्षकारों से इन अंतिम जांच परिणामों पर टिप्पणियां आमंत्रित करते हैं और प्राधिकारी द्वारा संगत मानी गई उन टिप्पणियों पर अंतिम जांच परिणाम में विचार किया जाएगा।
- ii. घरेलू उद्योग, निर्यातकों, आयातकों और संबंधित होने वाले अन्य ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को प्राधिकारी द्वारा अलग से लिखा जा रहा है जो अपने ज्ञात विचार इन प्राथमिक जांच परिणामों के प्रकाशन के तारीख के 40 दिनों के भीतर दे सकते हैं।
- iii. कोई भी अन्य हितबद्ध पक्षकार भी इन जांच परिणामों के प्रकाशन के तारीख के 40 दिनों के भीतर अपने ज्ञात विचार दे सकता है।
- iv. प्राधिकारी आवश्यक समझी जाने वाली सीमा तक आगे सत्यापन करेंगे।
- v. प्राधिकारी अंतिम जांच परिणाम घोषित करने से पूर्व पाटनरोधी नियमावली के अनुसार अनिवार्य तथ्य प्रकट करेंगे।

सुनील कुमार, अपर सचिव एवं महानिदेशक

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**

(Department of Commerce )

(DIRECTORATE GENERAL OF TRADE REMEDIES)

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 3rd October, 2019

**Preliminary Findings**

**Sub: Preliminary Findings in the Anti-dumping investigation concerning imports of “Digital Offset Printing Plates” originating in or exported from China PR, Japan, Korea RP, Taiwan and Vietnam.**

**A. BACKGROUND OF THE CASE**

**No. 6/7/2019 -DGTR:** Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act), and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time, (hereinafter also referred to as “the Rules” or “the AD Rules”) thereof:

1. Whereas, M/s. Technova Imaging Systems (P) Ltd. (hereinafter also referred to as “the Applicant” or “the Petitioner” or “the Domestic Industry”) has filed an application before the Designated Authority (hereinafter also referred to as “the Authority”) in accordance with the Act and the AD Rules for imposition of Anti-dumping duty on imports of “Digital Offset Printing Plates” (hereinafter also referred to as “subject goods”) originating in or exported from China PR, Japan, Korea RP, Taiwan and Vietnam (hereinafter also referred to as the “subject countries”).
2. And, whereas, the Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the Applicant, issued a public notice vide Notification No. 6/7/2019 - DGTR dated 16<sup>th</sup> May, 2019, published in the Gazette of India, initiating the subject investigation in accordance with Rule 5 of the AD Rules to determine existence, degree and effect of the alleged dumping of the subject goods, originating in or exported from the subject countries, and to recommend the amount of anti-dumping duty, which if levied, would be adequate to remove the alleged injury to the Domestic Industry.

**B. PROCEDURE**

3. The procedure described herein below has been followed by the Authority with regard to the subject investigation:
- a) The Authority notified the Embassies of the Subject Countries in India about the receipt of the present anti-dumping application before proceeding to initiate the investigation in accordance with Sub-Rule (5) of Rule 5 supra.
  - b) The Authority issued a public notice dated 16<sup>th</sup> May 2019 published in the Gazette of India Extraordinary, initiating anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods from subject countries.
  - c) The Authority sent a copy of the initiation notification to the Embassies of the Subject Countries in India, known producers/exporters from the subject countries, known importers/users and the Domestic Industry as well as other domestic producers as per the addresses made available by the Applicant and requested them to make their views known in writing within the prescribed time limit.
  - d) The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known producers/exporters and to the Embassies of the subject countries in India in accordance with Rule 6(3) of the Rules supra.
  - e) The Embassies of the subject countries in India were also requested to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaire sent to the producers/exporters was also sent to them along with the names and addresses of the known producers/exporters from the subject countries.
  - f) The Authority sent questionnaires to the following known producers/exporters in the subject countries in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

**China PR**

- (i) M/s. Kodak (China) Graphic Communication Company Limited
- (ii) M/s. Henan Huida Printall Digital Material Technology Co.
- (iii) M/s. Lucky Huaguang Graphics Co.

**Vietnam**

- (iv) M/s. Mylan Printing Media Corporation

**Korea RP**

- (v) M/s. Jeil C&P Co., Ltd.

**Taiwan**

- (vi) M/s. Top High Image Corporate

**Japan**

- (vii) M/s. Fujifilm Corporation
- g) In response, the following exporters/producers from the subject countries filed exporter's questionnaire response:
  - (i) M/s. Fujifilm Corporation, Japan
  - (ii) M/s. Fujifilm Global Graphics System, Japan
  - (iii) M/s. Fujifilm Printing Plate (China) Co. Ltd., China PR
  - (iv) M/s. Fujifilm (China) Investment Co. Ltd., China PR
  - (v) M/s. Kodak (China) Graphic Communications Company Limited
  - (vi) M/s. Kodak (China) Investment Co Ltd.
  - (vii) M/s. Lucky Huaguang Graphics Co. Limited
  - (viii) M/s. Shanghai Strong State Printing Equipment Limited
  - (ix) M/s. Anhui Strong State Printing Materials Co., Ltd.
  - (x) M/s. Jeil C&P Co., Ltd.

- (xi) M/s. Mylan Printing Media Corporation
- h) The Authority sent Importer's Questionnaire to the following known importers/users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Rule
  - (i) M/s. Kodak India Private Ltd., Mumbai
  - (ii) M/s. Fujifilm India Private Ltd., Harayan
  - (iii) M/s. Kapoor Imaging Private Ltd., Chennai
  - (iv) M/s. Nippon Color, Mumbai
  - (v) M/s. J.N. Arora Trading Company, New Delhi
  - (vi) M/s. Sunil Enterprises, New Delhi
  - (vii) M/s. Bright Enterprises, Andhra Pradesh
  - (viii) M/s. Vishal Print Traders Pvt. Ltd., Mumbai
  - (ix) M/s. Vairam Enterprises, Tamil Nadu
  - (x) M/s. Bennet, Coleman & Co. Ltd., Mumbai
  - (xi) M/s. Jagran Prakashan Ltd., Uttar Pradesh
- i) In response, the following importers/users have responded and filed importer's questionnaire response.
  - (i) M/s. Kapoor Imaging Private Limited
  - (ii) M/s. Fujifilm India Private Limited
  - (iii) M/s. Kodak India Private Limited
  - (iv) M/s. Bright Enterprises
  - (v) M/s. Nippon Color
- j) Apart from the respondent exporters and importers mentioned above, some legal submissions have been received on behalf of the following parties during the course of this investigation.
  - (i) All India Federation of Master Printers
  - (ii) HT Media Ltd.
  - (iii) Metrostar Print Solutions Pvt. Ltd.
  - (iv) Government of Korea
  - (v) Government of Taiwan
  - (vi) Toray Industries, Inc.
- k) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented / submissions made by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties. Submissions made by all interested parties have been taken into account in this Preliminary Finding Notification.
- l) Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to provide the transaction-wise details of imports of subject goods for the past three years, and the period of investigation, which was received by the Authority. The Authority has, relied upon the DGCI&S data for computation of the volume of imports and its analysis after due examination of the transactions.
- m) The Non-Injurious Price (NIP) has been determined based on the cost of production and cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the Domestic Industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Anti-Dumping Rules so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry.

- n) Verification of the information provided by Applicant Domestic Industry by way of table study, to the extent deemed necessary, was carried out by the Authority. Only such verified information with necessary rectification, wherever applicable, has been relied upon for the purpose of preliminary findings.
- o) The Period of Investigation for the purpose of the present anti-dumping investigation is from 1<sup>st</sup> July, 2018 to 31<sup>th</sup> March, 2019 (9 Months). The injury investigation period has however, been considered as the period from April 2015 - March 2016, April 2016 - March 2017, April 2017 - March 2018, April 2018-June 2018 and the POI.
- p) In accordance with Rule 6(6) of the Rules, the Authority also provided opportunity to all interested parties to present their views orally in a hearing held on 16th August, 2019. All the parties who had attended the oral hearing were advised to file written submissions of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and were advised to offer their rebuttals.
- q) The submissions made by the interested parties during the course of this investigation, to the extent supported with evidence and considered relevant to the present investigation, have been appropriately considered by the Authority, in this preliminary findings.
- r) Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- s) Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded the preliminary findings on the basis of the facts available.
- t) ‘\*\*\*’ in this preliminary finding represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- u) The exchange rate adopted by the Authority for the subject investigation is US\$1 = ₹ 71.06.

#### C. **PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE**

##### 4. At the stage of initiation, the product under consideration was defined as:

*“The product under consideration in the present application is “Digital Offset Printing Plates”, also commonly referred to as “Digital Plates”. Digital Plates are used in the printing industry for transferring data as an image (dot patterns or text) onto paper or on non-absorbent substrates like tin sheets or poly films, etc. In the printing process using Digital Offset Printing Plates, the digital workflow enables direct transfer of the image from a ‘computer to the plate’ (CtP) using lasers, unlike the analog workflow that requires an intermediary film to transfer the image. Digital Plates are made from high-purity litho-grade aluminium coils coated with a chemical coating. Digital Plates may be either positive (non-exposed area forms image) or negative (exposed area forms image) working plates. The performance of Digital Plates may also be improved with lesser use of chemicals in the plate development process making it environment-friendly, also known as Digital Offset “chem-free”/ “green plates”. Similarly, the performance of Digital Plates may also be improved to make it process-less plates. The coating components, also known as ‘sensitizers’, vary for different types of plates. Based on the coating components and laser type of platesetters, the Digital Plates may be broadly classified into three categories namely Thermal, Violet and CtCP/UV CtP (‘Computer to-Conventional Plate’).*

- i. *Digital Offset Printing Plates that are exposed using infra-red energy is called Thermal plates;*
- ii. *Digital Offset Printing Plates that are exposed using visible and near-visible light energy (violet lasers) are called Violet plates; and*
- iii. *Digital Offset Printing Plates that are exposed using ultra-violet rays are known as CtCP/UV CtP plates.*

*All types of Digital Plates in all dimensions are covered within the scope of the product under consideration. The subject goods fall under Tariff Sub-heading ‘8442.50’ of the Act. However, there have been imports of the subject goods under other headings such as 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.1190, 7606.9190 and 7606.9290 as well. Customs classifications are therefore indicative only and the product description would prevail for identifying the product.”*

##### C.1. Submissions made by the Domestic Industry

5. The submissions made by the Domestic Industry with regard to product under consideration and like article and considered relevant by the Authority are as follows:

- a) The product under consideration in the present application is “Digital Offset Printing Plates”, also commonly referred to as “Digital Plates”. Digital Plates are used in the printing industry for transferring data as an image (dot patterns or text) onto paper or on non-absorbent substrates like tin sheets or poly films, etc. In the printing process using Digital Offset Printing Plates, the digital workflow enables direct transfer of the image from a ‘computer to the plate’ (CtP) using lasers, unlike the analog workflow that requires an intermediary film to transfer the image. Digital Plates are made from high-purity litho-grade aluminium coils coated with a chemical coating. The coating formulations vary for different types of plates.
- b) Digital Offset Printing Plates are made from High purity litho grade aluminium coils. These aluminium coils undergo manufacturing process of electro graining, anodising and coating on fully integrated process line to get converted to Digital Offset Plates. There are three types of digital offset printing plates, namely:
  - i. Thermal plates;
  - ii. Violet plates; and
  - iii. CtCP/UV CtP plates.
- c) All these varieties of plates are manufactured in the same plant and can be used interchangeably for offset printing.
- d) Digital Offset plates that are imaged using infra-red energy (Thermal laser) on Thermal platesetters are called Thermal plates. Digital Offset plates that are exposed using visible and near visible light energy (violet lasers) on Violet platesetters are called Violet plates. Digital Offset plates that are exposed using ultraviolet rays on UV platesetters are called UV-CtP/CtCP plates.
- e) The imaged plate is then developed in a processor wherein the non-image area is dissolved using an alkaline developer. The plate is then gummed and ready for mounting on the printing-press for printing.
- f) As the technology develops, there are some improvements made in the plates. In addition to the standard /conventional plates there are other variants of plates available such as Chem-free and Process less versions of the Digital Offset Plates.
- g) In the Chem-free plates, there is no need for the alkaline developer to be used. Instead the non-image area is removed by Chemistry-free gum. Hence, for use of Chem-free plate, the processor is replaced by a clean out unit. This results in an environment friendly process and saving of water for the users. This is the main benefit in case of Chem-free plates. The Chem-free plates are available in both, Thermal as well as Violet technologies.
- h) In case of Process-less plates, there is no need for a clean out unit. The non-image area is directly removed on the press. This results in productivity improvement in the plate making process. These are photopolymer negative working thermal plates. There is a continuous technological innovation in these plates.
- i) Coating used in the standard /conventional plates are photo sensitive diazo sensitizers. Chem-free and Process-less plates use higher complex monomers, polymers and photo initiators. These plates are priced at minimum 5% to 10% higher than the standard /conventional plates in India.
- j) Double layer plates are nothing but double coating on the plates which imparts robustness to the plate and enable the users to obtain a higher run length for their specific needs. TechNova currently manufactures Double layer Thermal and Violet plates on its existing plant.
- k) As regards manufacturing of Double layer UV CtP plates, it is not commercially viable for the users to use Double layer UV CtP plates as the UV CtP plates are used for print jobs of shorter run length and relatively lower print quality. The user requirement for such short length print job can be catered by single layer UV CtP plates (which are also known as conventional/standard plates). “Shorter run length” job market is very price conscious segment which uses the single layer plates to be cost effective. TechNova has the full capability of manufacturing Double layer UV CtP plates if there is a commercial demand for the product. It may be noted that the price of Double layer UV CtP plates is higher than the conventional/single layer UV CtP plates.



- l) Digital Offset Printing Plates may be either positive (non-exposed area forms image) or negative (exposed area forms image) working plates. The range includes plates that require chemicals for processing the plates; and also, environmentally friendly that require no chemicals or water for processing.
- m) TechNova manufactures plates of all thickness. Besides the standard thickness of 0.28 mm, TechNova is currently manufacturing plates of thickness 0.15mm, 0.20 mm ,0.25 mm and 0.40 mm. Existing manufacturing plants are capable of producing plates of all thickness.
- n) TechNova manufactures widest range of products and has the capability to produce entire range of the plates, including most of the above versions. After seeding and testing the technologies in the Indian market, technology for all the latest and tested versions the digital plates have been transferred from Agfa Graphics.
- o) The Domestic Industry is capable of producing all variants of PUC including the variants like Double Layer UV CtP Plates, Plates of Thickness of 0.25mm, Process-less Plates, Violet and UV-CtP Process-less Plates, Chem-free UV CtP, and Negative working UV CtP, PS and Thermal plates which are sought to be excluded from the scope of the investigation by few of the interested parties. No end-users have sought exclusions of these types of plates but only the Exporters or Importers have sought exclusion.
- p) TechNova imports Waterless CtP plates from Toray Industries Inc, Japan. The total quantity of imports of Waterless CtP plates during the POI was 2,665 SQM at an average CIF price of 14.1 USD/SQM.
- q) The claim for exclusion of certain variants of Plates from the scope of the investigation is an attempt to create a loophole for potential circumvention of anti-dumping duties in the future. Given the history of circumvention by some importers, this apprehension of the Petitioner is not entirely unwarranted.
- r) TechNova has made imports in insignificant quantities from China PR during the POI. The imports made by TechNova from China PR were mainly to retain and continue to service few limited customers which were offered abysmally low prices from exporters from subject countries and in particular China. In some cases, the price from the Chinese exporters were below the cost of production of PUC for TechNova.
- s) TechNova has entered into a long-term technology transfer agreement with M/s Agfa Gaevert, Brussels, Belgium.
- t) Under this agreement, M/s Agfa will be transferring Technology of its entire current and future evolving range of Digital Offset Printing Plates. This technology will be absorbed and customised by TechNova for local manufacturing and marketing of these in India of these Digital Offset Plates.
- u) The Digital Offset Printing plates technology is continuously evolving technology with improvements and enhancement in features viz: environment friendly features, productivity improvement, cost saving etc.
- v) As a part of these technology transfer process, Agfa transfers the technology of a new product to TechNova after it has launched it in Europe.
- w) Before such technology transfer, TechNova imports these digital printing plates from Agfa, Belgium, and test markets the same to its select customers. The plates at these beta sites are tested to ensure consistency and compatibility to the local conditions.
- x) Once the customers approve the plates, and the technology is transferred by then to TechNova, TechNova manufactures the plates in its plants in small batches and supplies it to the customers for trials. During this period supplies of both locally manufactured and imported plates from Agfa are made parallelly to the customer.
- y) Once the customer finds the quality comparable with the imported plates, the imports are stopped and TechNova supplies the same from its plants.
- z) During the entire period, the imported plates are sold under commercial invoices to the customers.
- aa) As an example, TechNova was importing N-91 plates from Agfa which were for seeding the market and Beta testing purposes. Currently TechNova manufactures these plates and supplies to the customers and no more imports of these plates are made now.
- bb) In earlier investigations (Original and SSR), various interested parties have requested for certain exclusions from the scope of the product under consideration, however, it was established and verified that the Domestic Industry was able to produce and supply all the variants of the imported products and the imported products were established to be the like article in all the aspects.

- cc) All types of Digital Offset Printing Plates in all dimensions are covered within the scope of the product under consideration. The subject goods fall under Tariff Sub-heading '8442.50' of the Act. However, there have been imports of the subject goods under other headings such as 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.1190, 7606.9190 and 7606.9290 as well.

## **C.2. Submissions made by the other interested parties**

6. The submissions made by the exporters, importers, users and other interested parties with regard to product under consideration and like article, and considered relevant by the Authority, are as follows:
- a) The Domestic Industry has imported Process-free plates and double layer plates from Agfa Graphics in substantial quantity and the Domestic Industry has not manufactured Process-free plates and double layer plates in India during the POI. Therefore, Process free plates should be excluded from the scope of the investigation.
  - b) The Domestic Industry claims of the product range in its Petition and during the oral hearing, is misleading as established by imports from non-subject countries such as Belgium. The claim made by the Petitioner of manufacturing the full range of product is highly misleading and factually incorrect.
  - c) The Applicant stated that 0.25mm plates has no market and hence they do not manufacture these plates but if there are any requirements they will produce. So, they themselves confirm that they do not manufacture these plates so all types of plates of 0.25mm should not be subjected to anti-dumping duty.
  - d) The Applicant has given incorrect information about manufacturing following plates:
    - a. Double layer CtCP plates
    - b. Negative working CtCP plates
    - c. Low-chem CtCP platesSo above plates should not be under anti-dumping duty review
  - e) Kodak submits that KGCCL manufactures 'Sonora' process free plates and has already requested the Authority to exclude the same from the scope of PUC.
  - f) The Domestic Industry does not manufacture Waterless CtP Plates. Waterless CtP Plates cannot simply be interchangeably used by the printers which use Digital Offset Printing Plates. Waterless CtP Plates are imported under tariff heading 3701.3000. Use of Waterless CtP Plates in India is limited to Security Card printing and Label printing, like food or industrial labels, using specially designed printing presses for waterless printing. Therefore, Waterless CtP Plates are different from Digital Offset Printing Plates and therefore should be excluded from product under consideration in the current investigation.

## **C.3. Examination by the Authority**

7. The submissions made by the interested parties and the Domestic Industry with regard to the PUC related issues and considered relevant by the Authority are examined and addressed hereunder.
8. The product under consideration is the imported product which is allegedly causing injury to the Domestic Industry. The Authority notes that there are three types of digital offset printing plates viz. Thermal plates, Violet plates and CtCP/UV CtP plates. The Authority further notes that with the evolvement of technology, there are other variants of plates available such as Chem-free, double layer and Process less versions of the Digital Offset Plates.
9. The Authority notes on the basis of evidence and the information on record that in case of chem-free plates, there is no need for the alkaline developer to be used and the processor is replaced by a clean out unit which results in an environment friendly process and saving of water for the users. In case of Process-less plates, there is no need for a clean out unit as well. In case of Process-less plates, the non-image area is directly removed on the press. This results in productivity improvement in the plate making process. In case of Double layer plates there is double coating on the plates which imparts robustness to the plates and enables the users to obtain a higher run length for their specific needs.
10. With regard to the contention of the interested parties for exclusion of certain products from the scope of PUC, the Authority is provisionally unable to accept the claims of the interested parties due to the following reasons:

- a) As an initial matter, no interested party has provided any credible evidence including technical specifications and end-use to substantiate their claim for exclusion of any specific type of product. The submissions are generic and unsubstantiated.
  - b) As regards exclusion of Process-free Plates or Process-less Plates from the scope of PUC, the Authority notes that the end-use, physical appearances, characteristics, etc. are the same for Process free Plates and other types of digital plates. It is merely another category of the same product used by the same customers. The Authority further notes that an examination of records and the evidence provided by the Domestic Industry clearly demonstrates that Process-less thermal plates are being manufactured by Domestic Industry. No evidence has been submitted by interested parties to demonstrate if there is any demand for other variants of Process-less Plates (i.e. Violet and UV CtP) at a commercial scale. Further, there is no evidence on record to show that these other variants were imported by any importer during the POI. No claim on any adjustment on export price due to change in some technical process or equipment has also been made by any interested party.
  - c) As regards exclusion of Double Layer CtCP plates, it is noted that the Domestic Industry regularly manufactures Double Layer plates in Thermal and Violet segments of the PUC. It can also manufacture double-layer CtCP plates on the same plant and machinery if there is a demand. However, typically single layer UV CtP plates serve the purpose of the customer. Further, the prices of Double Layer UV CtP plates would be significantly higher and because of this reason there is hardly any demand for the same. Therefore, there is no reason for exclusion of Double Layer CtCP plates. No claim on adjustments due to an extra coating has been made.
  - d) As regards exclusion of Chem-free CtCP Plates, the Authority notes that the Domestic Industry can manufacture these plates on its existing plant and machinery. The prices of these plates would be significantly higher than conventional UV CtP plates. Further, no evidence has been provided to demonstrate demand for Chem-free UV CtP plates on a commercial scale. Also, the Authority has not observed any imports of Chem-free CtCP plates. Therefore, there is no reason for exclusion of Chem-free CtCP Plates, for the purpose of provisional duty.
  - e) As regards the exclusion of Negative working UV CtP plates, it is noted that the Domestic Industry in the past has manufactured Negative working UV CtP plates and can supply the same if there is a demand for the same. Therefore, there is no reason for exclusion of Negative working UV CtP plates, for the purpose of provisional duty.
  - f) As regards to the exclusion of Toray waterless CtP Plates, it is noted that the waterless CtP Plates are typically not used for paper printing rather it is used for printing on specialised materials such as credit cards, security card printing etc. The Authority further notes that the Domestic Industry does not manufacture waterless CtP Plates. Further, no other producer except Toray has sought exclusion of waterless CtP plates from the scope of the PUC. Based on the evidence on record, the Authority also notes that other than Toray, no producer/exporter from the subject countries has exported waterless CtP plates to India during the POI. Thus, the Authority provisionally excludes Toray waterless CtP Plates from the scope of product under consideration.
  - g) On the issue of Domestic Industry not producing and selling PUC having a thickness of 0.25mm., it is noted that Domestic Industry supplies PUC having a thickness of 0.40mm, 0.28 mm, 0.20 mm, and 0.15mm. The interested parties have provided no evidence to demonstrate that despite the Domestic Industry manufacturing plates of various thickness including 0.40 mm, 0.28 mm, 0.20 mm and 0.15 mm, the Domestic Industry cannot manufacture 0.25 mm thickness. On the contrary, the evidence on record shows that the Domestic Industry has manufactured plates of 0.25 mm thickness. Therefore, there is no justification to exclude 0.25 mm thickness plates from the scope of the PUC, for the purpose of provisional duty.
11. Based on the evidence on record, the Authority notes that the Domestic Industry manufactures all the variants of digital offset printing plates of all widths including Chem-free plates, Process-less plates and Double layer plates.
  12. On the basis of submissions made by various interested parties and the information on record, the Authority provisionally holds that the product under consideration is “*Digital Offset Printing Plates*”. Digital offset printing plates are used in the printing industry for transferring data as an image (dot patterns or text) onto paper or on non-absorbent substrates like tin sheets or poly films, etc. In the printing process using Digital Offset Printing Plates, the digital workflow enables direct transfer of the image from a ‘computer to the plate’ (CtP) using lasers, unlike the analog workflow that requires an intermediary film to transfer the image. Digital Plates are made from high-purity litho-grade aluminium coils coated with a chemical coating. The product under consideration does not include Toray waterless CtP plates. Digital Offset Printing Plates may be either positive (non-exposed area forms image) or negative (exposed area forms image) working plates. The range includes plates that require chemicals for processing the plates; and also, environmentally friendly that require no

chemicals or water for processing. The coating formulations vary for different types of plates. There are three types of digital offset printing plates namely,

- i. Thermal plates;
- ii. Violet plates; and
- iii. CtCP/UV CtP plates.

All types of Digital Offset Printing Plates in all dimensions and thickness are covered within the scope of the product under consideration. However, waterless CtP plates produced by Toray is excluded from the scope of the PUC for reasons elaborated above.

13. PUC falls under tariff item '8442.50' of the Act. The PUC is also being imported under other Customs Tariff Items 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.1190, 7606.9190 and 7606.9290 etc. The customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation."

#### **D. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY & STANDING**

##### **D.1. Submissions made by the Domestic Industry**

14. The submissions made by the Domestic Industry during the course of the investigation with regard to scope of Domestic Industry & standing are as follows:
- a) The Petitioner, M/s. TechNova Imaging Systems (P) Ltd., is a producer of the subject goods in India. There are three more known domestic producers of the product under consideration, namely, M/s. Metrostar Print Solutions Pvt. Ltd., M/s. Akshaya Imaging Systems Pvt. Ltd. and M/s. Orion Photosensitive Systems Pvt. Ltd.
  - b) The Petitioner has imported the product under consideration from China PR in insignificant quantities i.e. [\*\*\*]% of its production during the POI. The imports were made primarily to offset the massive dumping from China as it was a matter of survival for the Petitioner. The imports have now stopped, and the Petitioner does not intend to import any additional quantities in the foreseeable future. The Petitioner is not related to any importer in India or any exporter from subject countries.
  - c) The Petitioner has relied upon the decision of the Hon'ble High Court of Madras in *Nirma Limited v. Saint Gobain Glass*, where the Hon'ble Court held that the Authority has full authority to consider the imports and ascertain if the Petitioner has lost its "essential characteristics" of being a manufacturer by the imports from subject countries.
  - d) The Petitioner holds a major proportion of total Indian production of the PUC. The Petitioner's share in total Indian production of PUC is more than 90% during the POI. Accordingly, the Petitioner clearly satisfies the requirement of standing and thus constitutes 'Domestic Industry' in India for the product concerned in terms of Rule 2(b) read with Rule 5(3) of the AD Rules.

##### **D.2. Submission of other interested parties**

15. The submissions made by various other interested parties with regard to the scope of Domestic Industry & standing are as under:
- a) The Petitioner has Imported the PUC from subject countries in significant quantities during the POI. Therefore, the Petitioner is not eligible to be a Domestic Industry pursuant to Rule 2(b) of Anti-dumping Rules.
  - b) During the oral hearing, the Petitioner accepted to have imported the subject goods from the subject countries. The imports made by the Petitioner are approximately 3% of production and 7% of total imports during POI. The import from the subject countries amount to almost 1.2 million sq. mt., which is more than the export of some of the countries.
  - c) Jeil C&P Co. Ltd., Korea RP has submitted that the Petitioner's standing is questionable since the Petitioner, by importing the PUC does not qualify as the Domestic Industry in this Investigation. The Petitioner's imports must be evaluated not only against the petitioner's production, but also the total imports from subject countries and the domestic demand in India during the period of investigation.
  - d) Filing of the importer's questionnaire is mandatory for the Applicant and in absence of an importer's questionnaire response, the Authority should consider TechNova as non-cooperative for not providing the Authority as well as other interested parties, the information relevant for the present investigation.

- e) There are four producers of domestic like article in India namely (i) TechNova; (ii) Metrostar; (iii) Akshaya Imaging and; (iv) Orion. Amongst the said four producers, only one producer i.e. TechNova has filed the application and data before the Authority and none of other producers have supported the Applicant. Metrostar has requested the Authority to include it within the scope of 'Domestic Industry'. To support the claim of injury, Metrostar has supposedly filed data with DGTR. However, a non-confidential version of said submission/ data has not been made available to interested parties in the public file.
- f) Metrostar has requested the Authority to consider them as 'domestic industry'. Kodak supports the inclusion of 'Metrostar' as a constituent of 'domestic industry'. The Authority should also note that Metrostar is unable to produce subject goods due to numerous intrinsic factors. As a result, despite having enough purchase orders (from Fujifilm), Metrostar has failed to manufacture and supply goods.
- g) It is pertinent to highlight that the volume of imports by the Applicant from subject countries (i.e. 1.65 million sqm) is approximately 50-70 percent of exports by Kodak during the POI.
- h) Volume imported by the Petitioner was (\*\*\*) SQM occupying 50-60% which is proportionality a large percentage. Shanghai Strong confirmed that the shipping date of the last batch of product under consideration imported by the Petitioner was April 4, 2019. The Petitioner hasn't purchased the product under consideration from Shanghai Strong since then.
- i) Substantial imports in the range of 1-1.5 million sqm cannot possibly be for testing purpose. Technova's import volume even surpasses the overall export volume to India by some of the subject countries.
- j) The Applicant has admitted in the hearing that the imports were defensive imports meaning there by the imports were done like any other importer in the country.
- k) It shall be open for producer cum importers to seek protection by way of ADD. The submission is that the Applicant should not be allowed to run with the hare and hunt with the hound.
- l) The Applicant compromised its position to determine the price for the subject goods in the Indian market by engaging in imports and trading of subject goods. The Applicant should be treated as not eligible to seek protection against self-inflicted injury in the facts of present case.
- m) The application has to be dismissed in *limine*, in view of the fact that the Applicant himself has imported the subject goods. The law does not distinguish whether the Applicant has imported less quantity or more quantity as is being portrayed by the Applicant.
- n) The Petitioner has imported subject goods due to increase in demand and declining capacity, reduced capacity by shutting down one of its plant, inability to meet the demand of the country and to take advantage of the cheaper imports.

The Petitioner is party to the alleged dumping, hence cannot claim injury on account of alleged dumped imports. Petitioner has imported the subject goods because of capacity constraints and suffering injury on account of other factors than imports.

- o) The element of self-inflicted injury, if the Applicant claims any injury, is very apparent in the present case and no remedy is due to the Applicant under the AD scheme if the injury is self-inflicted.
- p) The Petitioner should also be considered as an ineligible producer as per para 4.9.20 of the Manual of Operating Practices for Trade remedy Investigations.
- q) The Petitioner is related to M/s Toray Industries Inc. (Toray) as it is the distributor Waterless CtP Plates in India and therefore, the Petitioner is ineligible to qualify as the Domestic Industry.
- r) The Petitioner is related to Agfa Graphics on account of the existence of a technology transfer agreement. Agfa Graphics has a related producer in China PR namely Agfa Wuxi Imaging Co Ltd. which is engaged in exports to Asian Markets.
- s) Agfa Graphics and Lucky HuaGuang Graphics Co. Ltd. have entered into a strategic alliance wherein Lucky HuaGuang Graphics Co. Ltd. will provide manufacturing capacity for printing plates in Nanyang, China, with Agfa Graphics' support, technology, and intellectual property to manufacture products for Agfa. Both these have resulted in the Petitioner becoming related to Lucky HuaGuang Graphics Co. Ltd., an exporter of PUC from China PR and hence disqualified to be eligible as Domestic Industry under the law.

- t) The Petitioner made Imports at the United Arab Emirates Port during the POI as well as post-POI.
- u) MetroStar, Akshaya & Orion are already out of business during the time when anti-dumping duty was in force. It has nothing to do with removal of anti-dumping duty by the DA.

### **D.3. Examination by the Authority**

16. Rule 2(b) of the AD Rules provides as follows:

*“domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”.*

- 17. The Authority notes that the application has been filed by M/s. TechNova Imaging Systems (P) Ltd. The Petitioner has informed that there are 3 other producers of the product under consideration in India, namely, M/s. Metrostar Print Solutions Pvt. Ltd., M/s. Akshaya Imaging Systems Pvt. Ltd. and M/s. Orion Photosensitive Systems Pvt. Ltd. Out of these 3 other producers, two of them namely, M/s. Akshaya Imaging Systems Pvt. Ltd. and M/s. Orion Photosensitive Systems Pvt. Ltd. has not produced the PUC during the POI. The production of the Petitioner in the POI is about [97]% of the total Indian production and constitutes a major proportion. The Petitioner has stated that it has imported small quantities of PUC from China PR which is approximately [\*\*\*]% of the Petitioner’s production during the period of investigation. The imports made by the Petitioner were temporary in nature and to retain their core customers. Considering the low volume of imports, the Authority finds that the Petitioner has not changed its core business or essential characteristics of being a manufacturer of the PUC.
- 18. As regards the arguments on relationship between the Petitioner and Toray, the Authority notes that the interested parties have provided no evidence to substantiate such claim. The Authority notes that both the entities are independent with no interference in the day-to-day operations (production, pricing, sale, etc.). Both the entities are not directly or indirectly controlled by each other or a third entity. Further, together they do not directly or indirectly control any third entity. The Petitioner is not under legal or operational control of Toray with respect to its business of manufacturing PUC. Therefore, there is nothing on record to suggest that the Petitioner and Toray are related within the meaning of Rule 2(b) of the AD Rules read with footnote 11 of the WTO Agreement on Implementation of Article VI of the GATT 1994 (AD Agreement).
- 19. As regards the claim of relationship between the Petitioner and Lucky due to Lucky’s alliance with Agfa Graphics, it is noted that a technology transfer relationship does not result into two parties being related to each other within the meaning of Rule 2(b) of the AD Rules and the AD Agreement. The Petitioner has sourced technology from Agfa Graphics, Europe under an agreement for which royalty payments are made. The agreement between the Petitioner and Agfa is independent of Agfa’s alliance with Lucky HuaGuang Graphics Co., Ltd. There is no relationship between Lucky and/or Agfa with the Petitioner which would disqualify the Petitioner to be eligible as Domestic Industry under the AD Rules.
- 20. As regards imports by Petitioner at UAE Port, it is noted that such imports never entered in the Indian market and therefore do not qualify as imports of PUC into India.
- 21. Accordingly, the Authority provisionally holds that for the purpose of this investigation the Petitioner company satisfies the standing requirement and constitutes the Domestic Industry in terms of Rule 2(b) and Rule 5(3) of the AD Rules.

### **E. ISSUES RELATING TO CONFIDENTIALITY**

#### **E.1. Submissions by Domestic Industry**

- 22. The following submissions have been made by the Domestic Industry with regard to confidentiality issues:
  - a) Applicant has disclosed all the essential information in the non-confidential version of the application in accordance with Rule 7 of AD Rules and as per Trade Notice No. 10/2018 dated 7th September 2018.
  - b) Interested parties have filed a grossly deficient response in non-confidential version even after being given 3 extensions (dated - June 20, 2019, July 7, 2019, and July 15, 2019) to file sufficient and complete information. The same is purely with the intent to impede the investigation and not provide the data necessary for an expedited determination. By virtue of Rule 6(8) of the AD Rules, response filed by interested parties must be rejected and declared as non-cooperative.

**E.2. Submissions by other interested parties**

23. The following submissions have been made by other interested parties with regard to confidentiality issues:

- a) The Petitioner has claimed practically entire injury information as confidential. The Non-confidential data is grossly inadequate to ascertain the Petitioner's claims. It is difficult to provide comment on such non-meaningful data presented by the Petitioner in the petition.
- b) The Petitioner has claimed even such information confidential which has been disclosed by them in the previous SSR petition and original petition. Further, the data has been claimed confidential despite the fact that there is overlap in the period between the SSR case in the present case and therefore it is a matter of simple calculation to derive the numbers mentioned on confidential basis in the application.
- c) Petitioner's non-confidential data is inadequate. Information that was disclosed in original and SSR petition, has also been kept confidential. It is a case of suppression of facts and the reason for the petitioner resorting to confidentiality.
- d) The Authority may reject the claim for confidentiality in the interests of fair play and justice and ask the Applicant to share all this data with other interested parties.
- e) The Applicant may be asked to share his import data and the manner in which he has worked out his tables without taking shelter of the confidentiality clause. The Authority has the power to give such directions under Rule 7 of the AD Rules.
- f) Part VI of the Application deals with costing information of the Applicant. The whole of the data relating to his production, working etc has been marked as Confidential by the Applicant making it impossible for any independent person to verify the veracity of the claims.
- g) Exhibit 17 indicates the Normal Price worked out by the Applicant. Since the whole of the data is declared Confidential, it is not known as to what the pricing pattern he has picked up.
- h) The Applicant has relied on some quotation from his Local CHA for Ocean Freight and internal freight without knowing as to what the actuals might be. The same has not been shared, again on confidentiality grounds, so that the same may be exposed by others in the trade.

**E.3. Examination by the Authority**

24. With regard to confidentiality of information, Rule 7 of Anti-dumping Rules provides as follows:

*"Confidential information: (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules (2), (3) and (7) of rule 6, sub-rule(2) of rule 12, sub-rule(4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.*

*(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.*

*(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information."*

25. The Authority made available non-confidential version of the information provided by various interested parties to all interested parties through the public file containing non- confidential version of evidences submitted by various interested parties for inspection.

26. Submissions made by the Domestic Industry and other opposing interested parties with regard to confidentiality to the extent considered relevant were examined by the Authority and addressed accordingly. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being

satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of public file. The Authority also notes that all interested parties have claimed their business-related sensitive information as confidential.

**F. MARKET ECONOMY TREATMENT (MET), NORMAL VALUE, EXPORT PRICE & DETERMINATION OF DUMPING MARGIN**

**F.1. Submissions by the Domestic Industry**

27. The following submissions have been made by the Domestic Industry:

- a) Aluminium is one of the significant cost constituents of the PUC. The Petitioner, along with other producers of the PUC in the world, sources its aluminium based on the prices quoted on London Metal Exchange (“LME”) whereas the producers based out of China PR source aluminium based on the prices quoted on Shanghai Future Exchange (“ShFE”) prices.
- b) The ShFE is controlled by the Chinese Government, the prices quoted on the ShFE are highly controlled and monitored by the Govt. The prices quoted on the ShFE benchmark from April 2018 till March 2019 continue to be significantly lower than the prices quoted on the LME benchmark.
- c) The prices quoted on the ShFE benchmark are lower by 10-20% when compared to prices quoted on the LME benchmark.
- d) Given TechNova also imports aluminium, while the LME may have seen some decline in absolute USD terms, with the depreciation of INR, the effective cost for the Petitioner has increased. For the purposes of dispelling any doubts, the Petitioner reiterates that its aluminium costs – whether procured domestically or internationally – are linked to LME prices in USD terms.
- e) The prices of Aluminium Ingot quoted on ShFE are inclusive of a VAT component charged by the Chinese Government. The VAT Component in the quoted price was 17% until June 2018 which was reduced to 16% in July 2018. Further, in order to stimulate the growth of the aluminium smelting sector, Chinese Govt reduced the VAT, with effect from, from 16% to 13%. The VAT refund to the Chinese producers was to the extent of 13% till Aug 2018, which was increased to 16% (means full refund) from Sept 2018. In order to make a fair comparison of the prices of LME and ShFE quoted prices, following adjustments must be made:
  - VAT must be subtracted from the ShFE prices; and
  - The premium on LME must be added to the LME price
- f) European Union (“EU”) Commission conducted a recent study on the significant distortions in the economy of the People’s Republic of China for the purposes of Trade Defense Investigation. As per the study report, the Commission, apart from its analysis on Cross-cutting distortions and Distortions in the factors of production, has also discussed aluminium sector-specific distortions in detail. Some of such distortions are the 13th Five Year Plan for Non-Ferrous Metals Industry, Structural adjustments and eliminations of outdated capacity, and Specific Policy Tools for implementing the Government Objectives.
- g) USDOC has also concluded in a detailed study that China PR has not transitioned into a market economy and continues to operate under NME principles.
- h) the United States Federal Govt. has also declared China PR as a currency manipulator. The immediate impact of this is that Chinese exports have become cheaper.
- i) Kodak has entered into a binding agreement to sell its China facilities to Huaguang (Lucky) a state-owned enterprise in China. Kodak will cease all manufacturing of offset printing plates in China. The immediate consequences of the development are that:
  - Kodak should not be granted an individual margin/duty given that they will be no longer manufacturing in the region, and;



- At a minimum, they should not be granted Market Economy status, given their pending sale to a state-owned enterprise in China. It is expected that the sale will be completed by Q3 2019, which will give Lucky free access to the India market, based on Kodak's data, which is no longer relevant.
- j) Kodak Group has filed a supplementary questionnaire (MET questionnaire) in the current investigation. It is important to note that, Kodak Group was not granted MET status on the ground of aluminium prices being controlled by the government in China PR.
- k) The imports from subject countries continued to increase over the past few years, and intenseness of the dumping from all these countries have increased substantially post removal of Anti-dumping duties from China PR in June 2018.
- l) Kodak has wholly misunderstood the burden of proof on a Petitioner. It is submitted that as a Petitioner, Technova was required to place best evidence as available in public domain. Kodak being a producer from a non-market economy bears the burden to demonstrate that it operates under market economy principles. Interestingly, Kodak is entirely silent on the ShFE aluminium prices (aluminium constitutes 70% of the cost of manufacturing PUC) which are fully controlled by Chinese government in China. In the previous sunset review and the last original investigation, Kodak was denied market economy status on the ground that ShFE prices did not reflect market prices. There is no evidence on record to rebut this fact.
- m) Kodak has sought to argue that the European Union cannot be the surrogate country for sourcing information with respect to the construction of normal value. The primary reasons for such a claim is that complete information concerning domestic sale in the European Union is not available but were based on sample invoices of domestic sales of the Product under Consideration concerned. Accordingly, in Kodak's view, Vietnam should be an appropriate surrogate country. However, the fact is that complete information with respect to domestic sales in Vietnam is also not on record. Therefore, Kodak is contradicting its arguments. With regard to the methodology of the European Union to be considered as one of the methodologies for constructing the Normal Value is limited to China PR only given that there the conditions of competition and other economic parameters are similar between both the countries. Detailed reasons were provided in the petition which has not been rebutted as to why they should not be compared otherwise. It is also worth submitting that the Petitioner have also relied upon an alternative methodology and constructed the Normal Value for subject countries including China PR. Both the methodologies have been considered by the Hon'ble Designated Authority in the investigations against China PR and other countries. The methodology is in line with previous practice of the DGAD. Kodak is clearly circumventing from the issue of admitting to respond to its dumping status and at the same time Fuji in its submission is also distancing itself from the other Chinese players including Kodak and other Chinese manufacturers, thereby perplexing the Hon'ble Designated Authority with the accepted methodologies presented by the Petitioner.
- n) The interested parties have furnished grossly deficient response and therefore, the response filed must be rejected and normal value must be determined on the basis of best facts available.

## **F.2. Submissions by the other interested parties**

28. The following submissions have been made by other interested parties:

- a) Fujifilm submitted that, recently the government of China PR decreased its interest rate significantly to provide undue benefit to its exporters. This will also result in aggressive dumping from China PR.
- b) Chinese currency is devalued by only 3% from 6.8 to 7.02 to the US Dollar whereas Indian currency is devalued by 5% from Rs 68 to Rs 71.25 to the US Dollar.
- c) EU is mostly a user of Thermal Plates and is a major producer of Thermal Plates and not CTCP or Violet plates (although Violet Plates are used only by the Newspaper Industry there), whereas India is mostly a user of CtCP Plates. It is requested that the forced imposition of EU as a third party country for determining normal value may be rejected by the DA.
- d) There is no compensatory arrangement between KIPL and KCGCCL. KIPL has suffered losses in domestic sales on account of low domestic selling price of TechNova.
- e) China is a Non-Market Economy, the other four countries viz., Vietnam, Taiwan, Korea and Japan are not NME and hence the method adopted by the Applicant is incorrect and needs to be rejected.

- f) DA is requested to verify the facts for on LME and ShFE prices prior to issuance of final findings and verify whether LME Bulletin indicates price of Lithographic Aluminium Sheets.
- g) Lucky has not claimed normal value base on cost and price and the Petitioner's claim that LME was higher than SME, is false as we have Information showing that SME was in fact higher than LME has been provided.
- h) The argument that the prices considered by Lucky, are inclusive of VAT, is without any basis. It needs to be considered that a consumer in China can import the product from LME after paying prevailing customs duties. In such a case, the person will not even pay the VAT payable on domestic sales procurement. Further, even in case of domestic sales, since VAT is adjustable against VAT paid on output sales, VAT on input in any case is not an expense for the producers.
- i) Assuming a trader pays VAT, it gets refund for the same when it is exported. Thus, in any case, VAT should not form part of the cost.
- j) Assuming that there is export duty on aluminium from China, in any case the domestic price being higher than LME price the issue stands irrelevant.
- k) Studies conducted by EU and USA are generic and not specific to PUC. Onus on petitioner to establish that these studies apply to the present case.
- l) EU is not a comparable market economy country for China PR in terms of Anti-Dumping Rules. Complete information concerning EU domestic sale price and cost of production is not available with the Authority.
- m) The reports concerning alleged market distortions as relied on by the Applicant are not binding on the Authority. The reports of alleged market manipulation, as relied upon by the Applicant do not pertain to the POI of the present investigation.
- n) In terms of Anti-dumping Rules, Kodak has duly submitted information concerning normal value which includes data on the cost of production, resale price of goods manufactured by KCGCCL in China, etc. To substantiate the claim of negative dumping margin, KCGCCL, as well as KCICL, has filed a detailed MET questionnaire response which reflects that the cost of production is fair and reasonable in terms of market economy conditions. The Authority is requested to accept Kodak's Normal Value for determination of dumping margin since the computation of normal value provided by the Applicant is completely erroneous.
- o) Kodak submits that the SME price source claimed by the Applicant does not display price as claimed by the Application/written submissions. Therefore, the Authority is requested to reject the price comparison as submitted by TechNova. Kodak requests the Authority to compare KCGCCL's aluminium purchase price with the purchase price of TechNova to examine market economy status of Kodak entities.
- p) There are no findings by World Bank/ IMF/Reserve bank of India concerning alleged distortion in Chinese aluminium sector or currency manipulation. Even the report concerning Chinese currency issued by the US Treasury does not declare/designate China PR as 'currency manipulator'. The findings by US Department of the Treasury is based on three essential parameters such as (a) bilateral trade surplus; (b) material current account surplus; and (c) purchases of foreign currency. Therefore, it is evident that findings by the US Department of the Treasury is aimed to balance bilateral trade and not the foreign exchange. Moreover, there is no findings by the World Bank, Asian Development Bank, International Monetary Fund or Reserve Bank of India to support the findings of US Department of the Treasury. Therefore, claim of currency manipulation/market intervention by PRC should be rejected.
- q) In the previous investigation, the Authority has not granted MET status to Kodak on account of report issued by USDOC in terms of Section 302 of the Trade Expansion Act. However, the Government of India has subsequently disputed the said report and filed a dispute before the WTO. Therefore, the Authority is requested to examine the MET status for Kodak afresh without being influenced by the reports/studies by other countries.
- r) EU Commission Staff working documents relied upon by the Applicant is merely a working document which does not pertain to the POI. Further, the criteria for evaluating the market economy condition under EU law is different from the criteria stipulated in Indian laws. Therefore, EU Commission Staff working documents should not be taken into account for determining MET status to Kodak.
- s) Compared to the period prior to POI, the value of INR vs USD (during the POI) has declined by 10 percent. During the said period, the devaluation of Yuan was merely 3-4 percent.

- t) The construction of normal value in the present investigation has been made whilst following an erroneous approach.
- u) Apex institution regulating international trade such as World Trade Organisation has not confirmed the validity of EU Commission Staff working documents. Therefore, the claim of market distortion and staff working document should be rejected and the determination/examination of market economy status for Kodak should be based on independent examination of relevant parameters by the Designated Authority in terms of Anti-dumping Rules.
- v) Kodak has submitted its purchase price of aluminium and the Authority may compare the same with aluminium price in India during the POI to evaluate the claim of market economy status.
- w) In case the Authority determines Normal Value for Kodak based on alternative methodologies, the cost of production in Vietnam or Vietnamese domestic sales price of subject goods may be considered for determining Normal Value for China PR. Kodak highlights that the GOI has accorded market economy status to Vietnam after a detailed examination of multiple parameters as stipulated in the Anti-Dumping Rules and this method of determining normal value would be more appropriate and accurate than the one suggested by the Applicant (i.e. based on sample export sales from EU).
- x) Normal Value for PUC needs to be determined on a PCN basis.

### **F.3. Examination by the Authority**

29. Under section 9A (1) (c), normal value in relation to an article means:

- i) *The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6), or*
- ii) *When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either:*
  - (a) *comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
  - (b) *the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);*

30. The Authority sent questionnaires to the known producers/exporters from the subject countries, advising them to provide information in the form and manner prescribed by the Authority. The following producers/exporters have co-operated in this investigation by filing the prescribed questionnaire responses:

- (i) M/s. Fujifilm Corporation, Japan
- (ii) M/s. Fujifilm Global Graphics System, Japan
- (iii) M/s. Fujifilm Printing Plate (China) Co. Ltd., China PR
- (iv) M/s. Fujifilm (China) Investment Co. Ltd., China PR
- (v) M/s. Kodak (China) Graphic Communications Company Limited
- (vi) M/s. Kodak (China) Investment Co Ltd.
- (vii) M/s. Lucky Huaguang Graphics Co. Limited
- (viii) M/s. Shanghai Strong State Printing Equipment Limited
- (ix) M/s. Anhui Strong State Printing Materials Co., Ltd.
- (x) M/s. Jeil C&P Co., Ltd.
- (xi) M/s Mylan Printing Media Corporation

31. The Authority notes the following relevant provisions related to Normal value computation under the AD Rules as well. Provisions under Para 7 and Para 8 of Annexure I to AD Rules are as under:

“7. In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in a market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India, or where it is not possible, on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner [keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question] and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of the selection. Account shall also be taken within time limits; where appropriate, of the investigation if any made in similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.

8. (1) The term “non-market economy country” means any country which the designated authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in subparagraph (3).

(2) There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an antidumping investigation by the designated authority or by the competent authority of any WTO member country during the three year period preceding the investigation is a nonmarket economy country. Provided, however, that the non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the designated authority that establishes that such country is not a non-market economy country on the basis of the criteria specified in subparagraph (3).

(3) The designated authority shall consider in each case the following criteria as to whether: (a) the decisions of the concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values; (b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts; (c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and (d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate. Provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject to anti-dumping investigations, the designated authority may apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in paragraph 7 and in this paragraph.

(4) Notwithstanding, anything contained in sub-paragraph (2), the designated authority may treat such country as market economy country which, on the basis of the latest detailed evaluation of relevant criteria, which includes the criteria specified in sub paragraph (3), has been, by publication of such evaluation in a public document, treated or determined to be treated as a market economy country for the purposes of anti-dumping investigations, by a country which is a Member of the World Trade Organization.”

32. At the stage of initiation, the Petitioner proceeded with the presumption by treating China PR as a non-market economy country. Upon initiation, the Authority advised the producers/exporters in China PR to respond to the notice of initiation and provide information relevant to determination of whether their data/information could be adopted for the purpose of normal value determination. The Authority sent copies of market economy treatment/supplementary questionnaire to all the known producers/ exporters for providing relevant information in this regard.

33. Article 15 of China’s Accession Protocol in WTO provides as follows:

“Article VI of the GATT 1994, the Agreement on Implementation of Article VI of the General Agreement on Tariffs and Trade 1994 (“Anti-Dumping Agreement”) and the SCM Agreement shall apply in proceedings involving imports of Chinese origin into a WTO Member consistent with the following:

(a) In determining price comparability under Article VI of the GATT 1994 and the Anti Dumping Agreement, the importing WTO Member shall use either Chinese prices or costs for the industry under investigation or a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China based on the following rules:

(i) If the producers under investigation can clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to the manufacture, production and sale of that product, the importing WTO Member shall use Chinese prices or costs for the industry under investigation in determining price comparability;

(ii) The importing WTO Member may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China if the producers under investigation cannot clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.

(b) In proceedings under Parts II, III and V of the SCM Agreement, when addressing subsidies described in Articles 14(a), 14(b), 14(c) and 14(d), relevant provisions of the SCM Agreement shall apply; however, if there are special difficulties in that application, the importing WTO Member may then use methodologies for identifying and measuring the subsidy benefit which take into account the possibility that prevailing terms and conditions in China may not always be available as appropriate benchmarks. In applying such methodologies, where practicable, the importing WTO Member should adjust such prevailing terms and conditions before considering the use of terms and conditions prevailing outside China.

(c) The importing WTO Member shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (a) to the Committee on Anti-Dumping Practices and shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (b) to the Committee on Subsidies and Countervailing Measures.

(d) Once China has established, under the national law of the importing WTO Member, that it is a market economy, the provisions of subparagraph (a) shall be terminated provided that the importing Member's national law contains market economy criteria as of the date of accession. In any event, the provisions of subparagraph (a)(ii) shall expire 15 years after the date of accession. In addition, should China establish, pursuant to the national law of the importing WTO Member, that market economy conditions prevail in a particular industry or sector, the non-market economy provisions of subparagraph (a) shall no longer apply to that industry or sector."

34. The Authority notes that while the provisions of 15 (a) (ii) have expired with effect from 11 December 2016, the provision under Article 2.2.1.1 of the AD Agreement read with obligation under 15 (a) (i) of the Accession protocol require criterion stipulated in para 8 of the Annexure 1 of India's AD Rules to be satisfied through the information/data to be provided in the supplementary questionnaire for claiming the MET status. The Authority notes that except Kodak Group, no other producer/exporter from China PR has submitted market economy treatment/supplementary questionnaire response, the normal value computation for these other producers/exporters are required to be dealt as per provisions of para 7 of Annexure-1 of AD Rules. Further, the Authority has provisionally determined not to accord market economy treatment to Kodak Group for reasons as enunciated in subsequent paragraphs.

#### **F.4. Determination of Normal Value and Export Price for cooperating producers and exporters in China PR**

##### **F.4.1 Evaluation of MET status of Kodak China Graphic Communication Co. Ltd. ("KCGCCL"), M/s. Kodak China Investment Co. Ltd. ("KCICL") (hereinafter referred as "Kodak group") and Computation of its Normal Value**

35. The Authority notes submissions made by Kodak group regarding claim of market economy status, questionnaire filed with domestic sales, export sales and cost of production along with supplementary questionnaire regarding claim of market economy status and supplemented with additional submissions with regard to the claim of market economy status. Pending justification on the sourcing of raw materials at market prices, the alliance of Kodak with M/s. Lucky and ER in China being driven by market conditions and with justification of cost of production, the Authority at the stage of provisional duty does not propose to evaluate/grant market economy.
36. The limited and incomplete information cannot enable comprehensive examination and establishment of the claim of market economy status to Kodak group for the subject goods.
37. The Authority notes that the para 8(3) of Annexure 1 of AD rules states "the designated authority shall consider in each case the following criteria as to whether:
- (a) the decisions of the concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
  - (b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;

(c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and

(d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate. Provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject to anti-dumping investigations, the designated authority may apply the principles set out in Anti-Dumping Rules, 1995 in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in paragraph 7 and in this paragraph.”

38. In the instant case, the Authority notes that Kodak group has entered into a partnership with M/s. Lucky Huaguang Graphics Company Ltd. and is selling its plant to them. It is also noted that all FE transactions entered into by Kodak group are as per the market conditions and the state interventions related to currency devaluation are intended for competitive advantages in export transactions. The Authority further notes that Kodak purchases the raw material from state owned enterprise. Thus, such purchase price of the raw materials are being governed by state interference. Also, Kodak's related importer resells the subject goods in India at a loss. The Authority has, therefore, provisionally decided to consider all producers/exporters of China PR as not qualifying for market economy treatment including Kodak which has though claimed market economy treatment. The Authority has therefore evaluated the provisional normal value for all producers/exporters on the basis of Rule 6 (8) i.e. best available information of the AD Rules which reads as “*In a case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the designated authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as it deems fit under such circumstances.*”
39. Accordingly, the normal value for the subject goods has been constructed considering optimum consumption norms for the major raw materials and utilities, international prices of purchased raw materials, prices of captively produced raw material, including reasonable conversion cost, interest, SGA, and reasonable profit etc. The normal value for the 3 product types i.e. Thermal, violet and UV-CTC plates is constructed as \*\*\* Rs./sqm, \*\*\* Rs./sqm and \*\*\* Rs./sqm respectively.

#### **F.4.2 Determination of Normal Value and Export Price for cooperating producers and exporters in China PR**

##### **A. Kodak Group**

40. M/s Kodak China Graphic Communication Co. Ltd. (“KCGCCL”) is the producer/ exporter of subject goods. Its related company is M/s Kodak China Investment Co. Ltd. (“KCICL”) is engaged in domestic sales in the subject country. The goods exported by KCGCCL are imported by Kodak India Pvt. Ltd. (“KIPL”) a related importer which are subsequently sold to unrelated end customers.
41. The Producer/Exporter has claimed market economy treatment for computing ‘normal value’ on the basis of their domestic sales in China. The Authority considered the normal value, ex-factory export price and landed value as under:

##### **(a) Normal value**

42. During POI, KCGCCL has made entire sales in domestic market through KCICL who has further sold subject goods to end customers in domestic market. As stated above the producer/exporter has not clarified regarding state interference in the purchase of raw material and on the fact of take over of M/s. KCGCCL by M/s. Lucky and hence claim of M/s Kodak for market economy treatment is not admitted, at this stage. The normal value for thermal and violet plates is constructed as \*\*\*\$/sqm and \*\*\*\$/sqm respectively.

##### **(b) Export price**

43. M/s KCGCCL has exported \*\*\*sqm of Thermal and Violet Plates to related importer M/s KIPL.
44. During the POI, M/s KIPL has sold subject goods in domestic market only to independent customers. KIPL has sold subject goods in domestic market at a price above landed value, however, KIPL has suffered losses on domestic sales on subject goods after considering selling and general administrative charges. KIPL has claimed that the losses suffered by KIPL is on account of intense competition between TechNova and other importers; and there is no compensatory arrangement between KCGCCL and KIPL. Accordingly, for the purpose of preliminary findings, post factory expenses such as transportation (\*\*\*USD/sqm), credit cost @ \*\*\*percent (\*\*\*USD/sqm) and the average losses on KIPL domestic sales (\*\*\*USD/sqm) has been deducted to arrive at ex-factory export price. The volume and Ex-factory value of goods exported by KCGCCL to its related entity KIPL after necessary adjustments is computed as follows:

PCN	Quantity in sqm	Total Invoice Value	Total Inland Transportation	Total Credit	KIPL adjustment	KCGCCL Ex-factory	KCGCCL Ex-factory price
-----	-----------------	---------------------	-----------------------------	--------------	-----------------	-------------------	-------------------------

		( USD) Incoterm FCA	(USD)	Cost (USD)	for resale price (USD)	price (after KIPL resale adjustment)	USD/sqm (after resale adjustment)
Thermal	***	***	***	***	***	***	***
Violet	***	***	***	***	***	***	***
Grand Total	***	***	***	***	***	***	***

45. For computing the landed value of goods exported by KCGCCL, the exports by KCGCCL have been compared with response filed by the importer. During the POI, KCGCCL has exported \*\*\*sqm of subject goods at FCA incoterm. Landed Value of goods exported by KCGCCL to KIPL has been computed based on invoice value after including ocean freight @ INR \*\*\*per sqm, BCD @ 7.5 percent, Education Cess @ 10 percent of BCD and handling charges @ INR \*\*\*/sqm. The landed value for thermal and violet plates for KCGCCL is given below:

PCN	Total sqm	Invoice Value USD	Invoice Value INR	Ocean Freight	Basic Custom Duty	Cess	Handling charges	Landed Value (excluding insurance)	Landed Value (INR/sqm)	Landed Value USD/sqm
Thermal Plates Total	***	***	***	***	***	***	***	***	***	***
Violet Plate Total	***	***	***	***	***	***	***	***	***	***
Grand Total	***	***	***	***	***	***	***	***	***	***

#### **B. M/s Lucky Huaguang Graphics Co. Ltd. ('Lucky')**

##### **(a) Normal Value**

46. The producer/exporter has not claimed market economy treatment and accordingly the Authority adopted the constructed normal value as per best available information in accordance with Rule 6 (8) of the AD Rules. Since the producer/exporter has claimed having exported only thermal digital plates the Authority has referenced the constructed normal value for, UV CtP plates, thermal and violet plates as \*\*\* US\$/sqm, \*\*\* US\$/sqm and \*\*\* US\$/sqm respectively, for evaluating dumping margin.

##### **(b) Export Price**

47. The ex-factory export price for UV CtP, thermal plates and violet plates comes to \*\*\* US\$/sqm, \*\*\* US\$/sqm and \*\*\* US\$/sqm respectively, allowing adjustments on ocean freight, port expenses, inland freight and bank charges. The landed value for UV CtP, thermal plates and violet plates comes to \*\*\* US\$/sqm, \*\*\* US\$/sqm and \*\*\* US\$/sqm respectively.

#### **C. M/s. Shanghai Strong State Printing Equipment Limited and M/s. Anhui Strong State Printing Materials Ltd. ('Shanghai Strong')**

##### **(a) Normal Value**

48. The producer/exporter has not claimed market economy treatment and accordingly the Authority adopted the constructed normal value as per best available information in accordance with Rule 6 (8) of the AD Rules. The Authority has referenced the constructed normal value for UV CtP plates comes to \*\*\*US\$/sqm for POI, for evaluating dumping margin.

##### **(b) Export Price**

49. The ex-factory export price for UV CtP plates comes to \*\*\*US\$/sqm, after allowing the claimed adjustments. The landed value for UV CtP plates comes to \*\*\*US\$/sqm.

#### **D. M/s FUJIFILM Printing Plate (China) Co. Ltd. (FFPS), FUJIFILM (China) Investment Co., Ltd. (FFCN) ('Fujifilm China')**

(a) Normal Value

50. M/s. FUJIFILM Printing Plate (China) Co. Ltd. (FFPS), producer in China has exported \*\*\* sqm of violet digital plates at a net invoice value of \*\*\* USD, through FUJIFILM (China) Investment Co., Ltd. (FFCN) a related trader who further have exported to Fujifilm India Pvt. Ltd., a related importer, who have sold in Indian market with a mark up to unrelated customers. Also, FFCN has exported to FFIN at a profit. FFPS has not claimed market economy status and therefore the Authority has evaluated the normal value on the basis of cost of production filed by domestic industry with appropriate adjustments as also stated in the finding in other relevant paragraphs. Thus, the normal value for violet plates comes to \*\*\* US\$/sqm.

(b) Export Price

51. The ex-factory export price for violet plates comes to \*\*\* US\$/sqm, allowing adjustments on ocean freight, insurance, inland freight, port expenses, credit cost. The landed value for violet plates comes to \*\*\*US\$/sqm.

**F.5 Determination of Normal Value and Export Price for cooperating producers and exporters in Korea RP****A. M/s. Jeil C&P Co. Ltd.**(a) Normal Value

52. M/s. Jeil C&P Co. Ltd. (producer and exporter) has filed EQR. M/s. Jeil C&P Co. Ltd. has exported \*\*\* sqm of UV CtP plates to India during POI at a CIF value of \*\*\* US\$. As regards normal value, the Authority notes that \*\*\* sqm of UV CtP plates has been sold in the domestic market at a price of \*\*\* US\$. The cost of production claimed for has been accepted. On the basis of cost of production claimed, for the purpose of provisional duty, the OCT test has been carried out, which indicates \*\*\*% of sales are profitable. The adjustments considered for normal value are inland transportation, credit cost, and ware house storage. Based on the above the normal value is determined as \*\*\*\$/sqm.

(b) Export Price

53. The Authority has evaluated the ex-factory export price for UV CtP plates is considered as \*\*\*US\$/sqm. Adjustments have allowed as claimed except duty draw back. As regards various adjustments sample evidences have been provided except the evidence of duty drawback received has not been provided. The aforesaid treatment of adjustments is for the purpose of provisional duty, subject to further verification/investigation. The landed value for UV CtP plates comes to \*\*\*US\$/sqm.

**F.6 Determination of Normal Value and Export Price for cooperating producers and exporters in Taiwan**(a) Normal Value

54. As none of the producers/exporters from Taiwan have responded, the Authority has constructed the normal value for all producers/exporters on the basis of best available information in accordance with Rule 6 (8) by adopting cost of production in India with adjustments on account of international raw material prices, power costs as per Domestic Industry's data, normated conversion costs, SGA and a reasonable profit of \*\*\*% on the cost of production. The normal value comes to \*\*\*\$/sqm for the POI.

(b) Export Price

55. As none of the producers/exporters have cooperated, the Authority has adopted the DGCIS's import data for determining the CIF price. The exfactory export price comes to \*\*\*\$/sqm, the landed value is evaluated as \*\*\*US\$/sqm. the Authority has constructed the normal value for all producers/exporters on the basis of best available information in accordance with Rule 6 (8) by adopting cost of production in India with adjustments on account of international raw material prices, power costs as per Domestic Industry's data, normated conversion costs, SGA and a reasonable profit of \*\*\*% on the cost of production. The normal value comes to \*\*\* \$/sqm for the POI.

**F.7 Determination of Normal Value and Export Price for cooperating producers and exporters in Japan****A. M/s. Fujifilm Corporation, Japan and M/s. Fujifilm Global Graphics System, Japan ("Fujifilm Japan")**(a) Normal Value

56. Fujifilm Corporation has filed the EQR. Fujifilm Corporation has sold in domestic market through its related co. i.e. M/s. Fujifilm Global Graphics System (FFGS) whereas it has exported directly to India to M/s. Fujifilm India Pvt. Ltd., its related importer. Based on the cost of production claimed by the Fujifilm Corporation and the weighted average domestic selling price of both thermal and violet plates the weighted average normal value is considered as \*\*\*\$/sqm,



thereby evidencing the dumping margin to an extent of \*\*\*\$/sqm. The Authority notes that no adjustments have been claimed and also that separate cost of production has not been provided for thermal and violet categories. Neither the transaction wise data of domestic sales by FFGS has been provided. Therefore, weighted average dumping margin as evidenced has been considered for both categories for the purpose of preliminary findings. Also FFGS graphics supply is through a value chain partner in domestic sales for a small quantity it has not filed separate questionnaire response.

(b) Export Price

57. As regards to the exfactory export price, the Authority notes that producer/exporter has not claimed any adjustments. The ex-factory export price for thermal and violet plates comes to \*\*\*\$/sqm and \*\*\*\$/ sqm respectively. The landed value for thermal and violet plates are adopted as \*\*\*\$/sqm and \*\*\*\$/ sqm respectively.

**F.8 Determination of Normal Value and Export Price for cooperating producers and exporters in Vietnam**

**A. M/s. Mylan Printing Media Corporation**

(a) Normal Value

58. M/s. Mylan Printing Media Corporation has not filed the EQR in the structured format. No data on domestic sales, cost of production, adjustments or even the export details have been provided. Thus, the Authority has constructed the normal value for all producers/exporters on the basis of best available information in accordance with Rule 6 (8) by adopting cost of production in India with adjustments on account of international raw material prices, power costs as per Domestic Industry's data, normated conversion costs, SGA and a reasonable profit of \*\*\* % on the cost of production. The normal value comes to \*\*\*\$/sqm for the POI.

(b) Export Price

59. As none of the producers/exporters have cooperated, the Authority has adopted the DGCIS's import data for determining the CIF price. The exfactory export price comes to \*\*\*\$/sqm, after considering the adjustments as per the consistent practice as also stated in the petition. The landed value is evaluated as \*\*\*US\$/sqm.

**F.9 Dumping Margin**

60. The ex-factory export price to India has been compared with the normal value to determine dumping margin. The table below shows the weighted average dumping margins during the POI for all the producers of the subject countries.

61. It is seen that the dumping margins are significant and more than the limits prescribed under the AD Rules in respect of exports made from each of the subject countries.

S. No.	Country	Producer	Net Export Price	Dumping Margin	Dumping Margin	Dumping Margin
			(USD/Sqm)	(USD/Sqm)	(%)	(Range)
1	China PR	Lucky Huaguang Graphics Co. Ltd.	***	***	***	31-40
2	China PR	Kodak China Graphic Communication Co. Ltd.	***	***	***	0-10
3	China PR	Shanghai Strong State Printing Equipment Limited	***	***	***	41-50
4	China PR	Fujifilm Printing Plate (China) Co. Ltd.	***	***	***	(-) 0-10
5	China PR	All Others	***	***	***	31-40
6	Korea RP	Jeil C&P Co. Ltd.	***	***	***	0-10
7	Korea RP	All Others	***	***	***	31-40

8	Japan	Fujifilm Corporation	***	***	***	51-60
9	Japan	All Others	***	***	***	11-20
10	Taiwan	All Others	***	***	***	41-50
11	Vietnam	All Others	***	***	***	31-40

## G. INJURY ASSESSMENT AND CAUSAL LINK

### G.1. Submissions made by the Domestic Industry

62. The submissions made by Domestic Industry are as follows:

- a. It is submitted that the Petitioner has over \*\*\* crores invested in its manufacturing facilities and other assets, and it continues to invest to enhance its capacities.
- b. As on date, the Indian industry has installed capacity of approximately \*\*\* million square metres per annum, including the capacity of boxed line, which is sufficient to meet the domestic demand.
- c. Post removal of AD Duties, the imports have witnessed a substantial and unprecedented rise in terms of volume and that too at the cheap and dumped price.
- d. The volume of imports increased from subject countries from 100 indexed points in 2015-16 to 217 indexed points in POI (A) witnessing a sharp increase of 117 indexed points.
- e. The volume of imports from subject countries has increased by about 47% in POI from FY 2017-18 (when duties were in place on China PR).
- f. As per the updated import data, the imports from Taiwan are 3.11% of total imports and therefore above the *de-minimis* quantity of imports.
- g. As regards the methodology adopted by the Petitioner for segregating the import data is concerned, the methodology remains the same which was considered and verified by the Hon'ble Designated Authority in Original and SSR Investigation on subject goods conducted by the Authority.
- h. The market share of the Petitioner has fallen from \*\*\*\*% in FY 2017-18 to \*\*\*\*% in POI, i.e. \*\*\*\*% decrease in market share post removal of AD Duties on the PUC from China PR.
- i. The landed price from all the subject countries put together have decreased by about 11% in the POI compared with base year. On the other hand, the cost to make and sell has increased by about 2% during the same period. The Petitioner was forced to keep its prices below its cost to compete with the cheap imports.
- j. The price undercutting for each of the subject country is positive and substantial. In fact, the price undercutting from Japan has turned positive in the POI from negative in the earlier period.
- k. The import price from subject countries is much below the non-injurious price (NIP) for all the subject countries. The low-priced imports are undermining the performance of the Petitioner.
- l. Profitability of the Petitioner has been affected substantially post-removal of AD Duties from China PR. The Petitioner started incurring losses in the POI when there was no protection of AD duties whereas the Petitioner was earning a marginal return during the injury period when the Petitioner was protected with AD Duties from China PR.
- m. The return on Investments for domestic sales has decreased to \*\*\*\*% in POI (A) from \*\*\*\*% in FY 2017-18 witnessing a sharp decline of about \*\*\*\*% post removal of AD Duties from China PR. This sharp decline is clearly on account of the dumped imports from subject countries.
- n. The cash profits of the Petitioner have declined from INR \*\*\* Lakhs in FY 2017-18 to INR \*\*\* Lakhs in POI(A). Similarly, the cash profit per unit declined from INR \*\*\*/SQM to INR \*\*\*/SQM during the same period.
- o. The inventories of the Petitioner have increased substantially in the POI to \*\*\*Million SQM compared to \*\*\*Million SQM in FY 2017-18 particularly after the discontinuation of AD Duties from China PR, witnessing an increase of 66% in the volume.

- p. Contrary to what certain interested parties have sought to argue, the inventories of the Petitioner have increased by 48 indexed points in the POI when compared to the base year.
- q. The Domestic Industry was forced to stop its capacity expansion plans. It is pertinent to note that the Domestic Industry has already purchased the said production line which is currently kept idle. The stated boxed up capacity is nearly 30% of the total current installed capacity.
- r. The capacities installed in China PR and the other subject countries are mostly export-driven capacities as the capacities are much more than the domestic consumption.
- s. Capacity utilization and production of the Petitioner has witnessed an increase on account of debottlenecking exercise undertaken by the Petitioner. The exercise has enabled the Petitioner to efficiently use the capacities to the optimum level.
- t. The dumped imports from subject countries have forced the Petitioner to reduce its prices, which have resulted in massive losses to the Petitioner. In order to minimise the impact of onslaught of dumping and to retain its core customers the Petitioner had to resort to imports from one of the subject countries.
- u. The increasing trends in imports of the PUC coincides with the negative trend in injury parameters of the Petitioner, particularly price parameters which demonstrates the causal link. There exists sufficient evidence to show that there is actual injury and a real and imminent threat of more acute material injury.
- v. The increase in imports is more than the increase in demand. This is evident from the Petitioner's fall in market share by almost 7% in the POI when compared to the base year.
- w. The fact that some volume injury parameters may not show a negative trend does not ipso facto mean an absence of injury.
- x. The injury analysis is undertaken on cumulative basis, and therefore arguments such as Kodak's exports not undercutting the price or Kodak's exports remaining constant are irrelevant for injury analysis.
- y. The argument that in the previous investigations, the Hon'ble Authority recommended plate-wise duties and therefore, the volume and price injury analysis must be done on PCN basis is wrong. In fact, in previous investigations, the injury analysis was undertaken cumulatively for the PUC as a whole.
- z. Injury, both material and threat, to the Domestic Industry has been caused only by the dumped imports, thus establishing the causal link.
- aa. The Petitioner has no objection to the Hon'ble Authority choosing to segregate the imports made by the Petitioner while assessing the injury,
- bb. There have been suggestions made by Kodak that the injury margin should be determined at the first sale of independent price i.e. at the level of Kodak India. The calculation of the first independent re-sale price by a related importer is prescribed to determine the ex-factory export price for dumping margin calculation and not for injury margin calculations.
- cc. It is submitted that there is no requirement for a cooling-off period under the applicable laws, including the AD Agreement. In any event, the Petition has demonstrated existence of material injury in its petition and the opposing interested parties have failed to effectively rebut the existence of material injury to the Domestic Industry.
- dd. Trade Notice No. 02/2004 does not take away the discretion of the Hon'ble Authority concerning selection of the period of investigation and injury period. The Petitioner has fully complied with the desired language of the said Trade Notice.
- ee. Nothing in the Act or the Anti-dumping Rules or the WTO Agreement on Implementation of Article VI of the GATT 1994 (AD Agreement) prohibits a period of investigation comprising of 9 months.

## **G.2.Submission by other interested parties**

63. The submissions made by the exporters, importers, users and other interested parties with regard to injury and causal link, considered relevant by the Authority, are as follows:
- a) Some interested parties have sought to assail the initiation of the present investigation on the grounds that: (i) there cannot be a gap period of April 2018 to June 2018 in the injury period; (ii) injury period must be a complete financial year. Interested parties have relied on the Trade Notice No. 02/2004 dated May 12, 2004 to

argue there must not be any gap in the injury period and the POI and that the injury period must be complete financial years.

- b) It is categorically mentioned in Para 2(iii) of the trade notice that there should be no gap but there can be overlap between the POI and the previous financial years.
- c) The Corrigendum Notification again departed from the Trade Notice No. 2/2004 dated 12th May 2004 which specifically says that the injury period can only be financial years.
- d) The present investigation is a clear deviation from the Trade Notice which clearly says that injury period should always be financial years and on contrary it has been taken as 15 months annualized for year 2017-18 on a pro-rata basis (as done in the application) or 3 months (As done by the Authority vide the Corrigendum Notification).
- e) The Authority, in the present investigation has determined POI for 9 months, whereas the general practice of the Authority is to consider it for 12 months. The period of nine months is taken only in exceptional circumstances. The respondents fail to understand what facts make the present investigation as "exceptional".
- f) A cooling off period must be considered in order to analyze the true picture of the performance of the Applicant industry after the removal of ADD.
- g) The Authority is requested to revise the POI of the present investigation as the financial year 2018-19. More importantly, the Authority is requested to seek the import data of the Domestic Industry during the gap period and make the information available to interested parties.
- h) Some of the interested parties apprehend and allege that this gap was the months during which the Petitioner could/would have imported large quantities of the PUC.
- i) The two thirds of the injury period for the on-going case overlaps with the previous case terminated. Unless there has been a dramatic change in market situation, the current investigation cannot be justified in consideration of the result of the sunset review.
- j) The Authority is requested to immediately terminate the investigation on account of the inappropriate selection of the injury period and the POI as the whole investigation such as Domestic Industry standing, injury analysis is based on the same.
- k) Data filed by Applicant should be considered incomplete and the Authority should terminate the investigation in terms of Rule 14 of Anti-dumping Rules.
- l) It was submitted that there is no material injury to the Domestic Industry or if there is any injury that is self-inflicted and the material injury, the threat of material injury and material retardation are exclusive and cannot co-exist.
- m) The petitioner company is one of the world's largest suppliers of print solutions and having well established business for more than 50 years as claimed by the petitioners during the oral hearing. Thus, there is no case of material retardation to the establishment of the domestic industry.
- n) The raw material prices are declining (irrespective of SME and LME, as both shows decline), the Petitioner has shown increase in costs. It is this increase in costs that has caused decline in profits, ROI and cash flow which cannot be attributed to the dumped imports.
- o) The Applicant industry had incurred losses despite decline in imports during 2016-17 and AD duty in force indicating no causal link between the alleged dumped imports and the injury suffered.
- p) The injury, if any, is being suffered by the Petitioner on account of the imports of the subject goods from other exporters based in China PR and not on accounts of imports of PUC from Fujifilm Group.
- q) The share of imports of subject goods from China PR accounts for 78.90% in total imports from the subject countries during POI(A) which is very significant as compared to the share of imports from other subject countries.
- r) Significant surplus capacity is available with the Chinese exporters particularly with Lucky Huaguang Graphics Co China and Kodak China resulting in low prices from China PR. Lucky Huaguang Graphics Co China is getting several incentives from the government as it is a state-owned company. Further, it is also

- benefited from the cheap raw material that it purchases from SHFE. It is a known fact that SHFE is also controlled by the government.
- s) The selling price of the Applicant industry is affected by various factors such as the volatility in the price of Aluminum, Memorandum of Understanding (MoU) signed between the user associations and the Applicant industry, internal competition etc.
  - t) The imports have increased significantly. However, the mere fact that imports have increased does not per-se imply that the Domestic Industry is injured. Any increase in import does not mean injury to the Domestic Industry. If increase in imports is considered along with increase in demand, it would be seen that the increase in imports is in fact less than increase in demand.
  - u) Use of CtCP digital plates is increasing not only in recent period but also over the past quite some time. the consumers in fact found with cessation of ADD that use of CtCP plates is now more advantageous as compared to use of PS Plates and no ADD on CtCP plate in fact must have led to significant consumers shifting to CtCP plates from PS plate.
  - v) It must be seen that there is increase in demand throughout the injury period whereas capacity of the Petitioner has declined. Given the fact that the capacity utilization of the of the Petitioner is approx. 100% any averment of the Petitioner with regard to injury due to imports, is baseless.
  - w) Petitioner engages in importing the subject goods, causing the inventories to increase. Hence, any injury if it exists, is self-inflicted and not attributable to the Exporters.
  - x) The Petitioner has been able to increase sales increased throughout the injury period despite there is increase in imports.
  - y) Kodak has already submitted that KCGCCL is engaged in exporting subject goods to India which are imported by its related entity, KIPL. After import, KIPL incurs multiple expenses before reselling the imported products in the Indian market. Therefore, in order to undertake an objective analysis, the reselling price of KIPL (at ex-factory level) should be compared with the NIP determined by the Authority to arrive at injury margin.
  - z) Kodak submits that the domestic buyers/users of subject goods compare the price of goods sold by KIPL and TechNova to select their supplier of goods. The decision to purchase the goods depends on the price difference between KIPL's and TechNova's selling price. As a result, the landed price of imports by Kodak can in no way cause injury to domestic industry. Injury to TechNova would only exist (if any) when KIPL sells goods in the domestic market at a price below fair price i.e. NIP/TechNova selling price. Therefore, Kodak request the Authority to undertake injury margin determination by comparing KIPL's domestic selling price with TechNova selling price.
  - aa) Capacity utilization shows increasing trend throughout the injury period.
  - bb) Production has increased throughout the injury period. The Petitioner could not have produced more, given that the capacity utilisation had already crossed 100%.
  - cc) The injury data shows increases in key volume parameters such as production, sales, capacity utilization etc. Though the inventory increased it cannot be linked to any down fall in domestic sales as the sales have increased.
  - dd) Applicant was having a monopolistic position in the market till recent times by the virtue of single producer status and also the ADD which was in force till recent times.
  - ee) Production of PUC has increased from 100 (indexed) in base year 2015-16 to 116 (indexed) during the POI (A). The capacity utilization of the Applicant has increased positively from 100 (indexed) in the base year to 132 (indexed) during the POI (A).
  - ff) The share of the domestic producers (mainly Petitioner) in total demand during the POI (A) is 61.15% which demonstrates that the Applicant is able to capture significant market share despite the discontinuation of ADD in June 2018.
  - gg) The NSR of the Applicant in the present investigation shall also be above their NIP as found in the SSR case as above.

- hh) The landed value of goods exported by Kodak is above the NIP claimed by TechNova and there is negative price underselling. There is no prices suppression and depression caused by exports from Kodak.
- ii) The Petitioner cannot cater the prevailing demand in India hence, the imports has to take place from outside India. Petitioner is not producing all types of subject goods, in fact, they have imported different types of subject goods from other countries and sold in India.
- jj) If anti-dumping duty is levied on the product under consideration, then as a result, the Petitioner could easily manipulate the price of the product under investigation in the domestic market and also have high potential to bring up the price unreasonably in order to earn monopoly profits. The performance of the downstream industry will be adversely affected.
- kk) A middle path be adopted by the Government i.e. there should neither be unfair competition nor there should be any attempt to create monopoly position by any of the party, rather balanced approach be adopted.
- ll) The exporters of the product under consideration offered different sets of prices of the similar products originating from China PR and products originating from Europe Union. The prices offered for the Chinese origin products are much lower than that of European Union origin product.
- mm) It is in our interest to protect the local manufacturing industry of offset plates in the long run by providing adequate relief or protection to the industry.
- nn) Price undercutting and underselling etc as it stands today is not reliable as the Petitioner is yet to submit the complete and actual information of imports for the POI.
- oo) Price of import from Taiwan was Rs. 233 to 208 per SQM in case of China PR, the price from Taiwan was Rs. 182 to 186 per SQM except for 2015-16 and POI. Thus, volume and price of imports of PUC from Taiwan requires serious fact checks and the data as presented now do not look reliable and complete.
- pp) The CIF export price of subject merchandise from Korea increased during the injury period. In the Exhibit 5 of the petition, the CIF unit price (INR/SQM) of the Korean products was 187.52 Indian Rupee in 2016-2017, 200.64 Rupee in 2017-2018, and 202.15 Rupee during the injury period.
- qq) The self-imports made by the Applicant have a serious ramification viz. their eligibility as Domestic Industry and on top of it and most importantly such self-imports shows clear breach of causal link in the present matter
- rr) The Petitioner was also aware of the fact that the injury is caused by the increase in the price of Aluminum as clearly mentioned at the page 35 of the petition.
- ss) Import as present in the petition shows the need for a PCN wise comparison for purpose of dumping and injury as there are significant variation in inter se types of PUC.
- tt) There exists a substantial price difference between CtCP plates and Thermal plates (around 45-50 percent). Therefore, the Authority should undertake the evaluation of import volume, normal value, ex-factory price, landed value and all injury parameters (both volume and price) for each sub-category /PCN. Therefore, volume and price injury must be assessed on a PCN basis.
- uu) Lower domestic selling price charged by TechNova; other exporters/importers were forced to lower their price to sustain in the Indian market.
- vv) The production of other domestic producers has increased by 50 percent. Despite the same, the remaining producers have not filed data to substantiate injury on account of imports.
- ww) There is no increase in inventory levels. Inventory has increased on account of imports and decline in export sales.
- xx) There is negative price undercutting and price underselling for Kodak.
- yy) There is negative volume injury from Kodak as exports by Kodak has remained almost constant. There is no likelihood of volume injury on account of imports by Kodak.
- zz) The Authority is requested to undertake injury margin determination by comparing KIPL's domestic selling price with TechNova selling price.
- aaa) While there is increase in imports, the same is commensurate with increase in demand.

- bbb) The Petitioner is unable to explain the real reason behind losses when it was profitable in the previous year. Importantly, when the raw material prices have come down, and selling price remained flat, the minimum that can be inferred is that the Petitioner would have taken advantage of that to make profits.
- ccc) Fixed expense of the plant shut down – Since Petitioner had admittedly shut down one of its production facilities, it appears that the fixed cost of that plant has been apportioned to the PUC. This same should not be allowed.
- ddd) The Petitioner has filed false and misleading data to reflect higher London Metal Exchange (hereinafter referred to as ‘LME’) prices than Shanghai Metal Exchange (hereinafter referred to as ‘SME’), when there is data to prove that the LME prices were in fact lower than SME and have been consistently declining.
- eee) The Petitioner’s increase in cost of production, when the raw material prices have decreased. The Authority is requested to kindly ascertain the reasons for increase in cost.
- fff) Price undercutting remaining at similar levels, the import volumes increased significantly in the POI. Thus, there seems to be no link between the alleged price undercutting and the increase in import, as with the increase in price undercutting the import does not seem to be increasing proportionally.
- ggg) Imports are increasing due to increase in demand and the gap in the demand-supply of the Domestic Industry.
- hhh) The domestic sales of the PUC by the Applicant industry has increased significantly from 100 (indexed) in the base year to 114 (indexed) during the POI(A).
- iii) Despite the shutting down of one of the production line of the Applicant industry and reduction in number of employees working in the industry, there is significant increase in the productivity of the employees during the entire injury period and the POI (A).
- jjj) The domestic sales of the other domestic producers have increased from 100(indexed) in the base year to 110 (indexed) during the POI (A).
- kkk) There is reduction in the number of employees which is due to shutting down of one production line of the Applicant which has resulted in reduction in the capacity.
- lll) Mere existence of injury does not lead to the conclusion that there exists likelihood of dumping and injury
- mmm) The Petitioner has also not claimed injury in respect of volume parameters, barring inventories.
- nnn) The Petitioner has admittedly reduced capacities. In a situation where demand for the product is increasing so rapidly, it is not usual that the company reduces its capacities.
- ooo) Raw material price and import price declined in the POI as compared to previous years, selling price of the Petitioner remained flat.
- ppp) Reduction of production in PS plate and increase in production of digital plates has led to apportionment of expense disproportionately onto digital plate.
- qqq) If there had been price undercutting, the imports would have increased substantially.
- rrr) The reason for injury in its profit/loss is not the alleged dumped imports but some other factors such as shutting down of one of the production line of the Petitioner.
- sss) There cannot be price suppression, as there is no reason to increase prices when raw material prices are falling down.
- ttt) Certain interested parties have argued that the imposition of anti-dumping duties will lead to the monopoly of the Petitioner.
- uuu) The selling price of the PUC has been consistently below the cost of sales of the PUC despite the AD duty in force.
- vvv) Certain interested parties have stated that price of the PUC is impacted by several factors including the Memorandum of Understanding between the Petitioner and the user industry.
- www) Some interested parties have argued that the imports are necessary since the Domestic Industry does not have capacity to meet the demand.

- xxx) There is also an allegation that since Agfa Graphics and Lucky have entered into a strategic alliance in the graphics business (for the subject merchandise) and the former supports them with technology as well as with intellectual property, that somehow causes the Petitioner to become related to Lucky.
- yyy) Kodak submitted that: (i) the market distortion reports of foreign governments are not binding on the Hon'ble Authority; (ii) the alleged market manipulation does not pertain to the POI; (iii) the issues of currency manipulation can only be authoritatively looked by institutions like the IMF, World Bank or the RBI; (iv) Indian currency has devaluated more than RMB in the POI. On this basis, Kodak seeks market economy treatment.
- zzz) Lucky and Kapoor have alleged that raw material prices have declined which should have resulted in a decline in the cost to make and sell.
- aaaa) Levying of anti-dumping duty would impact on the user industry.
- bbbb) Two newspapers do not make up the whole industry, since India is home to more than 500 daily Newspapers. Therefore, views expressed by them, colored by the fact that they have entered into supply agreements with the Applicant, makes their submissions suspect and unworthy.
- cccc) Market Share of the Applicant has been increasing YOY. It has had a slight decline during the POI wherein as per the CSO estimates all the sectors of the economy have faced a decline and hence it is no surprise that the Applicant has also faced downfall in demand.
- dddd) The profit percentage has been wavering from 100 -59 -128 -63 -115 which shows that the profit margin is not in relation to the imposition or otherwise of the Anti-dumping duty but due to other reasons.
- eeee) The price has remained stable over the four-year period but also that there is no decline in the prices between 17-18 & 18-19 inspite of the fall in Prices of Aluminium, which accounts for 70% of the cost showing that even the Chinese producers have actually increased the prices. The other countries are too meagre to make an impact.
- ffff) Post cessation of anti-dumping duty, petitioner has shut down one of its plant. The other two plants are operating at 100%+ and 50% capacity respectively. This is a case where plant is probably reaching its life due to which quality products are not being produced. Thus, petitioner has been unable to meet the increasing demand, hence, the need for imports.
- gggg) Petitioner is shielding itself from imports by taking advantage of the cheaper price of imports.
- hhhh) The instant case falls under the category of *Imports by petitioner itself-from unrelated exporter*. The petitioner is party to the alleged dumping, hence cannot claim injury. Parameters such as core business test and participation in dumping must be judged and applied in this case.
- iiii) Anhui submitted that the petitioner is still importing the subject goods from the subject country and has not claimed the same anywhere in the petition or written submissions filed by them. Instead, petitioner has stated in Para 4 e) of the written submissions that imports have stopped, however, these are false statements. The petitioner might have stopped importing the subject goods in India but has started importing the same at UAE port in its own name. The details of imports made by Technova Imaging Systems (P) Ltd. from Shanghai Strong State Printing Equipment Ltd. at UAE port during the post-POI was provided. It shows that petitioner is trying to mislead the authority.
- jjjj) The import volumes of China shown in this Table do not match with the import volumes in the SSR for the same period indicating that the Applicant is giving manipulated data in his tables and hence the Application itself is liable to be rejected by the DA.
- kkkk) Even if the Anti-dumping Duty is to be imposed, it is requested that the same may be imposed on the basis of Basic Cost of Aluminium Ingot as quoted on the LME Plus Conversion Charges.
- llll) The fact that the Applicant has again sought resumption of ADD soon after finding of the DA in the SSR shows the attitude of the applicant in obtaining profits by any means. He had filed Petition against the SSR in Delhi High Court and then withdrawn it for carrying out his imports and subsequently, filed the present application to pressurise the DA.
- mmmm) The representative of Hindustan Times, who supports ADD does not represent the whole of the newspaper Media, which is huge compared to the consumption by HT Group.



- nnnn) The applicant during hearing has stated that the Chinese Currency, RMB has depreciated by 10% against the US Dollar, which is incorrect. The devaluation is 3% whereas the Indian Currency (at time of Hearing had depreciated by over 5%). Presently, the depreciation of Indian Currency is higher, which already cushions the applicant from cheaper imports.
- oooo) ADD has been imposed for a good ten year period on the subject goods, which contributed handsomely to the profits of the applicant. The government cannot cater to the profits of a sole industrialist to the detriment of the Nation at large.
- pppp) The selection of EU, as a third country by the applicant himself is improper, since that power to select a third country has been given only to the DA in terms of Rule 7 of the AD Rules. In any case, EU & India are not similarly placed countries since EU is a mostly a producer and User of Thermal Plates and not CTCP and Violet plates which is mainly consumed in India and other South East Asian Countries.
- qqqq) Cloak of secrecy on all data by terming them as confidential, whether in working out Normal Price, Ex-factory Price, Injury, their own Balance Sheet and production data resulting in all data not being subjected to scrutiny by other interested parties. Profit Margin has wavered between positive to negative for the applicant whether or not ADD was existent on these products.
- rrrr) Price of China Imports at Rs 200-220/- which compares with that of other similarly placed countries & acceptable in terms of Section 14 of Customs Act, 1.962. The price of Chinese plates has remained consistent (-10%) during the 3-year period and the POI.
- ssss) Section 9A(ii)(a) mandates that the price shall be compared based on sales made to third countries. The DRI of CBIC maintains offices at all major cities of the world, who can supply the information for comparative analysis. This is all the more required since the data submitted by DGCIS is completely flawed due to improper description of quantities and description in the Bills of Entry, which has corrupted the data. It is not known as to how the Applicant hds worked out the data.
- tttt) During the post-POI, the petitioner continued to purchase the PUC from Shanghai Strong and the last batch was shipped on June, 2019. This needs to be critically examined by the Authority.
- uuuu) The exporter submitted that as para 4.9.20 (v) of the Manual of Operating Practices for Trade Remedy Investigations, there are no exceptional circumstances whereby the imports have taken place. The imports are regular, constituting 53.41% of our total exports to India. The petitioner is also importing the subject goods during the post-period of investigation.
- vvvv) Embassy of Taiwan submitted that no material change has been observed in the year of 2017-2018 and the POI in respect of the imports from Taiwan. It seems that what the Applicant was not able to do directly is now seeking to do indirectly by initiating the present investigation on the imports of PUC from Taiwan.
- wwwv) As to the question of increase in the imports of Taiwan during the POI, it should be noted that the demand of the PUC has considerably increased during the POI and therefore it cannot be said that the incoming imports from Taiwan have caused injury to the Applicant only on account of increase in imports from the said Country.
- xxxx) The vital requirement to establish dumping is to show a causal link between the dumped articles and the injury caused to the domestic industry. In the case at hand, the domestic industry seems to have maintained a healthy production, capacity utilisation and sale of the PUC. It would be wrong on the part of the Applicant to pace its sales at the pace of the increasing demand, and to further say that non-fulfilment of the same would constitute dumping of imports from the subject countries. The test to establish dumping would only be direct injury to the Applicant from the dumped goods.
- yyyy) Kodak submits that the Authority should include the other domestic producers viz. (i) Metrostar; (ii) Akshaya Imaging and; (iii) Orion within the scope of 'Domestic Industry' and seek data of all economic parameters from them.
- zzzz) Embassy of Korea submitted that subject merchandise originating from Korea RP is not the cause of the alleged injury in this investigation. The CIF export price of the subject merchandise from Korea increased during the injury period.

- aaaaa) Total consumption of digital plates of all types of around 40 million sq.mtr. so it is big business for plate manufacturers both domestic and international. We earnestly expect the Govt. to take note of this while deciding the matter.
- bbbbbb) The Indian printers majority of whom belong to small and medium category should be able to get the subject plates at optimal price and the quality of the plates should be good. The Federation expects that the manufacturers should take utmost care of their plant so as to manufacture quality products in sufficient quantity
- cccccc) There should be established platform for the redressal of day to day operating problems faced by the printers on call and physical also for all category of plates UVCTP, thermal, violet, kampfree etc.
- dddddd) Government while deciding this matter must make it obligatory on the part the parties to this petition, to provide adequate measures for redressing the day to day operating problems faced by the printers
- eeeee) The All India Federation of Master Printers submitted that the Indian Govt. should not allow an manufacturer to use Anti-Dumping Duty as a weapon to create a monopoly position for the PUC. And we will never support any company / manufacturers/ Industry who is trying to use this as a shield to protect their manufacturing/financial/survival or other problems.
- fffff) KIPL is suffering injury in the domestic market on account of dumped imports by TechNova and resale of said dumped imports by TechNova in the domestic market at unfair price.
- ggggg) Applicant has resorted to importing of subject goods (process free plates) from Belgium and other countries. Therefore, the Authority is requested to conclude that injury to TechNova is on account of intrinsic factors and there is no causal link between imports and alleged injury.

### **G.3. Examination of the Authority**

- 64. The Authority has taken note of the submissions made by the interested parties and has examined various parameters in accordance with the Anti-Dumping Rules after duly considering the submissions made by the interested parties.
- 65. With regard to the contention of the interested parties that there cannot be a gap in the injury period and the injury period must be a complete financial year, the Authority notes that the Corrigendum Notification dated 3 July 2019 clearly states that the injury investigation period will cover the period April 2015 - March 2016, April 2016 - March 2017, April 2017 - March 2018, 1/4/2018 to 30/6/2018 and the POI. As regards to the inconsistency on the inclusion of period April 2018 to June 2018 in FY 2017-18 for the purpose of comparative injury analysis as April 2017 to June 2018 (A), the Authority notes that the Petitioner has furnished the data separately for FY 2017-18, April-June 2018 and April 2017 to June 2018 (A).
- 66. As regards the submission that the period of investigation cannot be less than 12 months, the Authority notes that the Act or the Anti-dumping Rules or the Anti-dumping Agreement does not prohibit a period of investigation comprising of 9 months. The guidelines of the committee on Anti-Dumping practices regarding duration of period of investigation adopted on 5th May, 2000 recognizes that the Investigating Authorities may consider appropriate POI's on a case specific basis which cannot be less than six months. In the instant period of investigation, the period of investigation is of nine months which is compatible with the WTO guidelines. The Authority has adopted the period of investigation of less than 12 months in the past anti-dumping investigations.
- 67. As regards the submissions that cooling off period must be considered in order to analyze the true picture of the performance of the Applicant industry after the removal of anti-dumping duty, the Authority notes that there is no requirement for a cooling-off period under the applicable laws, including the AD Agreement.

### **Cumulative Assessment**

- 68. Para (iii) of Annexure II of the Anti-Dumping Rules provides that in case where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti- dumping investigation, the Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that:
  - a) Margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of imports from each country is three percent (or more) of the import of like article or where the import of individual countries is less than three percent, the imports collectively account for more than seven percent of the import of like article; and

- b) Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in the light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.
69. The Authority notes that:
- a) The subject goods are being dumped into India from subject countries. The margin of dumping from each of the subject countries is more than the de minimis limits prescribed under the Rules.
- b) The volume of imports from each of the subject countries is individually more than 3% of total volume of imports.
- c) Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate as the exports from the subject countries not only directly compete inter se but also with the like articles offered by the Domestic Industry in the Indian market.
70. In view of the above, the Authority considers that it is appropriate to assess injury to the Domestic Industry cumulatively from imports of the subject goods from the subject countries. Further, the Authority has not included imports of the PUC made by the Petitioner while assessing injury to the Domestic Industry. Accordingly, claims by certain interested parties that injury to the Domestic Industry is self-inflicted has been addressed as the injury analysis has been undertaken after removing the imports of the PUC made by the Petitioner.
71. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the Domestic Industry, "... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...". In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the examination of the impact of the dumped imports on the Domestic Industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, inventory, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the Anti-Dumping Rules.
72. The submissions made by the Domestic Industry and other interested parties during the course of the investigation with regard to injury and causal link, which have been considered relevant by the Authority are examined and addressed as under:

#### **G.4. Volume Effect of Dumped Imports on the Domestic Industry**

##### **(a) Assessment of Demand/Apparent Consumption**

73. The Authority has taken into consideration, for the purpose of the present investigation, demand or apparent consumption of the product in India as the sum of domestic sales of the Indian Producers and imports from all sources. The demand so assessed has increased consistently during the injury investigation period and the POI.

Particulars	Unit	2015-16	2016-17	2017-18	April-June 2018	April 17-June 18 (A)	July 2018-March 2019 - POI	July 2018-March 2019 - POI (A)
Domestic sales of Petitioner	Million SQM	***	***	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	107	117	30	117	85	114
Domestic Sales of other producers*	Million SQM	***	***	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	103	110	27	110	82	110
Import from Subject Countries excluding Petitioners' imports	Million SQM	8.003	9.119	11.804	4.152	12.765	12.239	16.318
Trend	Indexed	100	114	147	52	159	153	204

Import from Other Countries	Million SQM	4.796	2.240	1.392	0.826	1.774	0.994	1.325
Trend	Indexed	100	47	29	17	37	21	28
Imports by Petitioner from Subject Countries	Million SQM						0.761	1.015
Trend	Indexed						100	133
Total Demand	Million SQM	<b>38.255</b>	<b>38.523</b>	<b>42.863</b>	<b>12.591</b>	<b>44.363</b>	<b>35.734</b>	<b>47.645</b>
Trend	Indexed	<b>100</b>	<b>101</b>	<b>112</b>	<b>33</b>	<b>116</b>	<b>93</b>	<b>125</b>

\*Sales volume of other domestic producers have been considered based on the estimated volume provided by the Petitioner.

74. As can be seen from the above table, the dumped imports from subject countries have significantly increased during the POI (A). The Petitioner has not been able to increase the sales of product concerned commensurate with the increase in demand because of the significant volume of dumped imports coming from subject countries. It is evident from the above that while the demand of the product concerned increased by 25 indexed points from 2015-16 to POI (A), the domestic sales of the Petitioner increased merely by 14 indexed points. On the other hand, import quantity of the PUC from the subject countries increased by whopping 8.32 Million SQM or 104 indexed points during the same period. Almost the entire increase in demand has been captured by the imports from subject countries.

**(b) Import Volumes from subject countries**

75. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports from subject countries, either in absolute terms or relative to production or consumption in India.

Particulars	Unit	2015-16	2016-17	2017-18	April-June 2018	April 17-June 18 (A)	July 2018-March 2019 - POI	July 2018-March 2019 - POI (A)
Import from subject countries								
China PR	Million SQM	7.731	7.302	7.609	2.120	7.783	9.611	12.815
Trend	Indexed	100	94	98	27	101	124	166
Japan	Million SQM	0.041	1.100	1.224	0.253	1.182	0.824	1.098
Trend	Indexed	100	2687	2990	618	2887	2012	2682
Korea RP	Million SQM	0.000	0.385	0.902	0.660	1.250	0.708	0.945
Trend	Indexed		100	235	172	325	184	245
Taiwan	Million SQM	0.138	0.264	1.067	0.464	1.225	0.435	0.580
Trend	Indexed	100	191	771	335	884	314	419
Vietnam	Million SQM	0.093	0.068	1.001	0.655	1.325	0.661	0.881
Trend	Indexed	100	74	1080	706	1429	713	950
<b>Total imports</b>	Million	<b>8.003</b>	<b>9.119</b>	<b>11.804</b>	<b>4.152</b>	<b>12.765</b>	<b>12.239</b>	<b>16.318</b>

Particulars	Unit	2015-16	2016-17	2017-18	April-June 2018	April 17-June 18 (A)	July 2018-March 2019 - POI	July 2018-March 2019 - POI (A)
from subject countries	SQM							
<b>Trend</b>	<b>Indexed</b>	<b>100</b>	<b>114</b>	<b>147</b>	<b>52</b>	<b>159</b>	<b>153</b>	<b>204</b>
Imports from other countries	Million SQM	4.796	2.240	1.392	0.826	1.774	0.994	1.325
Trend	Indexed	100	47	29	17	37	21	28
Imports by Petitioner from Subject Countries	Million SQM	-	-	-	-	-	***	***
Trend	Indexed						100	133
<b>Total Imports</b>	<b>Million SQM</b>	<b>12.800</b>	<b>11.359</b>	<b>13.196</b>	<b>4.978</b>	<b>14.539</b>	<b>13.993</b>	<b>18.658</b>
Trend	Indexed	<b>100</b>	<b>89</b>	<b>103</b>	<b>39</b>	<b>114</b>	<b>109</b>	<b>146</b>

76. It is seen that dumped imports of the subject goods from the subject countries have increased in absolute terms from 8.003 Million SQM in 2015-16 to 16.318 Million SQM in POI (A).

(c) Subject Country Imports in relative terms

Particular	Unit	2015-16	2016-17	2017-18	April-June 2018	April 17-June 18 (A)	July 2018-March 2019 - POI	July 2018-March 2019 - POI (A)
Dumped imports from subject Countries in relation to Petitioners' total production	%	***	***	***	***	***	***	***
Range	%	25-35	25-35	35-45	45-55	35-45	45-55	45-55
Dumped imports from subject Countries in relation to Demand in India	%	21%	24%	28%	33%	29%	34%	34%
Range	%	15-25	15-25	25-35	25-35	25-35	25-35	25-35

77. It is seen that the subject dumped imports in relation to production and demand increased in the POI (A) as compared to the base year and previous years. Imports of PUC from subject countries have increased in relation to the Petitioner's production from 25-35 % in 2015-16 to 45-55 % in POI (A) and have increased in relation to consumption in India from 15-25 % in 2015-16 to 25-35 % in POI (A).

**(d) Market Share in Demand**

78. The Authority notes that the market share of the subject imports have increased in the POI (A). The Petitioner has lost market share despite an increase in the demand of the product under consideration in the POI (A)

Particulars	Unit	2015-16	2016-17	2017-18	April-June 2018	April 17- June 18 (A)	July 2018-March 2019 - POI	July 2018-March 2019 - POI (A)
Domestic sales of Petitioner	Million SQM	***	***	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	107	117	30	117	85	114
Domestic Sales of other producers	Million SQM	***	***	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	103	110	27	110	82	110
Import from Subject Countries	Million SQM	8.003	9.119	11.804	4.152	12.765	12.239	16.318
Trend	Indexed	100	114	147	52	159	153	204
Import from Other Countries	Million SQM	4.796	2.240	1.392	0.826	1.774	0.994	1.325
Trend	Indexed	100	47	29	17	37	21	28
Imports by Petitioner	Million SQM	-	-	-	-	-	***	***
Trend	Indexed	-	-	-	-	-	100	133
Total Demand	Million SQM	<b>38.255</b>	<b>38.523</b>	<b>42.863</b>	<b>12.591</b>	<b>44.363</b>	<b>35.734</b>	<b>47.645</b>
Trend	Indexed	<b>100</b>	<b>101</b>	<b>112</b>	<b>33</b>	<b>116</b>	<b>93</b>	<b>125</b>
Share of Petitioner	%	***	***	***	***	***	***	***
Range	%	60-70	60-70	60-70	50-60	60-70	50-60	50-60
Share of Petitioner's Imports from Subject Countries	%	-	-	-	-	-	***	***
Range	%	-	-	-	-	-	0-10	0-10
Share of other Producers	%	***	***	***	***	***	***	***
Range	%	0-10	0-10	0-10	0-10	0-10	0-10	0-10
Share of Subject countries	%	20.92%	23.67%	27.54%	32.98%	28.77%	34.25%	34.25%
Range	%	20-30	20-30	20-30	30-40	20-30	30-40	30-40
Share of Other countries	%	12.54%	5.82%	3.25%	6.56%	4.00%	2.78%	2.78%
Range	%	10-20	0-10	0-10	0-10	0-10	0-10	0-10

**G.5. Price Effect of Dumped Imports on the Domestic Industry**

79. With regard to the effect of the dumped imports on prices, it is required to be analyzed whether there has been a significant price undercutting by the alleged dumped imports as compared to the price of the like products in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices or prevent price increases, which otherwise would have occurred in the normal course. The impact on the prices of the Domestic Industry on account of the dumped imports from subject countries has been examined with reference to price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis, the cost of production, net sales realization (NSR) and the non-injurious price (NIP) of the Domestic Industry have been compared with landed price of imports of the subject goods from the subject countries.

**(a) Price Undercutting**

80. For the purpose of price undercutting analysis, the net selling price of the Domestic Industry has been compared with the landed value of imports from the subject countries. While computing the net selling price of the Domestic Industry all taxes, rebates, discounts and commissions have been deducted and sales realization at ex works level has been determined for comparison with the landed value of the dumped imports. Accordingly, the undercutting effects of the dumped imports from the subject countries work out as follows:

Price Undercutting	Unit	China PR	Japan	Korea RP	Taiwan	Vietnam
Net Sales Realization	INR/SQM	***	***	***	***	***
Landed Price (LV)	INR/SQM	226.50	251.73	203.15	204.33	212.79
Price Undercutting	INR/SQM	***	***	***	***	***
Price Undercutting	% of LV	***	***	***	***	***
Price Undercutting	% Range	10-20%	0-10%	30-40%	30-40%	20-30%

81. From the aforesaid table, it can be seen that the imports from subject countries are coming at prices substantially below the domestic selling price of the Petitioner. Thus, price undercutting during the period of investigation is positive for the subject countries.

**(b) Price Suppression and Depression**

82. In order to determine whether the dumped imports are depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred in normal course, the changes in the costs and prices over the injury period, were compared as below:

Particulars	Unit	2015-16	2016-17	2017-18	April-June 2018	April 17-June 18 (A)	July 2018-March 2019 - POI	July 2018-March 2019 - POI (A)
Cost of Sales	Rs/SQM	***	***	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	98	98	99	98	102	102
Selling price	Rs/ SQM	***	***	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	97	98	98	98	98	98
Landed Value	Rs./ SQM	253.68	244.65	231.31	222.58	229.06	225.32	225.32
Trend	Indexed	100	96	91	88	90	89	89

83. From the above table, it can be seen that the imports from subject countries were coming at prices lower than the cost of

sales of the Domestic Industry. This has forced Domestic Industry to reduce its prices during POI (A) and has led to a situation wherein the Domestic Industry has been forced to sell below its cost of sales during POI ultimately resulting into losses for the Domestic Industry.

**(c) Price Underselling**

84. The non-injurious price (NIP) of the Domestic Industry has been determined and compared with the landed value of the subject goods to arrive at the extent of price underselling. The NIP of the product under consideration has been determined by adopting the verified information/data relating to the cost of production for the period of investigation on the basis of principles mentioned in Annexure III of the Rules. The analysis shows that during the period of investigation, the landed value of subject imports was below the non-injurious price of the Domestic Industry, as can be seen from the table below, demonstrating positive price underselling effect:

Particulars	Unit	China PR	Japan	Korea RP	Taiwan	Vietnam
Non-Injurious Price	INR/SQM	***	***	***	***	***
Landed Price	INR/SQM	226.50	251.73	203.15	204.33	212.79
Injury Margin	INR/SQM	***	***	***	***	***
Injury Margin %	%	***	***	***	***	***
Injury Margin	% Range	10-20%	0-10%	30-40%	30-40%	20-30%

85. From the aforesaid table, it can be seen that the imports are coming into India at a price much lower than the non-injurious price. Thus, the price underselling from the subject countries during the POI is positive and quite significant.

**G.6. Economic Parameters of the Domestic Industry**

86. Annexure II to the Anti-Dumping Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of dumped imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of dumped imports on domestic producers of such products, the Anti-dumping Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the Domestic Industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.
87. The Authority has examined the injury parameters objectively taking into account various facts and arguments made by the interested parties in their submissions.

**(a) Production, Capacity, Sales and Capacity Utilization**

88. Capacity, production, sales and capacity utilization of the Domestic Industry over the injury period is given in the following table: -

Particulars	Unit	2015-16	2016-17	2017-18	April-June 2018	April 17-June 18 (A)	July 2018-March 2019 - POI	July 2018-March 2019 - POI (A)
Capacity	Million SQM	***	***	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	100	92	21	90	63	83
Total Production	Million SQM	***	***	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	100	101	27	102	83	110



Capacity Utilization	%	***	***	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	100	110	127	113	132	132
Production of PUC	Million SQM	***	***	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	104	109	29	110	87	116
Domestic Sales - PUC	Million SQM	***	***	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	107	117	30	117	85	114
Export Sales - PUC	Million SQM	***	***	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	93	92	28	96	64	86
Total Sales - PUC	Million SQM	***	***	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	106	115	30	116	84	112

89. The capacity, production and capacity utilization of the Petitioner is in a positive trend but still the Petitioner has not been able to increase the sales of product concerned commensurate with the increase in demand because of the significant volume of dumped imports coming from subject countries

**(b) Profitability, return on investment and cash profits**

90. Profitability, return on investment and cash profits of the Domestic Industry over the injury period is given in the table below: -

Particulars	UOM	2015-16	2016-17	2017-18	April-June 2018	April 17-June 18 (A)	July 2018-March 2019 - POI	July 2018-March 2019 - POI (A)
Profit % in Domestic sales	%	***	***	***	***	***	***	***
Change in Profit %	%	-	-1.29%	2.17%	-2.04%	1.62%	-3.71%	-3.71%
Profit before Interest and Tax	INR in Lacs	***	***	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	88	112	13	100	14	18
Cash Profit (Loss)	INR/SQM	***	***	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	90	115	67	105	22	22
Cash Profit (Loss)	INR in Lacs	***	***	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	96	134	20	123	19	25
Capital Employed	INR in Lacs	***	***	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	96	93	91	91	103	103
Return on Capital Employed	%	***	***	***	***	***	***	***

Trend	Indexed	100	91	120	14	110	18	18
-------	---------	-----	----	-----	----	-----	----	----

91. From the above table, it is noted that:

- a) Profitability of Domestic Industry has been adversely affected due to intensified dumping by exporters from subject countries. Profit before interest and tax (PBIT) of the Domestic Industry have significantly declined during the POI (A). From PBIT of 100 indexed points in 2015-16, PBIT has substantially decreased to 18 indexed points during the POI (A).
- b) Similarly, cash profits of the Domestic Industry have reduced significantly. From cash profit of 100 indexed points in 2015-16, it has decreased to 22 indexed points during the POI (A).
- c) Return on capital employed during POI has reduced drastically to 18 indexed points in POI (A) from 100 indexed points in 2015-16.

(c) **Employment, productivity and wages**

92. Employment, productivity and wages of Domestic Industry over the injury period is given in the table below.

Particulars	UOM	2015-16	2016-17	2017-18	April-June 2018	April 17- June 18 (A)	July 2018-March 2019 - POI	July 2018-March 2019 - POI (A)
Employment	Persons	***	***	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	91	81	76	81	76	76
Wages	Rs. Lacs	***	***	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	112	106	29	108	78	104
Productivity per employee	Million SQM	***	***	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	115	135	38	136	114	152

93. It is noted that the employment of the Domestic Industry has decreased throughout the injury investigation period and during the POI (A).

(d) **Inventories**

94. Inventory position with the Domestic Industry over the injury period is given in the table below:

Particulars	Unit	2015-16	2016-17	2017-18	April-June 2018	April 17- June 18 (A)	POI
Inventory	Million SQM	***	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	117	89	87	87	148

95. It is noted that the inventories with the Domestic Industry have increased to 148 indexed points during POI as compared to 100 indexed points in 2015-16. Due to increasing imports, the market share of the Domestic Industry has come down and the increased demand has been significantly captured by dumped imports. As a result, the Domestic Industry is having significant accumulated inventories.

(e) **Growth**

96. The Authority notes that growth of the Domestic Industry with regard to domestic sales, profits, return on investment

have been declined and negative during April-June 2018 (A) and the POI (A) as can be seen from the table below:

Particulars (Year on Year)	2015-16	2016-17	2017-18	April 17- June 18 (A)	POI (A)
Petitioner's Production		4%	4%	1%	5%
Capacity Utilization		-	10%	3%	16%
Domestic Sales		7%	9%	1%	-3%
PBIT (Rs. Lakhs)		-12%	28%	-11%	-82%
Return on investment		-9%	32%	-8%	-84%

**(f) Ability to Raise Capital Investments**

97. The Authority notes that given the rising demand of the product in the country, the Domestic Industry has made significant investments in plant and machinery. However, despite these investments, the performance of the Domestic Industry has deteriorated considerably, and further investment may get adversely affected.

**(g) Factors affecting domestic prices**

98. The examination of the import prices from the subject countries, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the Domestic Industry in the domestic market, etc. shows that the landed value of imported material from the subject country is below the selling price and the non-injurious price of the Domestic Industry, causing significant price undercutting as well as price underselling in the Indian market. It is also noted that the demand for the subject goods was showing significant increase during the injury period including the POI and therefore it could not have been a factor affecting domestic prices. Thus, it can be provisionally concluded that the principal factor affecting the domestic prices is the dumped imports of subject goods from subject countries.

**G.7. Magnitude of Injury and Injury Margin**

99. The Authority has determined Non-Injurious Price for the Domestic Industry on the basis of principles laid down in Anti-Dumping Rules read with Annexure III, as amended. The NIP of the product under consideration has been determined by adopting the verified information/data relating to the cost of production for the period of investigation. The NIP of the Domestic Industry has been worked out and it has been compared with the landed price from each of the producers/exporters from the subject countries for calculating injury margin. The 'all others' rate has been determined based on the facts available with the Authority.

S. No.	Country	Producer	NIP	Injury Margin	Injury Margin	Injury Margin
			(USD/Sqm)	(USD/Sqm)	(%)	(Range)
1	China PR	Lucky Huaguang Graphics Co. Ltd.	***	***	***	11-20
2	China PR	Kodak China Graphic Communication Co. Ltd.	***	***	***	(-) 11-20
3	China PR	Shanghai Strong State Printing Equipment Limited	***	***	***	21-30
4	China PR	Fujifilm Printing Plate (China) Co. Ltd.	***	***	***	(-) 0-10
5	China PR	All Others	***	***	***	11-20
6	Korea RP	Jeil C&P Co. Ltd.	***	***	***	11-20

7	Korea RP	All Others	***	***	***	31-40
8	Japan	Fujifilm Corporation	***	***	***	0-10
9	Japan	All Others	***	***	***	0-10
10	Taiwan	All Others	***	***	***	31-40
11	Vietnam	All Others	***	***	***	21-30

#### **H. NON-ATTRIBUTION ANALYSIS**

100. As per the AD Rules, the Authority, inter alia, is required to examine any known factors other than the dumped imports which at the same time are injuring the Domestic Industry, so that the injury caused by these other factors may not be attributed to the dumped imports. Factors which may be relevant in this respect include, inter alia, the volume and prices of imports not sold at dumped prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology and the export performance and the productivity of the Domestic Industry. It has been examined below whether factors other than dumped imports could have contributed to the injury to the Domestic Industry.

##### **(a) Volume and price of imports from third countries**

101. The imports from countries other than the subject countries are not significant in volume terms so as to cause or threaten to cause injury to the Domestic Industry. Imports from other countries accounted for less than 8% in total imports and less than 3% of total demand/consumption in India. Thus, it cannot be said that imports from other countries are causing injury. Also, the prices from the non-subject countries are higher than the prices of the subject countries.

##### **(b) Export Performance**

102. The Authority has considered the data for domestic operations only for its injury analysis.

##### **(c) Development of Technology**

103. None of the interested parties have furnished any evidence to demonstrate significant changes in the technology that could have caused injury to the Domestic Industry.

##### **(d) Performance of other products of the company**

104. The Authority notes that the performance of other products being produced and sold by the Domestic Industry does not appear to be a possible cause of injury to the Domestic Industry.

##### **(e) Trade Restrictive Practices and Competition between the Foreign and Domestic producers**

105. The import of the subject goods is not restricted in any manner and the same are freely importable in the country. No evidence has been submitted by any interested party to suggest that the conditions of competition between the foreign and the domestic producers have undergone any change.

##### **(f) Contraction in Demand and Changes in pattern of consumption**

106. It is noted that the demand of the subject goods has increased consistently over the entire injury period. Thus, it can be provisionally concluded that the injury to the Domestic Industry was not due to contraction in demand.

#### **I. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES**

107. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

#### **J. CONCLUSION ON INJURY & CAUSAL LINK:**

108. The Authority provisionally concludes as under:

- a) Imports of the subject goods from the subject countries have increased in absolute terms over the entire period of investigation.

- b) The landed price of imports from the subject countries have been declining significantly over the injury period and through the POI (A).
- c) Imports of the subject goods have increased relative to production and consumption in India.
- d) There is price suppression and depression due to low priced dumped imports coming in to India.
- e) Market share of the Domestic Industry has decreased from 2015-16 to POI even though demand for the subject goods has risen during the same period. This is due to the reason that imports have aggressively captured the increase in demand.
- f) The Domestic Industry's profitability, cash profits and return on capital employed has been drastically affected.
- g) The price undercutting and price underselling from the subject countries during the POI is positive and quite significant.

#### **K. CONCLUSION & RECOMMENDATIONS**

109. After examining the submissions made by the interested parties and issues raised therein; and considering the facts available on record, the Authority provisionally concludes that:
- a) There is substantial increase in imports of subject goods from subject countries in absolute terms as well as in relation to production & consumption in India during the POI (A) as compared to the previous years.
  - b) The product under consideration has been exported to India from the subject countries below their normal values.
  - c) The Domestic Industry has suffered material injury.
  - d) Material injury has been caused by the dumped imports of subject goods from subject countries.
110. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the Domestic Industry, exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted the investigation into dumping, injury and causal link in terms of the provisions laid down under the Anti-Dumping Rules, the authority is of the view that imposition of provisional duty is required to offset dumping and injury, pending completion of the investigation. Therefore, Authority considers it necessary and recommends imposition of provisional anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries.
111. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and the margin of injury, so as to remove the injury to the Domestic Industry. Accordingly, the Authority recommends imposition of provisional antidumping duty on the imports of subject goods, originating in or exported from subject countries, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, equal to the amount mentioned in Col. 7 of the duty table appended below. The landed value of imports for this purpose shall be assessable value as determined by the Customs under Customs Act, 1962 and applicable level of custom duties except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9, 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

Sl. No	Heading	Description	Country of origin	Country of export	Producer	Amount	Unit	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1.	8442.50, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.1190, 7606.9190, 7606.9290	Digital Offset Printing Plates	People's Republic of China	People's Republic of China	Lucky Huaguang Graphics Co. Ltd.	0.52	sqm	US Dollar
2.	8442.50, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.1190, 7606.9190, 7606.9290	Digital Offset Printing Plates	People's Republic of China	People's Republic of China	Kodak China Graphic Communications Co. Ltd.	Nil	sqm	US Dollar

3.	8442.50, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.1190, 7606.9190, 7606.9290	Digital Offset Printing Plates	People's Republic of China	People's Republic of China	Shanghai Strong State Printing Equipment Limited	0.57	sqm	US Dollar
4.	8442.50, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.1190, 7606.9190, 7606.9290	Digital Offset Printing Plates	People's Republic of China	People's Republic of China	Fujifilm Printing Plate (China) Co. Ltd.	Nil	sqm	US Dollar
5.	8442.50, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.1190, 7606.9190, 7606.9290	Digital Offset Printing Plates	People's Republic of China	People's Republic of China	Any other producer except S.No. 1 to 4 mentioned above in column no. (6)	0.57	sqm	US Dollar
6.	8442.50, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.1190, 7606.9190, 7606.9290	Digital Offset Printing Plates	People's Republic of China	Any country other than People's Republic of China	Any	0.57	sqm	US Dollar
7.	8442.50, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.1190, 7606.9190, 7606.9290	Digital Offset Printing Plates	Korea RP	Korea RP	Jeil C&P Co. Ltd.	0.26	sqm	US Dollar
8.	8442.50, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.1190, 7606.9190, 7606.9290	Digital Offset Printing Plates	Korea RP	Korea RP	Any other producer except Jeil C&P Co. Ltd.	0.89	sqm	US Dollar
9.	8442.50, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.1190, 7606.9190, 7606.9290	Digital Offset Printing Plates	Korea RP	Any country other than Korea RP	Any	0.89	sqm	US Dollar
10.	8442.50, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.1190, 7606.9190, 7606.9290	Digital Offset Printing Plates	Japan	Japan	Fujifilm Corporation	0.04	sqm	US Dollar
11.	8442.50, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.1190, 7606.9190, 7606.9290	Digital Offset Printing Plates	Japan	Japan	Any other producer except Fujifilm Corporation	0.21	sqm	US Dollar
12.	8442.50, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000,	Digital Offset Printing	Japan	Any country other	Any	0.21	sqm	US Dollar

	7606.1190,7606.9190, 7606.9290	Plates		than Japan				
13.	8442.50, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.1190,7606.9190, 7606.9290	Digital Offset Printing Plates	Vietnam	Vietnam	Any	0.76	sqm	US Dollar
14.	8442.50, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.1190,7606.9190, 7606.9290	Digital Offset Printing Plates	Vietnam	Any country other than Vietnam	Any	0.76	sqm	US Dollar
15.	8442.50, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.1190,7606.9190, 7606.9290	Digital Offset Printing Plates	Taiwan	Taiwan	Any	0.88	sqm	US Dollar
16.	8442.50, 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.1190,7606.9190, 7606.9290	Digital Offset Printing Plates	Taiwan	Any country other than Taiwan	Any	0.88	sqm	US Dollar

#### **L. FURTHER PROCEDURE**

112. The procedure as below would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:

- i. The Authority invites comments on these provisional findings from all the interested parties and the same, considered relevant by the Authority, would be considered in the final finding.
- ii. Domestic Industry, exporters, importers and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make their views known, within forty days from the date of the publication of these preliminary findings.
- iii. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings.
- iv. The Authority would conduct further verification to the extend deemed necessary.
- v. The Authority would disclose the essential facts as per the Anti-dumping Rules before announcing the final findings.

SUNIL KUMAR, Addl. Secy. & Director General